@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 26 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 18 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)



भारत के भविष्य के लिए एक घंटा

स्व-गणना के लिए se.census.gov.in पर जाएं

16 नवंबर से 30 नवंबर, 2026 | केवल गोवा, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के लिए

हमारी जनगणना, हमारा विकास | se.census.gov.in | 1800 180 1855 | 1855 | CensusIndia2027

जनगणना से जुड़ी जानकारी के लिए स्कैन करें

गृह मंत्रालय भारत सरकार सत्यमेव जयते

CBC 19108/13/0184/2627

मजबूत सुधारों और निवेश से आकार ले रहा विकसित भारत 2047: प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि विकसित भारत 2047 यात्रा मजबूत सुधारों और मुख्य सेक्टर्स में निवेश से आकार ले रही है। पीएमओ इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष आर. मुकुंदन के एक लेख का जिक्र किया। इसमें उन्होंने बताया कि कैसे बुनियादी ढांचे में निवेश, जीएसटी, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, कॉर्पोरेट टैक्स में सुधार, पीएलआई योजनाओं और व्यापार समझौतों के जरिए विकास की नींव रखी गई है। पोस्ट में आगे कहा कि भारत की आर्थिक क्षमता को स्थायी समृद्धि में बदलने के लिए सरकार और उद्योग जगत को 'टीम भारत' के रूप में मिलकर काम करना चाहिए। आर. मुकुंदन ने एक प्रमुख वित्तीय दैनिक समाचार पत्र में एक लेख लिखा। इसमें उन्होंने कल्पना की है कि अगस्त 2047 में, भारत की स्वतंत्रता के 100वें वर्ष पर, सीआईआई (भारतीय उद्योग परिसंघ) के अध्यक्ष क्या लिखेंगे। साथ ही, उन्होंने एक 'विकसित भारत' तक पहुंचने के लिए जरूरी रोडमैप भी पेश किया है। मुकुंदन भारत को एक उच्च-आय वाले देश के रूप में देखते हैं, जहां मैन्युफैक्चरिंग का कुल उत्पादन में 25 प्रतिशत योगदान हो, औपचारिक रोजगार और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़े, और भारतीय कंपनियां सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा तथा फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में अग्रणी हों। वर्तमान आर्थिक पैमानों का जिक्र करते हुए, मुकुंदन ने कहा कि 2025 तक प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) 2,760 डॉलर थी, विनिर्माण का जीवीए (सकल मूल्य वर्धन) में योगदान लगभग 15 प्रतिशत था, और आरएंडडी (अनुसंधान और विकास) पर खर्च जीडीपी का 0.84 प्रतिशत था। लेख में आगे बताया गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 में स्मार्टफोन भारत का सबसे बड़ा निर्यात उत्पाद बन गए। इस दौरान सेमीकंडक्टर से जुड़ी 12 परियोजनाओं को मंजूरी मिली, गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता 300 गीगावाट के पार पहुंच गई, और अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच घोषित 26.6 लाख करोड़ की परियोजनाओं में 86 प्रतिशत निवेश निजी क्षेत्र से आया। इसमें आगे कहा कि जीएसटी सुधारों, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, बुनियादी ढांचे में निवेश और पीएलआई (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन) योजनाओं की मदद से भारत की आर्थिक वृद्धि दर लगभग 8 प्रतिशत के स्तर पर बनी रही।



इसमें कंपनियों से कहा गया है कि वे मांग बढ़ने से पहले ही अपनी क्षमता का विस्तार करें, आयात या स्थायी सरकारी संरक्षण पर निर्भर रहने के बजाय घरेलू स्तर पर आरएंडडी को मजबूत करें और केवल 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' से आगे बढ़कर, राज्य-स्तरीय सुधारों के जरिए काम की गति को तेज करें।

भागवत बोले-युवाओं को झूठ से नफरत

वे सच के साथ, बाहरियों से ज्यादा अंदर के लोगों से खतरा

'हम नफरत करने वाले पड़ोसियों के भी मददगार'

एजेंसी

पटना। प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि आज के युवाओं को झूठ पसंद नहीं है। वे सच बोलने वालों के साथ खड़े होने को तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि युवा देश को महान बनाना चाहते हैं। युवा पीढ़ी गुलामी की सोच से बाहर निकल चुकी है। मौजूदा समय भारत को बाहरी दुश्मनों से ज्यादा अंदरूनी खतरों से सतर्क रहने की जरूरत है।

भागवत बुधवार को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में पांचवें पद्मा फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम में पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान भी मौजूद थे। भागवत ने कहा कि भारत की सोच सबसे अलग है। भारत सभी की मदद करना चाहता है, यहां तक कि उन पड़ोसी देशों की भी जो उससे नफरत करते हैं। उन्होंने कहा, अगर भारत आगे बढ़ता है तो ताकतवर देशों की दुकानें बंद हो जाएंगी, क्योंकि भारत सबकी मदद करना चाहता है। भारत मानता है कि ताकत का इस्तेमाल कमजोर लोगों की रक्षा करने और शांति कायम करने के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अच्छे काम करने वाले लोगों से सीखना चाहिए। उनके काम की सराहना करनी चाहिए और उनके काम को आगे बढ़ाना चाहिए। अगर किसी ने अपने फायदे के लिए भी अच्छा काम किया है, तो उसके काम से सीखने में कोई बुराई नहीं है।



पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने में युवाओं की सबसे बड़ी भूमिका होगी। वे इस लक्ष्य को हासिल करने में सबसे ज्यादा योगदान देंगे और इसका सबसे ज्यादा फायदा भी उन्हें ही मिलेगा। चौहान ने कहा कि मौजूदा वैश्विक सुरक्षा स्थिति संवेदनशील दौर से गुजर रही है। दुनिया में ताकत का संतुलन बदल रहा है।

सार संक्षेप

अमित शाह गुरुवार को 'संविधान गौरव दिवस' कार्यक्रम को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित 'संविधान गौरव दिवस' समारोह को संबोधित करेंगे। दिल्ली प्रदेश भाजपा की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शामिल होंगी। कार्यक्रम दोपहर 3:30 बजे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर में आयोजित किया जाएगा।दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि अमित शाह समारोह में मुख्य अतिथि और प्रमुख वक्ता होंगे। समारोह में दिल्ली के सांसदों के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्ध नागरिकों को भी आमंत्रित किया गया है।

प्रणब मुखर्जी के मुद्दे पर वह अनावश्यक चर्चा नहीं चाहते हैं : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की सलाह पर तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के अपने बयान पर छिड़ी राजनीतिक बहस के एक दिन बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस विषय को विराम देने की अपील की है। बुधवार को कूचबिहार के रास मेले में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि वे दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति के सम्मान में इस मुद्दे पर अब और 'अनावश्यक चर्चा' नहीं चाहते। उल्लेखनीय है कि, एक साक्षात्कार में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया था कि पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की सलाह पर उन्होंने भाजपा का दामन थामा था।

डाक संचालन और संपदा प्रबंधन योजनाओं के विस्तार को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में डाक सेवा के संचालन और ढांचागत सुविधाओं के रखरखाव के लिए दो अलग-अलग फैसलों में 1,141 और 1,491 करोड़ की दो योजनाओं के अगले 5 सालों के संचालन को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने डाक विभाग की योजना को मंजूरी दी। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।

राजीव गांधी की हत्या पर राहुल के दावों को भाजपा ने बताया हल्की राजनीति

35 साल बाद मुद्दा उठाने पर साधा निशाना

राहुल गांधी हल्की बातें करने में माहिर हैं।

एजेंसी

पटना। राजीव गांधी की हत्या को लेकर राहुल गांधी के दावों पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखा पलटवार किया है। भाजपा नेताओं ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जैसे गंभीर पद पर रहते हुए इस तरह के संवेदनशील मुद्दे पर बिना प्रमाण के बयानबाजी नहीं होनी चाहिए। राजीव गांधी की हत्या को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दावों पर भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राजीव गांधी की दुर्भाग्यपूर्ण हत्या 1991 में हुई थी। इतनी हल्की राजनीति करेंगे वो? वो हल्की बातें करने में माहिर हैं। राहुल गांधी अक्सर हल्की बातें करते हैं लेकिन कम-से-कम अपने पिता की हत्या जैसे गंभीर मामले में 35 साल बाद ऐसी हल्की बातें नहीं करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि अकाली दल ने पंजाब के विकास में अहम भूमिका निभाई है। जब भी वह सरकार में रही है, उसने पंजाब के विकास में योगदान दिया। भारतीय जनता पार्टी के साथ उसका बहुत पुराना संबंध है और पंजाब में यह गठबंधन निश्चित रूप से सरकार बनाने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोगों की इच्छा है कि पंजाब नशामुक्त बने, यहां के उद्योगों की हालत में सुधार हो, कानून-व्यवस्था बेहतर हो और ऐसी सरकार बने जो सीमा की सुरक्षा में लगी भारत की सुरक्षा एजेंसियों को सहयोग करे। आज पंजाब जिस अराजक स्थिति में पहुंच गया है, उससे पंजाब के लोग त्रस्त हैं। चुनाव के बाद अकाली दल और भाजपा के गठबंधन की सरकार बनेगी। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को लेकर उन्होंने कहा कि जनता दल (यूनाइटेड) के कार्यकारी अध्यक्ष यह बात कह रहे हैं, तो उसमें दम है।



होम्योपैथी के क्षेत्र में मजबूत अनुसंधान संस्कृति विकसित करने के लिए संस्थान मिलकर करें काम : राष्ट्रपति

होम्योपैथी भारत की विविध स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

एजेंसी

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुसंधान संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और पेशेवर संगठनों से होम्योपैथी के क्षेत्र में मजबूत अनुसंधान संस्कृति विकसित करने के लिए आपसी सहयोग करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि होम्योपैथी की भविष्य की विश्वसनीयता और अकादमिक प्रतिष्ठा काफी हद तक उसके अनुसंधान की वैज्ञानिक सत्यनिष्ठा और उससे प्राप्त होने वाले नैदानिक साक्ष्यों की गुणवत्ता पर निर्भर करेगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय होम्योपैथी वैज्ञानिक सम्मेलन में शिरकत करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि होम्योपैथी भारत की विविध स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुलभ, समतामूलक, वैज्ञानिक दृष्टि से जिम्मेदार और जनहित के प्रति संवेदनशील बनाने में संस्थानों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों तथा स्वास्थ्य सेवा से जुड़े पेशेवरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्रपति ने कहा कि चिकित्सा से जुड़ा प्रत्येक निर्णय मरीज की गरिमा, सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लिया जाना चाहिए। स्वास्थ्य सेवा का अंतिम उद्देश्य लोगों की पीड़ा को कम करना और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है। इसलिए चिकित्सा के प्रत्येक क्षेत्र में मरीज का हित सर्वोपरि होना चाहिए। उन्होंने होम्योपैथी के विकास में वैज्ञानिक अनुसंधान और गुणवत्तापूर्ण नैदानिक साक्ष्यों की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि होम्योपैथी की विश्वसनीयता और शैक्षणिक प्रतिष्ठा को मजबूत बनाने के लिए अनुसंधान में वैज्ञानिक ईमानदारी तथा प्रमाण आधारित दृष्टिकोण अनिवार्य है।



राष्ट्रपति ने कहा कि एक ऐसी स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था का निर्माण आवश्यक है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। इसके लिए चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े सभी पक्षों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन वैज्ञानिक दृष्टिकोण, संवेदनशीलता और मरीजों के हितों को ध्यान में रखते हुए करना चाहिए।

हर क्षेत्र में महिलाएं आगे : शिवराज सिंह चौहान

पीएम मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तीकरण के एक नए युग का प्रारंभ हुआ : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को नई चेतना 5.0 का शुभारंभ किया और महिलाओं की सुरक्षा एवं सहायता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की पहल को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तीकरण के एक नए युग का प्रारंभ हुआ है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण, बहनों का सम्मान और बेटियों का आदर भारत की माटी में, भारत के मूल में है। पीएम मोदी के नेतृत्व में महिलाओं और बहनों का आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक सशक्तीकरण करने का काम किया गया। संसद में भी महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देकर राजनीतिक सशक्तीकरण करने का प्रयास भी किया गया है। बहनों में जो चेतना जागृत हुई है, मैं कहना चाहता हूं कि जो आरक्षण में रुकावट बने हुए हैं, वे भी ज्यादा दिनों तक लोकसभा और विधानसभा में 33 फीसदी आरक्षण देने से रोक नहीं पाएंगे। आप में से कई बहनें संसद में जाकर बैठेंगी। उन्होंने कहा कि देश में 3 करोड़ 75 लाख लखपति दीदियां हैं। हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ी हैं। केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा और अपराध को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कुछ घटनाएं ऐसी हैं, जो अंदर से झकझोर देती हैं। छोटी-छोटी बच्चियों के साथ जब कुछ गलत होता देखते हैं, तो आत्मा कांप जाती है। अलग-अलग घटनाओं के बारे में सुनते हैं, तो सोचते हैं कि हमारे समाज में क्या हो गया है। उन्होंने पुरुष मानसिकता का जिक्र करते हुए कहा कि घर के सारे कामकाज की जिम्मेदारी बहू पर है। हम उससे बेटी जैसा बर्ताव क्यों नहीं कर सकते हैं? हम सभी को पुरुष प्रधान मानसिकता को बदलने की जरूरत है। महिलाएं गुलाम नहीं हैं, उनका भी आत्मसम्मान है। वह भी आकाश में ऊंची उड़ान भरना चाहती हैं। उन्हें अपने अनुसार जीने का ढंग मिलना चाहिए? क्यों कदम-कदम पर बाधा खड़ी की जाती है? महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों में नशे का अहम रोल है, कई जगहों पर महिलाओं ने शराब के ठेके बंद करने की मांग भी की है।



शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पुरुष मानसिकता का जिक्र करते हुए कहा कि घर के सारे कामकाज की जिम्मेदारी बहू पर है। हम उससे बेटी जैसा बर्ताव क्यों नहीं कर सकते हैं?

सौरव दास को पासपोर्ट कार्यालय ने जारी किया नोटिस

7 दिन में जवाब मांगा— विदेश मंत्रालय



एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बुधवार को कहा कि पासपोर्ट आवेदन में जन्मस्थान से संबंधित जानकारी में कथित विसंगति को लेकर सौरव दास को चेन्नई स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) की ओर से कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्हें सात दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। जवाब दाखिल करने तक पासपोर्ट का इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश भी दिया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि पासपोर्ट आवेदन में आवेदक को सही जानकारी देना अनिवार्य होता है। यदि किसी स्तर पर जानकारी में विसंगति सामने आती है या संबंधित अधिकारियों की ओर से तथ्य छिपाने की जानकारी मिलती है, तो आवेदक को कारण बताओ नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों से मिली रिपोर्ट के आधार पर चेन्नई स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय ने 23 नवंबर को सौरव दास को नोटिस जारी किया। इसमें जन्मस्थान से संबंधित जानकारी को लेकर सात दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। जायसवाल ने कहा कि नोटिस में यह भी निर्देश दिया गया है कि जवाब देने तक वह अपने पासपोर्ट का इस्तेमाल न करें।

पाकिस्तानी हैंडलर से जुड़े शिक्षक के घर पर एनआईए की छापेमारी

एजेंसी

पटना। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को बिहार के मधुबनी जिले में पाकिस्तानी हैंडलर से व्हाट्सएप के जरिए कथित तौर पर संपर्क करने के आरोप में गिरफ्तार शिक्षक मोहम्मद इजहार के घर पर छापा मारा। इस कार्रवाई के दौरान, एजेंसी की टीम ने परिवार के सदस्यों से पूछताछ की, जबकि इजहार की पत्नी और बेटे को पूछताछ के लिए पांडौल पुलिस स्टेशन ले जाया गया। एनआईए की मध्य प्रदेश इकाई की सात सदस्यीय टीम पांडौल पुलिस स्टेशन क्षेत्र के सरसोपाही गांव स्थित इजहार के घर पहुंची और स्थानीय पुलिस की सहायता से कार्रवाई शुरू की। छापेमारी सदर डीएसपी अमित कुमार और नगर एवं पांडौल पुलिस स्टेशनों के पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में की गई। एनआईए की टीम कथित संबंधों की जांच के तहत इजहार के परिवार के सदस्यों से जानकारी जुटा रही है।



कारोबार साढ़े नौ वर्षों में यूपी ने लगाई लंबी छलांग, फैक्ट्रियों की संख्या 14,000 से बढ़कर 35,000 के पार

एडवांस्ड ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग का नया हब बन रहा मेरठः योगी

एजेंसी

लखनऊ/मेरठ। उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्रांति और वैश्विक निवेशकों के बढ़ते भरोसे की कड़ी में बुधवार को एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ के इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर में वैश्विक दिग्गज 'बॉल कॉर्पोरेशन' की नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी का शिलान्यास किया। ?2,900 करोड़ से अधिक के भारी-भरकम निवेश से स्थापित होने जा रही एल्युमिनियम बेवरेज कैन की इस विश्वस्तरीय इकाई के भूमिपूजन अवसर पर मुख्यमंत्री ने बॉल कॉर्पोरेशन की पूरी टीम का हृदय से आभार जताते हुए कहा कि यह प्लांट 'आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' और 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' की विकास यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने प्रदेश में आ रहे निवेश की निरंतरता का उल्लेख करते हुए कहा कि अभी कुछ ही दिन पहले सीएनएच इंडस्ट्रियल के 1,200 करोड़ रुपये से अधिक के नए प्लांट का भूमिपूजन हुआ, दो दिन पूर्व ताइवान की क्रिएटिव सेंसर के साथ 1,100 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर सार्थक संवाद हुआ और आज मेरठ में बॉल कॉर्पोरेशन का शिलान्यास हो रहा है, जो उत्तर प्रदेश के प्रति बढ़ते वैश्विक विश्वास का जीवंत प्रमाण है।मेरठ के औद्योगिक कायाकल्प पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के लिए एक 'एंकर यूनिट' के रूप में कार्य करेगी, जिससे हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही स्थानीय एमएसएमई, पैकेजिंग सप्लायर्स, लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्ट और रीसाइक्लिंग पार्टनर्स के लिए भी व्यापार के नए द्वार खुलेंगे।



मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट उत्पादन में देश का सिरमौर बना उत्तर प्रदेश, 15 लाखकरोड़ रुपये के निवेश धरातल पर उतरे

2,900 करोड़ से अधिक के निवेश से लगेगी बॉल कॉर्पोरेशन की विश्वस्तरीय एल्युमिनियम बेवरेज कैन इकाई, मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास

पुलिस ने ई-रिक्शा यात्री से लूटपाट मामले में दो महिलाओं समेत चार आरोपियों को किया गिरफ्तार



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने न्यू अशोक नगर थाना इलाके में चाकू की नोक पर लूटपाट के मामले में दो महिलाओं समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को जानकारी दी कि आरोपियों ने शक से बचने और आसानी से अपराध को अंजाम देने के लिए एक ऐसे ई-रिक्शा का इस्तेमाल किया, जिसमें उनके परिवार के सदस्य भी सवार थे। दिल्ली पुलिस ने बताया कि 14 नवंबर को रात करीब 11 बजे न्यू अशोक नगर थाने को शिकायतकर्ता राजेश कुमार की एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि एक ई-रिक्शा चालक ने चाकू की नोक पर उनसे पांच हजार रुपए लूट लिए हैं। उस समय ई-रिक्शा में दो महिलाएं और दो बच्चे भी सवार थे। जांच के दौरान पता चला कि उसी रात करीब 10.30 बजे, शिकायतकर्ता नोएडा टी-पॉइंट से आनंद विहार बस टर्मिनल जाने के लिए ई-रिक्शा में बैठा था। ई-रिक्शा में पहले से ही दो महिलाएं और दो बच्चे सवार थे। रास्ते में चालक ने अपनी पत्नी और बच्चों को घर छोड़ने के बहाने ई-रिक्शा को धर्मशिला अस्पताल की तरफमोड़ दिया। इसके बाद वह शिकायतकर्ता को धर्मशिला पुल के पास एक सुनसान जगह पर ले गया, जहां उसने चाकू दिखाकर उसे डराया-धमकाया और जबरन उसके पैसे और जरूरी दस्तावेज छीन लिए। पुलिस के अनुसार, महिलाओं ने भी कथित तौर पर शिकायतकर्ता को डराया-धमकाया और उसे ड्राइवर की बातें मानने के लिए मजबूर किया। इसके आधार पर न्यू अशोक नगर थाने में बीएनएस की धारा 309(4)/3(5) के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच के दौरान ई-रिक्शा के रजिस्टर्ड मालिक, कल्याणपुरी निवासी अंसार (55 वर्ष) का पता चला। उसने बताया कि इस गाड़ी को आमतौर पर उसका बेटा जुबैर चलाता है। आगे की जांच में पता चला कि जुबैर और उसका बहनोई, नजरे आलम, सनलाइट कॉलोनी थाने में दर्ज एफआईआर में भी शामिल थे, जो लूट के एक अन्य मामले से जुड़ी थी।

दिल्ली पुलिस ने चेन स्नेचिंग के मामले में आदतन अपराधी को किया गिरफ्तार

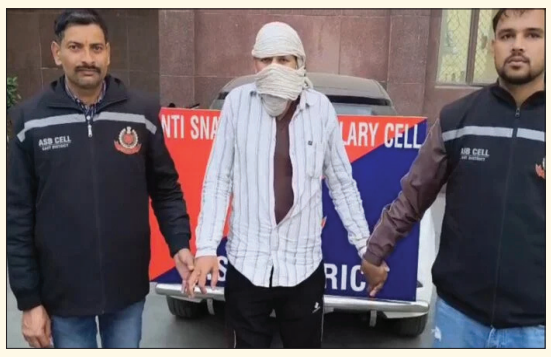

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने विशेष अभियान के दौरान चेन स्नेचिंग के मामले में एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को जानकारी दी कि इस अपराधी के खिलाफ 25 से अधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं, जिनमें स्नेचिंग, लूट, डकैती, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट (हथियार कानून) से जुड़े मामले शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने न्यू अशोक नगर थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए आदतन अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। यह कार्रवाई 27 अक्टूबर को मॉर्निंग वॉक के दौरान एक व्यक्ति की सोने की चेन छीनने की घटना के बाद की गई थी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता विजय कुमार सेठ 27 अक्टूबर को सुबह लगभग 7 बजे, 'पार्वती विहार अपार्टमेंट' के पास मॉर्निंग वॉक पर जा रहे थे। तभी एक मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों ने कथित तौर पर उनकी सोने की चेन और उसमें लगा 'ओम' का पेंडेंट छीन लिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद, न्यू अशोक नगर थाने में पुलिस ने बीएनएस की धारा 304(2)/3(5) के तहत एफआईआर दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पूर्वी जिले के एंटी-स्नैचिंग एंड बर्गलरी (एएसबी) सेल की एक विशेष टीम बनाई गई। जांच के दौरान, टीम ने आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और संदिग्ध मोटरसाइकिल के आने-जाने के रास्तों का पता लगाया। शिकायतकर्ता ने फुटेज में दिख रहे दो लोगों की पहचान उन संदिग्धों के रूप में की, जिन पर अपराध करने का आरोप है। शुरुआत में एएनपीआर फुटेज से पता चला कि मोटरसाइकिल पर जो रजिस्ट्रेशन नंबर लगा था, वह जांच करने पर एक स्कूटर के नाम पर रजिस्टर्ड निकला। इससे साफ हुआ कि उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। रूट का पीछे की ओर विश्लेषण करते हुए, टीम ने संदिग्धों के आने-जाने के रास्ते का पता लगाया, जो न्यू अशोक नगर, कल्याणपुरी और नाला रोड से होकर गुजरता था। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि संदिग्धों ने अपनी पहचान छिपाने और पकड़े जाने से बचने के लिए रास्ते में अपने कपड़े, हेलमेट, बैठने की स्थिति और मोटरसाइकिल की नंबर प्लेट बदल ली थी। गाजीपुर अंडरपास के पास के एएनपीआर फुटेज की और जांच करने पर मोटरसाइकिल का असली रजिस्ट्रेशन नंबर सामने आया। इसके मालिक का पता लगाने और बाद में की गई फील्ड जांच की मदद से, पुलिस मोटरसाइकिल के मालिकाना हक तक पहुंचने और उससे जुड़े लोगों की पहचान करने में सफल रही।

छठ पर टिप्पणी कर घिरे यश महेश्वरी, कार्रवाई की मांग

- लोजपा (आर) ने हास्य कलाकार यश महेश्वरी के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टैंडअप कॉमेडियन (हास्य कलाकार) यश महेश्वरी छठ पर्व पर विवादित टिप्पणी करने के बाद आलोचनाओं से घिर गए हैं। टखिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने यश महेश्वरी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब महेश्वरी के स्टैंडअप कार्यक्रम का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ। यह क्लिप 21 नवंबर को उनके यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया था। क्लिप में महेश्वरी ने बिहार में छठ पर्व वर विवाहित महिलाओं के सिंदूर लगाने की परंपरा को लेकर विवादित टिप्पणी की। इसके बाद यश की आलोचना हुई और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग उठने लगी। लोजपा (रामविलास) ने एक बयान में कहा कि पार्टी का प्रतिनिधिमंडल बुधवार शाम चार बजे दक्षिण दिल्ली के महिला अपराध प्रकोष्ठ थाने में दिल्ली पुलिस को औपचारिक शिकायत सौंपेगा। इसमें कॉमेडियन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की जाएगी। पार्टी ने कहा कि छठ केवल एक पर्व नहीं, बल्कि बिहार की करोड़ों महिलाओं की आस्था, भक्ति, आत्मसम्मान और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। पार्टी ने आरोप लगाया कि छठ पर्व, सिंदूर और बिहार की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को लेकर की गई टिप्पणियों से करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। पार्टी ने बताया कि यह शिकायत राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रणब कुमार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल सौंपेगा।

ट्रेन के चपेट में आने से युवक की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओखला रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना के समय वह ट्रैक पार कर रहा था। इसी दौरान एक्सप्रेस ट्रेन से टकरा गया। आशंका है कि युवक नशे में था। उसके पास से कोई दस्तावेज नहीं मिला है। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच कर रही है। रेलवे पुलिस उपायुक्त भरत रेड्डी ने बताया कि पुलिस मृतक की फोटो लेकर उसकी शिनाख्त के लिए आसपास के इलाके में पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार, सोमवार दोपहर में पुलिस को इसकी सूचना मिली थी।

दिल्ली-यूपी में ठंड और कोहरे का डबल अटैक, दक्षिण भारत के 6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।
देशभर में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। उत्तर भारत में सर्दी का असर बढ़ने के साथ सुबह और रात के समय ठंड तथा कोहरे की स्थिति बनने लगी है। वहीं दक्षिण भारत के कई राज्यों में उत्तर-पूर्वी मानसून सक्रिय है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 26 नवंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
दिल्ली-एनसीआर में तापमान गिरने से ठंड बढ़ रही है। यहां न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है। मौसम विभाग ने 26 और 27 नवंबर को दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में घने कोहरे की संभावना जताई है। पंजाब और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी कोहरा छाने का अनुमान है। इससे सुबह के समय सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित हो सकता है।
उत्तर प्रदेश और बिहार में फिलहाल बारिश की संभावना नहीं है। दोनों राज्यों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है, हालांकि सुबह और रात के समय हल्की धुंध तथा ठंड बढ़ सकती है। जम्मू-कश्मीर में भी सर्दी का असर तेज हो रहा है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान माइनस 1.9 डिग्री और पहलगाम में माइनस 3.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।
तमिलनाडु के डिंडीगुल, मदुरै, विरुधुनगर और थेनी सहित कई जिलों में भारी बारिश की संभावना है। केरल और पुडुचेरी में भी बारिश का अलर्ट है। आईएमडी के अनुसार कुछ दक्षिणी इलाकों में गरज-चमक, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की आशंका है। मौसम के इस बदलाव के बीच दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण भी चिंता बढ़ा रहा है। यहां वायु गुणवत्ता खराब से बहुत खराब श्रेणी में पहुंचने से लोगों को सांस संबंधी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।



दो-तिहाई बहुमत नहीं जुटा पाई मोदी सरकार, कांग्रेस ने साधा निशाना

- जयराम बोले- खुद को चाणक्य समझने वाले ने साम, दाम, दंड, भेद में से आखिरी तीन तरीके अपनाए, फिर भी नाकाम रहे

नई दिल्ली, एजेंसी।
लोकसभा में परिसीमन विधेयकों को पारित कराने के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत जुटाने में मोदी सरकार की कथित नाकामी को लेकर कांग्रेस ने बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। पार्टी ने आरोप लगाया कि खुद को चाणक्य समझने वाले व्यक्ति ने बहुमत हासिल करने के लिए कौटिल्य के सिद्धांत साम, दाम, दंड और भेद में से आखिरी तीन तरीकों का इस्तेमाल किया, लेकिन इसके बावजूद सफलता नहीं मिली।
कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि लोकसभा में खतरनाक



परिसीमन विधेयकों को पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की बेताब कोशिश की गई। इस दौरान आर्थिक प्रलोभन, संस्थागत दबाव और विपक्ष में फूट डालने जैसे तरीके अपनाए गए, लेकिन सरकार सफल नहीं हो सकी। उन्होंने सवाल उठाया कि बातचीत और सहमति के रास्ते यानी साम को आजमाने का मौका क्यों नहीं दिया गया।
रमेश ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पिछले सात महीनों में चार बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर संवाद का रास्ता अपनाने का सुझाव दे चुके हैं। उन्होंने 11 अप्रैल, 16 जुलाई, 27 अगस्त और 16 अक्टूबर को पत्र लिखे, लेकिन किसी का भी औपचारिक जवाब नहीं मिला। रमेश अक्सर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर स्वयंभू चाणक्य कहकर निशाना साधते रहे हैं।
इससे पहले सोमवार को भी कांग्रेस ने संसद सत्र को लेकर बनी अनिश्चितता पर सरकार को घेरा था। पार्टी ने कहा था कि संसद का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए 100 दिन बीत चुके हैं, लेकिन सरकार अब तक परिसीमन विधेयकों के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत जुटाने में लगी है। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री पर राजनीतिक दबाव और धमकियों की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन गतिविधियों से संसद जैसी महत्वपूर्ण संस्था की प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही है। पार्टी ने इस पूरे घटनाक्रम को केंद्र सरकार की राजनीतिक रणनीति की विफलता बताया।

डूसू कार्यकारिणी चुनाव का बिगुल बजा, तीन दिसंबर को होगा मतदान

- 27 नवंबर तक नामांकन करा सकेंगे, नामांकन पत्रों की जांच भी उसी दिन होगी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विश्वविद्यालय में डूसू छात्र संघ चुनाव संपन्न होने के बाद इसकी कार्यकारिणी बनाने के लिए चुनाव होंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) की 11 सदस्यीय कार्यकारी परिषद (एग्जीक्यूटिव काउंसिल) के चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। कार्यकारिणी चुनाव के लिए मतदान तीन दिसंबर को होगा। उसी दिन चुनाव के नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे। चुनाव की औपचारिक प्रक्रिया 27 नवंबर को समाप्त हो जाएगी।
चुनाव कार्यक्रम के अनुसार इच्छुक उम्मीदवार 27 नवंबर दोपहर दो बजे तक अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन दाखिल करने के तुरंत बाद दोपहर 2:30 बजे से नामांकन पत्रों की जांच (स्क्रूटनी) की जाएगी और शाम पांच बजे तक योग्य उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी जाएगी। इसके अगले दिन यानी 28 नवंबर को उम्मीदवार शाम चार बजे तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। नाम वापसी की समय-सीमा समाप्त होने के बाद शाम पांच बजे चुनाव मैदान में डटे अंतिम उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित कर दी जाएगी।
तीन दिसंबर को मतदान सुबह 10 बजे से शुरू होकर दोपहर एक बजे तक चलेगा। मतदान संपन्न होने के महज डेढ़ घंटे बाद, दोपहर 2:30 बजे से मतों की गिनती शुरू कर दी जाएगी और शाम तक नतीजे स्पष्ट हो जाएंगे। चुनाव से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं नॉर्थ कैंपस स्थित डीयू के गेट नंबर-4 के सामने बॉटनी विभाग के पास बने कॉन्फ्रेंस सेंटर में चुनाव अधिकारी के कार्यालय से संचालित होंगी।
इस चुनाव में केवल डूसू केंद्रीय परिषद (सेंट्रल काउंसिल) के सदस्य ही हिस्सा ले सकते हैं। नामांकन पत्रों की जांच के दौरान प्रवेश के लिए चुनाव कार्यालय से जारी गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा, जिसके लिए संबंधित कॉलेज के प्रिंसिपल या विभागाध्यक्ष से सत्यापित फॉर्म जमा करना होगा। साथ ही, उम्मीदवारों को अपने कॉलेज या संस्थान का वैध पहचान पत्र भी साथ रखना होगा। चुनाव के नतीजे घोषित होते ही डूसू की 11 सदस्यीय कार्यकारिणी की टीम पूरी हो जाएगी।

पूर्वी दिल्ली के क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए नेशनल स्कूल गेम्स में जगह बनाने का मौका

- अंडर-17 दिल्ली टीम के चयन की तैयारी शुरू, 27 नवंबर से अशोक विहार में लगेगा प्रशिक्षण शिविर

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्वी दिल्ली के स्कूली क्रिकेट खिलाड़ियों के पास राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा मौका है। 70वें नेशनल स्कूल गेम्स 2026-27 के तहत दिल्ली की अंडर-17 बालक क्रिकेट टीम तैयार करने के लिए शिक्षा निदेशालय की स्पोर्ट्स ब्रांच 27 नवंबर से प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने जा रही है। इस शिविर के जरिए पूर्वी दिल्ली के प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी दिल्ली की टीम में जगह बनाने के लिए अपनी दावेदारी पेश कर सकेंगे। शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी सर्कुलर के अनुसार, 27 नवंबर से 4 दिसंबर तक भारत नगर, अशोक विहार में क्रिकेट का कोचिंग एवं ट्रेनिंग कैंप लगाया जाएगा।
इसके लिए दिल्ली स्टेट स्कूल गेम्स और सेंट्रल जोन (सीबीएसई) में निर्धारित क्रिकेट मानक पूरे करने वाले खिलाड़ियों का चयन किया गया है। चयनित खिलाड़ियों को सुबह 9 बजे शिविर स्थल पर रिपोर्ट करना होगा। पूर्वी दिल्ली के खिलाड़ियों के लिए राहत की बात यह है कि निर्धारित मानक पूरे करने वाले ऐसे खिलाड़ी, जिनका नाम पहले जारी चयन सूची में शामिल नहीं हो पाया था, वे भी सीधे प्रशिक्षण शिविर में पहुंचकर हिस्सा ले सकते हैं। ऐसे में पूर्वी दिल्ली के स्कूलों में पढ़ने वाले अंडर-17 क्रिकेट खिलाड़ियों के पास अपनी प्रतिभा साबित करने और दिल्ली टीम में जगह बनाने का अवसर है। शिविर में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर दिल्ली की टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। 10 से 15 दिसंबर तक ग्वालियर के सिंधिया स्कूल क्रिकेट ग्राउंड में 70वें नेशनल स्कूल गेम्स आयोजित होंगे। इसमें दिल्ली की टीम दूसरे राज्यों के खिलाड़ियों के साथ मुकाबला करेगी।

कैंटीन के बाहर प्रदर्शन करने पर जामिया ने 10 से अधिक छात्रों को थमाया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)।जामिया मिल्लिया इस्लामिया प्रशासन ने निर्धारित स्थल के बजाय सेंट्रल कैंटीन के बाहर प्रदर्शन करने पर 10 से अधिक छात्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सोमवार को बिलकिस बानो मामले के संबंध में विभिन्न छात्र संगठनों के सदस्यों ने कैंटीन के बाहर प्रदर्शन किया था। चीफ प्रॉक्टर कार्यालय की ओर से जारी नोटिस में छात्रों से पूछा गया है कि उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए। इसके लिए लिखित जवाब मांगा गया है। नोटिस के अनुसार, छात्रों ने निर्धारित प्रदर्शन स्थल से हटकर सेंट्रल कैंटीन के बाहर सभा की और परिसर में प्रदर्शन संबंधी नियमों का उल्लंघन किया। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि हाईकोर्ट के निर्देशों के तहत जामिया में गेट नंबर-18 को प्रदर्शन के लिए निर्धारित किया गया है। इसके बावजूद विभिन्न छात्र संगठनों के सदस्य कैंटीन के बाहर जुटे। प्रदर्शन में अधिक से अधिक छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्टर भी साझा किए गए थे। इस दौरान भाषण और नारेबाजी हुई, जिससे परिसर की सामान्य गतिविधियां प्रभावित हुईं। वहीं, विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं भी चल रही हैं। नोटिस पाने वाले छात्रों में अलग-अलग विभागों के फैजान अहमद, मोहम्मद आकिब, एबिन, ओसामा खान और साहिल फिरोज खान सहित अन्य छात्र शामिल हैं। इनमें आठ छात्र जामिया की एनएसयूआई इकाई के बताए जा रहे हैं। नोटिस में यह भी आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन में शामिल कुछ छात्रों ने सुरक्षा कर्मचारियों को अपने पहचान पत्र नहीं दिखाए। इसे विश्वविद्यालय के अध्यादेश-14 के तहत अनुशासनहीनता और गंभीर कदाचार माना गया है। कुछ छात्रों को पहले जारी किए गए कारण बताओ नोटिस का भी इसमें उल्लेख किया गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय में जवाब नहीं मिलने पर एकतरफा कार्रवाई की जाएगी। जामिया के एक अधिकारी ने बताया कि सेंट्रल कैंटीन के आसपास करीब 10 विभाग संचालित होते हैं। परीक्षा के दौरान इस क्षेत्र में प्रदर्शन जैसी गतिविधियों से शैक्षणिक और सामान्य कामकाज प्रभावित होता है। इसे देखते हुए करीब 10 से 12 छात्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

सीजेपी नेता सौरव दास की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने तत्काल सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के नेता सौरव दास की याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सौरव दास ने दावा किया था कि उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर अधिकारियों ने लंदन जाने से रोक दिया, जहां उन्हें ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में एक लेक्चर देना था। सौरव दास के वकील ने बुधवार को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश (एसीजे) नितिन वासुदेव साम्ब्रे के सामने इस मामले का जिक्र किया और बुधवार को ही तत्काल सुनवाई की मांग की। वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि सौरव दास को दिल्ली एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन काउंटर पर रोका गया था। उन्हें विदेश यात्रा से रोकने वाला कोई आदेश या 'लुक आउट सर्कुलर' नहीं दिखाया गया। वकील ने कहा, 'मुझे इमिग्रेशन पर रोका गया। मुझे कोई आदेश नहीं दिखाया गया। न तो कोई एलओसी था और न ही किसी अथॉरिटी की ओर से मुझे विदेश यात्रा करने से रोकने का कोई निर्देश था। मैं अपनी याचिका पर आज ही तत्काल सुनवाई की मांग कर रहा हूं। अगर सुनवाई हो जाए, तो मैं 27 तारीख तक यूनाइटेड किंगडम पहुंच सकता हूं।' उन्होंने हाईकोर्ट से बुधवार को ही इस मामले पर सुनवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि सौरव दास की फ्लाइट गुरुवार शाम को है, और अगर इस पर तुरंत सुनवाई नहीं हुई, तो याचिका का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। हालांकि, एसीजे साम्ब्रे ने तत्काल सुनवाई की मांग को खारिज कर दिया और कहा कि इस मामले पर गुरुवार को सुनवाई होगी। एक्टिंग चीफ जस्टिस ने कहा, 'इसे कल के लिए रहने दें।' सौरव दास ने सोमवार रात को 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया था कि उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर लंदन जाने से रोक दिया गया। उन्हें ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में एक लेक्चर देना था। यह घटनाक्रम सौरव दास की प्रस्तावित विदेश यात्रा को लेकर चल रही राजनीतिक बयानबाजी के बीच सामने आया। दिल्ली भाजपा ने उन पर आरोप लगाया कि वे केंद्र सरकार की ओर से विदेश यात्रा से रोके जाने को लेकर भ्रामक दावे कर रहे हैं।

दिल्ली में जुटेंगे देशभर के हुनरमंद कारीगर, 27 नवंबर से सजेगा हस्तशिल्प और कला का बाजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'कारीगर बाजार' के दूसरे संस्करण का आयोजन 27 नवंबर से 6 दिसंबर तक यहां के लोधी रोड स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया जाएगा। दस दिन के इस आयोजन में 26 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 250 से अधिक कारीगर और शिल्पकार अपनी कला एवं हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। इनमें राष्ट्रीय पुरस्कार और संत कबीर पुरस्कार से सम्मानित शिल्पकारों के साथ जीआई टैग प्राप्त कला के विशेषज्ञ, पारंपरिक बुनकर, महिला कारीगर, स्वयं सहायता समूह और उभरते हुए उद्यमी शामिल होंगे। बाजार में बनारसी, चंदेरी, महेश्वरी और इकत जैसे पारंपरिक वस्त्रों के साथ ब्लॉक प्रिंटिंग, चिकनकारी, कच्छ कढ़ाई, मधुबनी, गोंड चित्रकला, टेराकोटा, ब्लू पॉटरी, धातु एवं लकड़ी की नक्काशी, पारंपरिक आभूषण और पर्यावरण अनुकूल हस्तशिल्प उत्पादों की विविधता देखने को मिलेगी। इस बार 'कारीगर एक्सपीरियंस सेंटर' भी विशेष आकर्षण होगा, जहां आगंतुक बुनाई, कढ़ाई, मिट्टी के बर्तन बनाने, चित्रकला और नक्काशी जैसी पारंपरिक कलाओं का लाइव प्रदर्शन देख सकेंगे। इसका उद्देश्य लोगों को उत्पादों के साथ-साथ उनके पीछे की कला, तकनीक और कारीगरों की पीढ़ियों से चली आ रही विरासत से जोड़ना है। कारीगर बाजार के निदेशक एवं सह-संस्थापक आमिर खान ने कहा कि पिछले संस्करण को मिले उत्साहजनक प्रतिसाद के बाद इस बार आयोजन को और व्यापक स्वरूप दिया गया है। मंच का उद्देश्य कारीगरों को पहचान और बाजार उपलब्ध कराना तथा उन्हें सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ना है। निदेशक एवं सह-संस्थापक पंकज सिंह राणा ने कहा कि कारीगर बाजार के माध्यम से देश की विविध शिल्प परंपराओं को व्यापक पहचान देने का प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं से लेकर छोटे कारीगर समूहों और महिला स्वयं सहायता समूहों तक, सभी को अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

मिरांडा हाउस में शोध और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए अलग सुविधाएं शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस कॉलेज में स्नातक छात्रों के शोध और अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए विशेष सुविधाएं शुरू की गई हैं। कॉलेज में स्नातक शोधार्थियों के लिए विशेष स्थान आवंटित किए गए हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यालय (ओआईपी) के लिए भी अलग सुविधा शुरू की गई है। कॉलेज की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) बिजयलक्ष्मी नंदा ने बुधवार को इन सुविधाओं की शुरुआत की।
कॉलेज से प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों के चौथे वर्ष की शुरुआत के बाद शोध के लिए बुनियादी ढांचा विकसित करने की दिशा में यह कदम उठाया गया है। इन कमरों में छात्रों को शोध परियोजनाओं, बहुविषयक अध्ययन और अकादमिक संवाद के लिए अनुकूल माहौल मिलेगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में शोध के प्रति रुचि बढ़ाना और उन्हें अकादमिक अनुसंधान से जोड़ना है।वहीं, अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यालय के माध्यम से विदेशी विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी, छात्र-शिक्षक आदान-प्रदान और संयुक्त शोध को बढ़ावा दिया जाएगा। कॉलेज का मानना है कि इन सुविधाओं से विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को वैश्विक स्तर पर अकादमिक जुड़ाव के अधिक अवसर मिलेंगे।

निगमायुक्त संजीव खिरवार ने रोहिणी क्षेत्र का किया निरीक्षण, भलस्वा लैंडफिल साइट पर बायो माइनिंग कार्यों का लिया जायजा

नई दिल्ली, एजेंसी।
निगमायुक्त संजीव खिरवार ने बुधवार को बाहरी उत्तर क्षेत्र के रोहिणी सेक्टर-23 का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। निगमायुक्त ने इलाके में सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।
संजीव खिरवार ने बाहरी उत्तर क्षेत्र के वार्ड नंबर-27, बेगमपुर में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने इलाके में सफाई व्यवस्था की स्थिति दुरुस्त बनाए रखने के आदेश दिए। रोहिणी सेक्टर-32 एवं दीप विहार का भी निरीक्षण किया एवं वहां पर धूल कम करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि नगर निगम दिल्ली को साफ, स्वच्छ एवं हरित शहर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में कार्य करते हुए निगम के वरिष्ठ अधिकारी फील्ड में जाकर स्वयं निरीक्षण कर रहे हैं।
निरीक्षण के दौरान बाहरी उत्तर क्षेत्र के उपायुक्त राघवेंद्र मीणा सहित दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, संजीव खिरवार ने आज भलस्वा लैंडफिल साइट पर जारी बायो माइनिंग कार्यों का जायजा लिया। निगमायुक्त ने भलस्वा लैंडफिल साइट कचरे के निस्तारण की प्रगति का जायजा लिया और कहा कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर बचे कूड़े को जल्द से जल्द निस्तारित किया जाए।
निगमायुक्त ने भलस्वा लैंडफिल साइट पर जमा नए कूड़े के निस्तारण के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए और कहा कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर जमा लीगेसी कचरे के निस्तारण के मासिक लक्ष्य हर हाल में पूरे किए जाने चाहिए ताकि लीगेसी कचरे का समय से निस्तारण हो सके। उन्होंने भलस्वा लैंडफिल साइट पर आ रहे नए कूड़े का निस्तारण भी जल्द से जल्द करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रमुख अभियंता केके शर्मा सहित दिल्ली नगर निगम के उच्च अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।



वायु प्रदूषण से निपटने के लिए युद्ध स्तर पर उपाय शुरू, कोयला-लकड़ी के तंदूर पर रोक

गुरुग्राम। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए गुरुग्राम में लग्जरी आवासीय सोसायटियां, निवासी और डेवलपर्स सक्रिय हो गए हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक हफ्ते में शहर की हवा की गुणवत्ता खराब हुई है। गुरुवार को एयर क्वालिटी इंडेक्स 320 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। सोसायटियों ने एंटी-स्मॉग गन, रूफटॉप स्प्रिंकलर और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के पानी का छिड़काव करने वाले सिस्टम लगाए हैं। कई निवासियों ने अपने घरों में एयर प्यूरीफायर भी लगाए हैं। सेक्टर 48 स्थित सेंट्रल पार्क रिसॉर्ट्स में ऑटो-रिक्शा और ई-रिक्शा से पानी की फुहार छोड़ी गई। निवासी शैलजा भाटिया ने साफ हवा न मिलने पर चिंता व्यक्त की। बिल्डर भी नए प्रोजेक्ट्स में स्प्रिंकलर नेटवर्क लगा रहे हैं। गुरुग्राम प्रशासन और नगर निकायों ने मुख्य सड़कों पर पानी का छिड़काव करने के लिए टैंकर तैनात किए हैं। इसका उद्देश्य प्रदूषण और सड़क की धूल के असर को कम करना है। एक एक्स यूजर ने गुरुग्राम से अपने एयर प्यूरीफायर फिल्टर की तस्वीरें साझा कीं। इनमें धूल और गंदगी की मोटी, काली परत दिखाई दे रही थी। यूजर ने प्रदूषित हवा के लिए भारी कीमत चुकाने पर नाराजगी जताई। सेक्टर 92 की राइजिंग होम्स सोसाइटी ने 2.5 लाख रुपये खर्च कर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को स्प्रिंकलर नेटवर्क से जोड़ा है। दिवाली के बाद से पानी के छिड़काव का समय दो घंटे बढ़ाया गया है। राइजिंग होम्स के अध्यक्ष प्रवीण मलिक ने कहा कि केवल सोसायटियों के प्रयासों से प्रदूषण नियंत्रित नहीं होगा। सोहना रोड स्थित विपुल ग्रीन्स में एंटी-स्मॉग गन और छतों पर स्प्रिंकलर लगाए गए हैं। डीएलएफ सिटी के फेज एक और चार में प्रदूषण से निपटने के लिए अलग बजट है। यहां मशीनी स्वीपर, पानी का छिड़काव और निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। गुरुग्राम के उपायुक्त उत्तम सिंह ने आदेश जारी किए। उन्होंने पूरे जिले के होटलों, रेस्तरां और खुले में खाने-पीने की जगहों पर तंदूर में कोयले और लकड़ी के इस्तेमाल पर रोक लगाई है।

गर्म कपड़ों की 25 दुकानों में अज्ञात कारणों से लगी आग, लाखों रुपये के कपड़े जले

गुरुग्राम। गुरुग्राम के पटौदी के रामलीला मैदान परिसर में हिमालन के नाम से सर्दी के कपड़े की 25 दुकानों में रविवार सुबह करीब 4 बजे अज्ञात कारणों से आग लग गई। दुकानों में आग लगते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। दुकानों में आग लगने की सूचना मिलने पर पटौदी फायर स्टेशन से चार दमकल गाि?यां और मानेसर फायर स्टेशन से दो दमकल गाि?यां मौके पर गई थीं। पांचों टीमों के फायर कर्मचारियों ने करीब तीन घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस घटना में किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है क्योंकि यह जहां दुकाने हैं, वहां पर नहीं रहते पटौदी में अलग -अलग किराये पर रहते हैं। यहां पर करीब 25 दुकानें बनाई गई थी, जिनमें गर्म कप? रखे गए थे। दुकान लगाने वालों में जम्मू-कश्मीर, नेपाल, लद्दाख के लोग शामिल हैं। जोकि रात को दुकानें बंद करके चले गए थे। रविवार सुबह करीब 4 बजे अज्ञात कारणों से आग लग गई। एक दुकानदार कंचन का आरोप है कि दुकानों में यह आग किसी ने साजिश के तहत लगाई हो सकती है, इसकी जांच होनी चाहिए। वहीं, दूसरी ओर फायर विभाग की टीम ने प्राथमिक तौर पर शॉर्ट सर्किट से दुकानों में आग लगने की संभावना जताई है।

10 मिनट में मेडिकल स्टोर से लाकर दे दी 87 फीसदी अल्कोहल वाली प्रतिबंधित दवा की शीशी

अलीगढ़। अलीगढ़ कोतवाली क्षेत्र के सराय काबा में 87 फीसदी अल्कोहल वाली प्रतिबंधित दवा (कुट्ट) बेखौफ होकर मेडिकल स्टोर से बेची जा रही है। डोरी वाली गली के लोगों के इसकी जानकारी देने के बाद एक युवक को दो मेडिकल स्टोर पर भेजा गया तो उन्होंने मात्र दस मिनट में दोनों स्थानों से नशे की शीशी (कुट्ट) खरीदकर थमा दी। इसे खरीदते समय इसकी रिकॉर्डिंग भी की गई। इसके बाद एक बार फिर लोगों का गुस्सा फूटा और उन्होंने प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग की। डोरी वाली गली में सोमवार दोपहर तीन बजे बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे एकत्रित हुए। बच्चों के हाथों में नशे के कुट्टे के खिलाफ बनाए गए पोस्टर थे। लोगों का कहना था कि गली में माहौर समाज के लोग रहते हैं। यहां के परिवार के कई युवा और किशोर नशे की दलदल में फंसते जा रहे हैं। भाई दूज के दिन एक युवक की मौत होने पर उन्होंने मेडिकल स्टोर संचालक के खिलाफ प्रदर्शन किया था। इसके बाद स्टोर संचालक वहां से भाग गया। उन्हें जानकारी दी गई कि उसका लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है लेकिन यह भी पता चला कि पूर्व में की गई शिकायत पर लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई की गई है। दोनों मेडिकल स्टोर के खिलाफ पहले भी शिकायत मिली



थी। आबकारी विभाग की टीम के साथ वहां जाकर जांच की गई थी। दोनों के खिलाफ रिपोर्ट औषधि विभाग के सहायक आयुक्त को रिपोर्ट भेज दी गई है। दोनों के लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई प्रचलित है। इससे पहले हितेष मेडिकल स्टोर का लाइसेंस निलंबित किया जा चुका है।-दीपक लोधी, ड्रग इंस्पेक्टर लोगों के एकत्रित होने के बाद संजय बजाज ने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। उन्होंने कहा कि अभी भी प्रतिबंधित दवा बेची जा रही है। गली में लोग एकत्रित होकर मेडिकल स्टोर बंद कराने जाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके कुछ देर बाद ही दोनों मेडिकल स्टोर बंद करा दिए गए। सरोज नाम की महिला ने बताया कि उनकी दो बेटियों की 26 नवंबर को बरात आनी है। पूरा परिवार शादी की तैयारियों में जुटा था। भाईदूज के दिन सरोज के पति मोहनलाल उर्फ पप्पू की मृत्यु हो गई। आरोप है कि मोहनलाल कुट्ट का सेवन करने लगे थे। इससे उनकी किडनी खराब हो गईं थीं। कुसुमा देवी ने बताया कि उनकी बेटा सुनील (40) एक माह पहले, कमलेश ने बताया कि दो माह पहले उनके पति मुरारी लाल, प्रेमवती ने बताया कि उनका बेटा संजय (25) तीन माह पहले इसी प्रतिबंधित दवा का सेवन करने से मृत्यु हुई है। निवासी राजू माहौर ने बताया कि उनकी गली के सुंदर, प्यारे लाल, नीरज, पप्पू, हजारी लाल, नंदराम, लाखन, जयप्रकाश, भोला आदि की भी इसी के सेवन से पिछले कुछ माह में मृत्यु हुई है। हालांकि, किसी के शव का भी पोस्टमार्टम नहीं कराया गया और न ही कोई प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। निवासियों का आरोप है कि प्रतिबंधित दवा बनाने वाली कंपनी का पता शीशी पर झारखंड और दिल्ली लिखा होता है। जबकि सच्चाई यह है कि नशे के सौदागर अलीगढ़ में ही फैक्टरी चलाकर इनकी बाजार में बिक्री कर रहे हैं।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार तीन रिश्तेदारों की मौत, घर से दुकान जाने को निकले थे

बहराइच। यूपी में बहराइच के फखरपुर में दुकान जा रहे बाइक सवार तीन युवकों को हाईवे पर ट्रैक्टर-ट्रॉली ने सोमवार सुबह टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस उन्हें मेडिकल कॉलेज ले गई। वहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। तीनों मृतक आपस में रिश्तेदार थे। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। रिसिया थाना के जमाल टेपरा गांव निवासी रामकिशुन (18), मुकेश (23) और रामू (25) एक ही बाइक से घर से निकले थे। रामू के भाई रमेश ने बताया कि तीनों फखरपुर में संचालित साइकिल की दुकान जा रहे थे। गांव के चौपाल सागर के पास हाईवे पर उनकी बाइक को ट्रैक्टर-ट्रॉली ने टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हाईवे चौकी प्रभारी हेमंत सिंह ने दो घायलों को एंबुलेंस और एक को ऑटो से मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। वहां तैनात चिकित्सक डॉ. राजेश सोनकर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों के पास मिले मोबाइल फोन से परिजनों को हादसे की सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही परिवार के लोग रोते-बिलखते अस्पताल पहुंचे। बाइक सवार तीनों युवक हेलमेट नहीं लगाए हुए थे। एएसपी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि थानाध्यक्ष दिवाकर तिवारी मामले की जांच कर रहे हैं। दुर्घटना में शामिल ट्रैक्टर-ट्रॉली की तलाश की जा रही है।

बख्तावर चौक पर मेट्रो के डबल डेकर कॉरिडोर पर जल्द शुरू होगा कार्य

गुरुग्राम। बख्तावर चौक पर मेट्रो के डबल डेकर कॉरिडोर पर जल्द निर्माण कार्य शुरू होगा। गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) ने गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) को प्रस्तावित डबल डेकर कॉरिडोर और अंडरपास का डिजाइन सौंप दिया है। गुरुग्राम मेट्रो परियोजना के पहले चरण में मिलेनियम सिटी सेंटर से सेक्टर-9 तक मेट्रो का निर्माण कार्य चल रहा है। इसी कॉरिडोर में बख्तावर चौक पर पहले अंडरपास बनाने की योजना थी। मेट्रो निर्माण की योजना तैयार करते समय जीएमआरएल ने यहां अंडरपास के स्थान पर डबल डेकर कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव रखा था। इस पर दोनों प्राधिकरणों के बीच सहमति बनी थी। इस दौरान जीएमडीए ने जीएमआरएल के सामने भविष्य की योजना भी रखी। प्राधिकरण की ओर से मेदांता मेडिसिटी से सेक्टर-51 की ओर छह लेन का अंडरपास बनाने की योजना है। ऐसे में डबल डेकर कॉरिडोर के निर्माण के दौरान इस अंडरपास के लिए भी आवश्यक प्रावधान रखने को कहा गया था। जीएमडीए के कार्यकारी अभियंता अमित कुमार ने बताया कि प्राधिकरण भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए चौक पर अंडरपास का विकल्प चाहता है।

आपस में टकराईं दो बाइकें, दो युवकों की मौत व युवती घायल, किसी ने नहीं पहना था हेलमेट

अमावां (रायबरेली)। रायबरेली-सुल्तानपुर हाईवे पर सोमवार दोपहर छेदी का पुरवा गांव के मोड़ के पास दो बाइकें आपस में टकरा गईं। इससे बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवती घायल हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वाहनों की रफ्तार तेज थी इसलिए बाइकें अनियंत्रित होकर आमने-सामने से टकरा गईं। बाइक सवार हेलमेट नहीं लगाए थे। घायल युवती को अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे की खबर सुनकर परिजनों में रोना पिटना मच गया। डीह थाना क्षेत्र के जिलेदार पूर्व कोडी निवासी अमरेश (22) पुत्र बाबूलाल खेती करते थे। अमरेश बाइक से जायस से रायबरेली आ रहे थे। वहीं, अमेठी जिले के फुरसतगंज थाना क्षेत्र के सरवन गांव निवासी राममिलन उर्फ सोनू (28) पुत्र सत्यनारायण अपनी बहन कंचन (27) के साथ बाइक से रायबरेली से घर जा रहे थे। दोपहर करीब 12.30 बजे हाईवे पर छेदी का पुरवा गांव के मोड़ के पास बाइकें आपस में टकरा गईं। इससे बाइक सवार सभी लोग घायल हो गए। इसमें अमरेश की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं राममिलन और उनकी बहन को जिला अस्पताल रायबरेली पहुंचाया गया। जिला अस्पताल में राममिलन को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, उनकी बहन का इलाज चल रहा है। जोरदार टक्कर होने से बाइकें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। राममिलन में दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करते थे। दिवाली पर्व पर छुट्टी लेकर घर आए थे। बहन के साथ रायबरेली से घरेलू काम निपटाने के बाद घर जा रहे थे।

गरीबों के पानी से करोड़ों की विला सोसाइटी की प्यास बुझाने की तैयारी, इस नगर पंचायत पर उठे सवाल

गाजियाबाद। गाजियाबाद के डासना नगर पंचायत एक बार फिर विवादों में है। इस बार मामला गरीब जनता के पीने के पानी और करोड़ों रुपये की लागत से बन रही एक निजी विला सोसाइटी को पानी की सप्लाई देने से जुड़ा है। दरअसल, नगर पंचायत डासना के वार्ड नंबर 15 के सभासद वसीम राजा ने नगर पंचायत अध्यक्ष को शिकायती पत्र देकर अधिशासी अधिकारी पर गम्भीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के मुताबिक, वार्ड नंबर 12 में राजगृह के पास एनएचएआई की सड़क किनारे खुदाई कर फोरेस्ट वॉक सोसाइटी के निर्माणाधीन विला प्रोजेक्ट के लिए पानी की पाइपलाइन डाली जा रही है। सभासद का आरोप है कि इसके लिए नगर पंचायत बोर्ड की अनुमति और सम्बंधित विभागों की एनओसी भी नहीं ली गई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब डासना में अमृत 2.0 योजना के तहत जल निगम द्वारा गरीब और आम जनता के लिए पेयजल व्यवस्था का काम कराया जा रहा है, तो क्या किसी निजी बिल्डर की सोसाइटी को भी इस व्यवस्था से पानी उपलब्ध कराया जा सकता है? सभासद ने आरोप लगाया है कि फोरेस्ट वॉक सोसाइटी स्वीकृत डीपीआर में शामिल नहीं है। उन्होंने पाइपलाइन का काम तत्काल रुकवाने और मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अब सवाल नगर पंचायत प्रशासन और जिला प्रशासन से है कि आखिर जनता के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी या निजी प्रोजेक्ट को? शिकायत के बाद अब प्रशासन की कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हैं। उधर, अधिशासी अधिकारी ने बताया कि सोसाइटी में जब तक पानी की व्यवस्था नहीं है तब तक नगर पंचायत द्वारा पानी सप्लाई दी जाएगी, उनसे पानी का सभी की तरह से टैक्स/पैसा वसूला जाएगा।

गुड़ प्लांट में खौलती कड़ाही में गिरा लखीमपुर खीरी का युवक

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी के ईसानगर थाना क्षेत्र के मूड़ी गांव निवासी दानिश (40 वर्ष) की महाराष्ट्र में गुड़ प्लांट पर काम करने के दौरान हादसे में मौत हो गई। शुक्रवार दोपहर गुड़ बनाते समय अचानक वह खौलते कड़ाही में गिर गया। इससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। साथी मजदूरों ने उसे कड़ाही से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे का पूरा घटनाक्रम प्लांट में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। परिजन ने बताया कि दानिश गांव के करीब 15 श्रमिकों के साथ महाराष्ट्र में गुड़ प्लांट पर काम करने गया था। शुक्रवार दोपहर गुड़ बनाने के दौरान वह अचानक संतुलन बिगड़ने से खौलते कड़ाही में जा गिरा। हादसे के बाद प्लांट में अफरातफरी मच गई। साथी मजदूरों ने उसे बाहर निकाला और अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महाराष्ट्र पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे गांव मूड़ी भेज दिया। शव पहुंचने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने दानिश के साथ गए मजदूरों पर गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची ईसानगर पुलिस ने परिजनों को हादसे का सीसीटीवी फुटेज दिखाया। फुटेज देखने के बाद परिजन शांत हो गए। सीओ शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि महाराष्ट्र के गुड़ प्लांट में दुर्घटना हुई थी। शव गांव पहुंचने पर एहतियातन पुलिस भेजी गई थी। मामले में किसी के खिलाफ आरोप लगाते हुए कोई तहरीर नहीं मिली है।

NAME CHANGE
I, ARVIND SINGH S/o SARAN PAL SINGH R/o – H NO- X/1392, Gali No 4, Rajhgarh Colony, PO Gandhi Nagar, DIST: East Delhi, Delhi-110031 have changed the name of my minor son PARTAKA SINGH, aged 10 years and he shall hereafter be known as PARTAKH SINGH.

NAME CHANGE
I NIFO,W/O JAHANGEER R/O H.NO-127,GANDRAOO, KAIRANA, SHAMLI, UTTAR PRADESH-247774, HAVE CHANGED MY NAME TO HANIFA.

NAME CHANGE
I, Swapan W/O Praveen Sankhla R/O, 742 -H - Block Mangol puri Dist: North West Delhi Pin: 110083 Have Changed My Name To Swapna For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I Aslam S/O Noor khan address, T - 402- B-1 , Gali no- 21, GautamPuri , seelampur, North East Delhi, Delhi-110053 have changed my Name to Aslam khan

NAME CHANGE
I, SIDRA MIRZA W/O MOHD ZUHAIB R/O HOUSE NO. 376 GALI SAQQON WALI BAZAR MATIA MAHAL JAMA MASJID DELHI - 110006, HAVE CHANGED MY NAME FROM SIDRA AND SIDRA JUNAID TO SIDRA MIRZA.

NAME CHANGE
It is for general information that, I SUNIL SINGH S/o KUNWAR SINGH R/o H. No.-154 D, Block - 39, Sector 73, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as SUNIL and PREETI in my minor Daughter namely AARADHYA BISHT aged 14 years in her School record. The actual name of mine and my wife is SUNIL SINGH and PREETI BISHT, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, NAVIN MAROTHIA S/O POONAM CHAND MAROTHIA R/O FLAT NO 7 3RD FLOOR PLOT NO 301, SECTOR 11, NEAR SECTOR 11 MOTHER DAIRY, VASUNDHRA, Vasundhra, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201012, have changed the name of my minor son PRAGYAN SINGH aged 02 years and he shall hereafter be known as AGASTYA SINGH MAROTHIA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SANGEETA, W/o. GANESH KUMAR DAS, R/o. A-569, POCKET-A, J.J. COLONY, BHARAT VIHAR, SECTOR-15, DWARKA, NEW DELHI-110078, have changed my name and shall hereafter be known as SANGEETA DEVI.

NAME CHANGE
I, hitherto Known as MOHD AASIF S/O MOHD UMAIR ALAM R/O House No.390, Gali No-10, Behind Rkgit College, Noor Shanti Nagar, Raj Nagar Extension, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201017 have changed my name and shall hereafter be known as MD AASIF.

NAME CHANGE
I, hitherto known as GANESHA S/O: Vipin Kumar, R/o 47 B, Sohan Lal Mohalla, Sihani Gate, Ghaziabad, PO:Ghaziabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201001, have changed my name and shall hereafter be known as GANESH.

NAME CHANGE
It is for general information that I MANTOSH KUMAR S/o AJAY MAHTO R/o 149, richpal puri, hapur more, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001, declare that name of my father has been wrongly written as AJAY KUMAR in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father is AJAY MAHTO.

NAME CHANGE
I SUGARBI legally mother of Army no -2801802K, Rank - HAV, Name - SHABBIR LALAKHAN PENDARI, Presently Residing At - NAGARAMUNNOLI Post- NAGARAMUNNOLI, Teh - CHIKODI, Dist - BELGAVI, State- KARNATKA Pin - 59122 have changed my name from SUGARBI to SUDARABI for all future purposes, and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 18/01/1954 instead of my correct date of birth as 01/06/1960 vide Affidavit dated 25/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I MEERADEVI legally mother of Army No. 2801222P , Rank - Hav, Name - Pawan Singh, Presently Residing At - Bhudoli, Post-Bhudoli Teh-Neem ka Thana, Dist-Sikar, State Rajasthan, Pin-332713 have changed my name from MEERADEVI to MEERA KANWAR for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 21/09/1966 instead of my correct date of birth as 02/05/1960 vide Affidavit dated 25/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, HEM LATA W/o Rohit Kumar R/o B-925,2nd Floor, Shastri Nagar, Opp. Shani Mandir, Delhi-110052, have changed my name to HEMLATA KHORWAL permanently.

NAME CHANGE
I, MONIKA GUPTA W/o Naveen Gupta R/o 288/18, Aggarwal Colony, Bahadurgarh, Jhajjar, Haryana-124507, have changed my name to MANISHA DEVI permanently.

NAME CHANGE
I, HAPPY RAMESH KUMAR SINGLA W/o Ramesh Kumar Amrit Paul Singla R/o Third Floor C-47, Green Park Main Green Park Market, South Delhi, Delhi-110016, have changed my name to HAPPY SINGLA permanently

NAME CHANGE
I hitherto known as RUKSANA alias KM RUKSANA D/O SHABIR ALI R/O H NO-14, GARIMA GARDEN, SAHIBABAD, PO-SAHIBABAD, DIST-GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005, have changed my name and shall hereafter be known as KM RUKSANA.

NAME CHANGE
I hitherto known as LEELAWATI W/o DHARAMPAL SINGH, R/o 42, gali no- 1/7, brahmpuri, modi nagar, Modinagar, Modi Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201204, have changed my name and shall hereafter be known as LEELA.

NAME CHANGE
I, MITHLESH TRIPATHI W/o PRADEEP KUMAR, R/o H No-124/2, Old Vijay Nagar, Vijay Nagar, PO: Ghaziabad City, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201009, have changed my name and shall hereafter be known as MITHLESH TIWARI.

NAME CHANGE
I, Naresh Sharma S/O Jagdish Prasad R/O RZ 871 1st Floor, Gali No-5, Main Sagarpur South West Delhi, Delhi, 110046 have changed my name to Naresh Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, CHARANDEEP NAYYAR S/O MANGAT RAM NAYYAR R/O Flat NO-1003-A 10th Floor, Tower-7, Devka Skypers, Raj Nagar, Extension, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201017 declare that name of my wife has been wrongly written as ADITI NAYYAR in my minor daughter SHRISHTI NAYYAR aged 15 years in her Birth Certificate No. 58664. The actual name of my wife is JYOTI NAYYAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, ANOOP KUMAR S/O GAURI SHANKAR DUBEY R/O S-3 Plot No- 192, Sector-6 Vaishali, I.E.Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh- 201010 have changed the name of my minor daughter PIHU DWIVEDI aged 14 years and she shall hereafter be known as VARALIKA DWIVEDI.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RITA W/o Late Sh. TILAK CHAND R/O S-186/36-A, JJ CAMP, TUGLAK LANE, NIRMAN BHAWAN, PO NIRMAN BHAWAN DISTT. CENTRAL DELHI-110011, declare that my husband has expired on dated 27.10.2026 I, declare that name of mine and my date of birth has been wrongly written as RITTA (D.O.B-19.03.1988) in my husband Late Sh. TILAK CHAND pension book records his PPO No. 401201605808. That actual correct name of mine and my date of birth is RITA (d.o.b-16.03.1987), which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SUHAIL AHMED S/O ANEES AHMED SIDDIQUI R/O HOUSE NO. 349 KATRA BUDDHAN RAI DELHI GATE DARYA GANJ NEW DELHI - 110002, HAVE CHANGE MY NAME FROM SUHAIL AHMED SIDDIQUI TO SUHAIL AHMED FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I, YASHU BANSAL W/O ANKIT BANSAL R/O 4A NILGIRI 3 NEAR EVERGREEN SWEETS SECTOR 34 NOIDA GAUTAM BUDDHA NAGAR UTTAR PRADESH-201307 have changed my minor daughter name from SUHANI to SUHANI BANSAL for all future purposes.

NAME CHANGE
I, YASHU BANSAL W/O ANKIT BANSAL R/O 4A NILGIRI 3 NEAR EVERGREEN SWEETS SECTOR 34 NOIDA GAUTAM BUDDHA NAGAR UTTAR PRADESH-201307 have changed my minor daughter name from ISHANI to ISHANI BANSAL for all future purposes.

NAME CHANGE
I, KRUPA BH Spouse of JC-441996A, Rank-SUB, Name-PRAKASHA residing at VPO-VALAGEARHALLI, P.S-DUDDA, TEHSIL & DIST-HASSAN, KARNATAKA-573118, have changed my name from KRUPA BH to KRUPA B H for all future purposes vide Affidavit dated 25/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANSARI JUNAID MOHD SHAREEF S/o. SHAREEF ANSARI R/o. H.NO-B-365, GALI NO-2, INDRA VIHAR, GOKALPUR, DELHI-110094 have changed my name to JUNAID ANSARI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, hitherto known as KAPIL KUMAR S/O SHIVCHARAN R/O House No. 522, Sarvodaya Nagar, Ghaziabad, PO: Vijay Nagar, Uttar Pradesh-201009, have changed my name and shall hereafter be known MUKESH KUMAR.

NAME CHANGE
I, Rounak Singh S/o Tejendra Singh R/o House No.-78, Street No.-4, near Bank Colony, Modinagar, Ghaziabad, Modi Nagar, Uttar Pradesh - 201204 have changed my name and shall hereafter be known as Yuvraj

NAME CHANGE
I, TARUN KUMAR S/O RAMBIR R/O D2-106, NEAR PACIFIC, WORLD SCHOOL, SPRING, MEADOWS TECHZONE-4, GREATER NOIDA, PO : GREATER NOIDA, DIST ; Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201308 have changed the name of my minor daughter SHAKSHI aged 12 years and she shall hereafter be known as SAKSHI.

LOST & FOUND
I,mrs. Annapoomy bala Subramanian resident of E-82, Seema Apartment plot- 7, sector 11, Dwarka, Delhi, has lost/misplaced the original relinquishment deed of property B-202 Yamuna Apartment Alaknanda New Delhi 110019. A complaint regarding the same has been lodged with Delhi Police vide LR No: 791617/2026. If found by anyone, please contact the undersigned. **Annapoorny**

NAME CHANGE
I, hitherto known as SHWETA D/O PAPPU R/O Hoshiyarpur, Sector-51, VTC: Noida, PO: Noida, District Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed my name and shall hereafter be known as SHWETA SHARMA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as GANESH DAS, S/O SHIV CHANDRA DAS, R/o. A-569, POCKET-A, J.J. COLONY, BHARAT VIHAR, SECTOR-15, DWARKA, NEW DELHI-110078, have changed my name and shall hereafter be known as GANESH KUMAR DAS.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SEEMA D/O SUMER SINGH W/O PARVENDER KUMAR R/O MAVIKALA, MAVIKALA PO; BAGHPAT, DIST; BHAGHPAT, UTTAR PRADESH-250609, have changed my name and shall hereafter be known as SANGEETA

NAME CHANGE
I DEENOO S/O SALEM R/O VILL URKI DALLA, PO PADALWAS, BHARATPUR, DEEG, RAJASTHAN-321205. have changed my name to DEENU for all purposes.

NAME CHANGE
I Rakshita D/0 Sapna Bhargava R/0 2401, Chippiwara kalan, Jama Masjid Delhi 110006 CHANGED MY NAME TO Rakshita Bhargava

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR S/O KAMAL KUMAR JAIN R/O D-1/5, 2ND FLOOR, KRISHNA NAGAR, SHAHDARA, DELHI-110051 HAVE CHANGED MY NAME TO SANJAY KUMAR JAIN.

NAME CHANGE
I ASGARI W/O DEENU R/O VILL URKI DALLA, PO PADALWAS, BHARATPUR, DEEG, RAJASTHAN-321205. Have changed my name to ASAGARI for all purposes.

Public Notice
It is for general information that I NEELESH KUMAR S/O: Rajesh Singh,Pal R/O D-755, prem vihar, khora colony, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001, declare that name of my father and my Mother have been wrongly written as Rajesh Singh and Ramwati Devi in my all educational documents.The actual name of my father and my Mother are Rajesh Singh Pal and Rambeti,respectively which may be amended accordingly.

Public Notice
I, MOHD. ASLAM ANSARI S/O MOHD SALAMAT ANSARI, R/O K 225, W 12-B, WEST AVENUE, SAINIK FARM, KHANPUR, SOUTH DELHI, DELHI-110062, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as MD ASLAM ANSARI and RAHIMA in my minor daughter namely JAINAB KHATOON aged 14 years in her school records. The actual name of mine and my wife are MOHD. ASLAM ANSARI and RAHIMA KHATUN respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल जहांगीर (उम्र 61 वर्ष), पुत्र अब्दुल मजीद, निवासी मकान नं. A-75, कंचन कुंज, मदनपुर खादर एक्सटेंशन पार्ट-2, सरिता विहार, नई दिल्ली-110076 ने अपने दोनों पुत्रों शाह फैसल अंसारी एवं शाहिद को अपनी चल-अचल संपत्तियों से बेदखल कर उनसे सभी पारिवारिक संबंध समाप्त कर लिए हैं। उनसे किसी भी प्रकार का लेन-देन करने वाला व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा।

शोएब रहमान (अधिवक्ता)
चैंबर नं. 846, लॉयर्स ब्लॉक,
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली-110017
मो. 9971616119

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. NITIN KUMAR IS OWNER AND IN POSSESSION OF PLOT AREA MEASURING 150 SQ. YDS., OUT OF KHASRA NO. 123, SITUATED IN THE AREA OF VILLAGE WAZIRABAD, DELHI STATE ABADI KNOWN AS GALI NO. 13, WAZIRABAD, DELHI. AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE GPA (NOTARIZED), SPA (NOTARIZED), ATS (NOTARIZED) AND WILL (REGD.) DATED 07.01.2025 EXECUTED BY MR. RAJESH GOEL S/O MR. LAL CHAND AGGARWAL IN FAVOUR OF MR. NITIN KUMAR. NOW MR. RAVINDER SINGH IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. NITIN KUMAR, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9958996685.

सार्वजनिक सूचना
मैं, श्रीमती सुनीता राय, प्लॉट संख्या 15, क्षेत्रफल 75 वर्ग गज, खसरा संख्या 8/6, ग्राम काकरोला, दिल्ली कॉलोनी/निशात पार्क, ब्लॉक-सी, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-110078 की स्वामी हूँ। श्रीमती नानी द्वारा निष्पादित दिनांक 19.08.2026 के विक्रय विलेख (दस्तावेज़ संख्या 2026/16/1/12617) के अनुसार, पूर्व स्वामित्व विलेख और उपरोक्त विक्रय विलेख के बीच की अवधि में कोई पंजीकृत स्वामित्व विलेख निष्पादित नहीं किया गया है। संपत्ति श्रीमती सुनीता राय के निरंतर स्वामित्व में है। संपत्ति में किसी भी प्रकार का दावा, अधिकार, स्वामित्व, हित, ग्रहणाधिकार या आपत्ति रखने वाले व्यक्ति को इस प्रकाशन के 3 दिनों के भीतर एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, सेक्टर 15, गुरुग्राम को आपत्ति दर्ज करानी होगी।

PUBLIC NOTICE
Notice is given on behalf of Mr. Nitin Kumar to inform to the public at large that Mr. Nitin Kumar is purchasing the Residential House No. 963, Measuring 88 Sq. Yards, Khasra No.233/2min, Situated at Sain Vihar Colony, Village Dundaheda, Pargana Loni, Tehsil & Distt. Ghaziabad, Uttar Pradesh from Mrs. Usha Rani who became owner vide Sale Deed Dated 07.09.2000 (Doc. No. 5306) executed by Mrs. Sharbati Devi. Now, the same property will be financed & mortgaged by Hinduja Housing Finance Ltd., Branch-Loni, Ghaziabad. That, Original Sale Deed Dated 07.09.2000 executed by Mrs. Sharbati Devi in favour of Mrs. Usha Rani in respect of said property, Doc. No. 5306, Book No. 01, Volume No.

संक्षिप्त डायरी

निपुण मूल्यांकन के लिए डीएलएड प्रशिक्षुओं को देंगे ट्रेनिंग

एजेंसी

नोएडा। जिले के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ रहे छात्रों का निपुण मूल्यांकन करने वाले डीएलएड के प्रशिक्षुओं को पहले इसके लिए ट्रेनिंग दी जाएगी। 25 नवंबर से 15 दिसंबर तक यह प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें डीएलएड के प्रशिक्षुओं को यह समझाया जाएगा कि उन्हें हर छात्र और विद्यालय का किस तरह मूल्यांकन करना है। बीएसए और डायट प्राचार्य को मिले निर्देश में कहा गया है कि स्कूलों में छात्रों का निपुण मूल्यांकन 21 से 30 दिसंबर व 20 से 30 जनवरी 2027 तक किया जाएगा।

नियम तोड़ने पर 12 गाड़ियां जब्त

एजेंसी

नोएडा। यातायात पुलिस ने मंगलवार को जिले में जांच अभियान चलाया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने मिले 7033 वाहनों के ई-चालान गए। इसके अलावा 12 गाड़ियां जब्त की गईं। हेलमेट न लगाने पर सर्वाधिक 2454 चालान किए गए। विशेष अभियान में नो पार्किंग के कारण 715, बिना सीट बेल्ट 183, लालबत्ती के उल्लंघन पर 260, बिना डीएल 147, तेज गति में गाड़ी चलाने के कारण 396 और मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने की वजह से 61 गाड़ियों के चालान किए गए।

नकद में सिर्फ 25 हजार रुपये का बिजली बिल भर सकेंगे

एजेंसी

नोएडा। विद्युत निगम के बिलिंग काउटरों पर अब 25 हजार रुपये तक का बिल ही नकद में जमा हो सकेगा। विद्युत निगम ने यह नई व्यवस्था लागू कर दी है। अब तक उपभोक्ता दो लाख रुपये तक बिल नकद में जमा कर सकते थे। जिले में 60 प्रतिशत उपभोक्ता नकद में बिल जमा करते हैं। इसमें 35 प्रतिशत से अधिक उपभोक्ताओं का मासिक बिल औसतन 25 हजार रुपये से ज्यादा का आता है। विद्युत निगम के अधिकारियों के अनुसार अगर किसी उपभोक्ता का बिजली का बिल 40 हजार रुपये आया तो वह बिलिंग काउंटर पर केवल 25 हजार रुपये ही नकद में जमा कर सकेगा। शेष 15 हजार रुपये ऑनलाइन जमा करने पड़ेंगे। ऐसे में उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ जाएगी।

कंपनी से घर जा रहे युवक से मोबाइल फोन छीना

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-63 थाना क्षेत्र में बाइक सवार दो बदमाशों ने कंपनी से घर जा रहे एक युवक से मोबाइल फोन छीन लिया। पुलिस ने केस दर्जकर जांच शुरू कर दी है। वाजिदपुर गांव स्थित रॉयल स्टोन पीजी में रहने वाले पलाश चौधरी ने पुलिस को बताया कि वह सेक्टर-65 स्थित एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। वह रोजाना कंपनी जाते हैं। छह नवंबर की शाम वह ऑफिस से घर जा रहे थे। जब वह सेक्टर-63 के डी ब्लॉक में पहुंचे तो उनके मोबाइल पर किसी परिचित की कॉल आ गई। वह पैदल चलते हुए उनसे बात करने लगे, तभी पीछे से बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए और उनमें से पीछे बैठे एक बदमाश ने मोबाइल फोन छीन लिया। उन्होंने शोर मचाते हुए पीछा किया, लेकिन बदमाश भागने में सफल रहे। उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से बदमाशों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

मावी को चुनाव समिति की जिम्मेदारी सौंपी

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर डेल्टा-2 में आगामी आरडब्ल्यूए चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंगलवार को आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी की एक बैठक अध्यक्ष बॉबी भाटी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में आगामी चुनाव की प्रक्रिया को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से राज सिंह मावी को चुनाव समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके साथ ही निर्णय लिया गया कि आगामी चुनाव से संबंधित कार्यक्रम और चुनाव की सभी तिथियों की घोषणा चुनाव समिति के अध्यक्ष राज सिंह मावी द्वारा की जाएगी। आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी ने सेक्टरवासियों से चुनाव प्रक्रिया को सुचारू व व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में सहयोग करने की अपील की है।

कबड्डी प्रतियोगिता के लिए तीन खिलाड़ी चयनित

एजेंसी

नोएडा। जिला स्तरीय सीनियर पुरुष वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता के लिए ट्रायल का आयोजन किया गया। मंगलवार को मलकपुर खेल स्टेडियम में प्रदर्शन के आधार पर तीन खिलाड़ियों का चयन मंडल स्तरीय ट्रायल के लिए किया गया। प्रभारी जिला खेल अधिकारी डॉ. परवेज अली ने बताया कि सभी चयनित खिलाड़ी 25 नवंबर को होने वाले मंडल स्तरीय चयन ट्रायल में भाग लेंगे। चयनित खिलाड़ियों में प्रवेश कुमार, हर्षित भारद्वाज और अक्षित तोमर शामिल हैं। मंडल स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रदेश स्तर पर होने वाली आगामी प्रतियोगिता में खेलने का मौका मिलेगा।

कमरे से युवक का लैपटॉप-मोबाइल फोन चोरी

एजेंसी

नोएडा। फेज-3 थाना क्षेत्र स्थित एक अपार्टमेंट के कमरे से युवक का मोबाइल फोन और लैपटॉप चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने घटना के करीब एक माह बाद थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। शिकायतकर्ता कृष्णकांत ने पुलिस को बताया कि वह सेक्टर-66 स्थित मामूरा गांव की गली नंबर-7 में रॉयल अपार्टमेंट में किराये पर रहते हैं। 25 अक्तूबर की सुबह करीब सात बजे उनकी नींद खुली थी। उस समय कमरे में मोबाइल और लैपटॉप रखे थे। उन्होंने कमरे का दरवाजा खोला। कुछ देर बाद वह दोबारा सो गए। इस बार करीब नौ बजे जब वह सोकर उठे तो कमरे में मोबाइल फोन और लैपटॉप नहीं था। शिकायतकर्ता का कहना है कि अज्ञात व्यक्ति उनके कमरे में घुसा और चोरी करके फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। अपार्टमेंट और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से चोर को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

सनातनी संस्कारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया

एजेंसी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के वनवासी रक्षा परिवार फाउंडेशन के विवेकानंद प्रतिभा विकास केंद्र साकीपुर में मंगलवार को राष्ट्र रक्षा यज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने सनातनी संस्कारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम केंद्र संरक्षक लेखपाल भाटी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। केंद्र संचालिका भारती ने संस्कार पक्ष संपन्न करवाते हुए बालकों और प्रतिभागियों को ब्रह्मनाद, गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र, पुरुषार्थ जागरण मंत्र, त्रिदेव नवग्रह स्तुति मंत्र, भारत वंदन मंत्र, सरस्वती मंत्र, प्राणायाम और आसन करवाए। वहीं, पूर्वी संभाग प्रमुख भारत ने सनातनी संस्कारों को अपने जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्र रक्षा यज्ञ में दुली चंद नागर, शिव नरेश पांडे, राजेंद्र सोनी, नरवीर बिष्ट, प्रो. विवेक कुमार, डॉ. नीरज कौशिक, राज कुमार चौरसिया सहित 100 से अधिक अभिभावक, समिति सदस्य तथा बच्चों की उपस्थिति रही।

वैश्य समाज के बाद ब्राह्मण समाज महासंघ ने भी कांग्रेस नेता निखिल सिंघल को दिया समर्थन, सौंपा पत्र

एजेंसी

नोएडा। कांग्रेस नेता एवं नोएडा हाईराइज फेडरेशन के अध्यक्ष निखिल सिंघल को अब वैश्य समाज के बाद ब्राह्मण समाज महासंघ का भी समर्थन मिला है। ब्राह्मण समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा ने निखिल सिंघल को अपना समर्थन देने की घोषणा करते हुए उन्हें औपचारिक रूप से समर्थन पत्र भी सौंपा है। कांग्रेस नेता एवं नोएडा हाईराइज फेडरेशन के अध्यक्ष निखिल सिंघल को अब वैश्य समाज के बाद ब्राह्मण समाज महासंघ का भी समर्थन मिला है। ब्राह्मण समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा ने निखिल सिंघल को अपना समर्थन देने की घोषणा करते हुए



उन्हें औपचारिक रूप से समर्थन पत्र भी सौंपा है। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा ने कहा कि निखिल सिंघल लंबे समय से नोएडा के आम नागरिकों, फ्लैट खरीदारों और सोसायटियों से जुड़े मुद्दों को उठाते रहे हैं। उनकी सक्रियता और जनसमस्याओं के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए हमने उन्हें अपना समर्थन देने का निर्णय लिया है। नोएडा के विकास, जनहित और नागरिकों के अधिकारों के लिए काम करने वाले युवाओं को आगे आने का अवसर मिलना चाहिए। गौरतलब है कि इससे पहले अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासंगठन के अध्यक्ष विनय अग्रवाल के नेतृत्व में वैश्य समाज के प्रतिनिधियों ने भी निखिल सिंघल के समर्थन में अपनी बात रखी थी और कांग्रेस नेतृत्व से उन्हें नोएडा विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाए जाने की मांग की थी। अब ब्राह्मण समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा द्वारा समर्थन पत्र सौंपे जाने के बाद निखिल सिंघल को लेकर सामाजिक और राजनीतिक हलकों में चचाएं तेज हो गई हैं। निखिल सिंघल पिछले कई वर्षों से नोएडा में फ्लैट रजिस्ट्री, बिल्डर समस्याओं, हाईराइज निवासियों के अधिकारों, मेट्रो विस्तार और बुनियादी सुविधाओं के मुद्दों को उठाते रहे हैं। कांग्रेस में शामिल होने के बाद उन्होंने गांवों, सेक्टरों और हाईराइज सोसायटियों में जनसंपर्क अभियान भी शुरू कर दिया है। वैश्य समाज के बाद ब्राह्मण समाज का समर्थन और औपचारिक समर्थन पत्र, 2027 के नोएडा विधानसभा चुनाव से पहले निखिल सिंघल को लेकर राजनीतिक चचाएं तेज।

बिना परमिट दौड़ते 225 यात्री वाहनों पर कार्रवाई



एजेंसी

नोएडा। जिले में अवैध रूप से संचालित हो रहे और नियमों की अवहेलना कर रहे यात्री वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। पिछले छह महीनों के दौरान परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीमों द्वारा चलाए गए विशेष जांच अभियानों में बिना वैध परमिट के सड़कों पर दौड़ रहे 225 यात्री वाहनों को पकड़ा गया है। इसके साथ ही, परमिट की शर्तों का उल्लंघन करने वाले 507 से अधिक वाहनों पर कार्रवाई की गई है। एआरटीओ प्रवर्तन डॉ.उदित नारायण पांडे ने कहा कि जिले के प्रमुख मार्गों, एक्सप्रेसवे और बस डिपो के आसपास लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान कई यात्री वाहन बिना परमिट के सवारियां ढोते हुए पाए गए। इसके अलावा, बड़ी संख्या में ऐसे वाहन भी पकड़े गए जिनके पास परमिट तो था, लेकिन वे निर्धारित रूट, क्षमता या अन्य परमिट शर्तों का उल्लंघन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक अप्रैल 2026 से 31 अक्तूबर 2026 तक चलाए गए जांच अभियान में 732 सवारी वाहनों के चालान किए गए हैं। इनमें से कुल बंद वाहनों की संख्या 525 है।

वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निगम ने शुरू किया विशेष अभियान

एजेंसी

गुरुग्राम। शहर में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए निगम ने सड़कों की धुलाई के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। निगम की टीमें प्रमुख मार्गों, व्यस्त चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर सफाई व प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों में जुटी हुई हैं। इसी कड़ी में एंटी-स्मॉग गन का संचालन, बस स्टॉप की मशीनों से धुलाई और सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान करने वालों के खिलाफ चालान कार्रवाई की जा रही है। वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और हवा में मौजूद धूल के कणों को कम करने के उद्देश्य से नगर निगम की ओर से हीरो होंडा चौक, श्याम बाबा चौक, उमंग भारद्वाज चौक और मेदांता रोड सहित अन्य क्षेत्रों में एंटी-स्मॉग गन लगातार चलाई जा रही हैं। इन मशीनों के संचालन



से वातावरण में धूल के कणों को नियंत्रित करने और वायु गुणवत्ता में सुधार के प्रयासों को गति मिल रही है। बस स्टॉप व फुटपाथों की मशीनों से धुलाई, धूम्रपान पर चालान स्थलों को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए निगम की टीम द्वारा बस स्टॉप और फुटपाथों की विशेष सफाई व मशीनों से धुलाई की जा रही है, ताकि बसों का इंतजार करने वाले यात्रियों को साफ-सुथरा माहौल मिल सके। इसके साथ ही निगम आयुक्त डॉ. पंकज के निदेर्शानुसार नो-स्मोकिंग जोन के नियमों का उल्लंघन कर सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वालों के खिलाफ भी प्रवर्तन अभियान के तहत चालान कार्रवाई की जा रही है। इसका उद्देश्य बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी को तंबाकू के धुएं के दुष्प्रभावों से बचाना है। नागरिकों से स्वच्छता व प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग की अपील निगम आयुक्त डॉ. पंकज ने शहरवासियों से अपील की है कि वह गुरुग्राम को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाने में सक्रिय सहयोग दें। उन्होंने नागरिकों से खुले में कचरा न जलाने, सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान न करने, कूड़ा निर्धारित स्थानों पर डालने और स्वच्छता नियमों का पालन करने का आग्रह किया है, ताकि निगम के प्रयासों को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

राज्य रोल बॉल चैंपियनशिप के लिए टीम घोषित

एजेंसी

नोएडा। फिरोजाबाद में 29 नवंबर से 1 दिसंबर तक होने वाली 17वीं मिनी और 18वीं सीनियर उत्तर प्रदेश स्टेट रोल बॉल चैंपियनशिप के लिए जिले की टीम घोषित की गई है। यह प्रतियोगिता रोल बॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश और रोल बॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन फिरोजाबाद की संयुक्त देखरेख में हो रही है। इसमें विभिन्न जिलों के खिलाड़ी भाग लेंगे। जिला रोल बॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहित दलगीर और महासचिव रजनीकांत ठाकुर ने बताया कि गौतमबुद्धनगर की बालक व बालिका वर्ग की टीम प्रतियोगिता में भाग लेगी। इन टीमों का अभ्यास शिविर 26 से 28 नवंबर तक समसारा द वर्ल्ड अकादमी में लगाया जाएगा। अंडर-11 बालक वर्ग में स्नितिक प्रताप सिंह, रूद्र रौथाण, दिव्यांश पांडेय, सात्विक आर्य, डिवीत कपूर, आदित्य त्यागी, रोहिताक्ष सिंघल, रुद्रांश



राज, अक्षज पराशर, धुर्वीत गोयल, परीक्षित ठाकुर व युवराज पांडेय का चयन किया गया है। वहीं, अंडर-11 बालिका वर्ग में अमायरा बंसल, अनैशा चौहान, स्वस्तिक मित्तल, अद्विका गुप्ता, सोनम चौधरी, प्राणवी गोयल, अनया गुप्ता, भूमि चौहान, अम्बिका मनकोटिया, सानवी भाटी, अवांशी कौशिक ने जगह बनाई है। सीनियर बालक वर्ग में मिलिंद शर्मा, रोहन चौहान, आशीष, ऋषभ सारस्वत, श्रेयस सिंह, विक्की गौतम, ध्रुव गोयल, अनुज रावल, शिवम् वर्मा, यश नगर और सीनियर बालिका वर्ग में विधि बंसल, डिजा नरूला, दक्षा देवल, तनिष्का तंवर, आरोही चिरनिया शामिल हैं। बता दें कि पिछले वर्ष अंडर-11 बालक वर्ग में जिले की टीम पहले स्थान पर और बालिका वर्ग में दूसरे स्थान पर रही थी। वहीं, सीनियर बालक वर्ग की टीम तीसरे स्थान पर थी।

घर में पूजा करने के लिए अगरबत्ती जलाते समय लगी थी आग

एजेंसी

नोएडा। जेवर के दयानतपुर गांव में सोमवार की शाम वीरपाल के घर में आग लगने का कारण पूजा के लिए अगरबत्ती जलाना बताया गया है। घर में रखे सिलेंडर से गैस का रिसाव हो रहा था। इसी बीच आग तेजी से पूरे घर में फैल गई। तेज धमाके के साथ सिलेंडर फट गया। उस समय पिता-पुत्र एक कमरे में थे, जिससे दोनों की जलकर मौत हो गई। हालांकि, फॉरेंसिक टीम घर में आग लगने के सही कारण का पता लग रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ग्रामीणों ने बताया कि घर में रखे सिलेंडर से गैस का रिसाव हो रहा था। सोमवार की शाम घर में पूजा करने के लिए वीरपाल ने अगरबत्ती जलाई थी। कमरे में पहले से गैस फैली हुई थी। इस बीच तेजी के साथ आग फैली और सिलेंडर तक पहुंच गई। पूरे घर को आग ने चपेट में ले लिया, जिस कमरे में पूजा के लिए मंदिर बना है, वहां पहले से वीरपाल का बेटा अभिषेक सोया हुआ था। कमरे में मौजूद वीरपाल और उनके बेटे अभिषेक की आग में झुलस कर मौत हो गई। दोनों को कमरे से बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। कमरे से कुछ दूर अभिषेक की पत्नी काजल लड्डू बना रही थी, जबकि मासूम बच्चा भी काजल के नजदीक बैठा था। वे दोनों भी आग में झुलस गए। अभिषेक की पत्नी काजल और दो साल के मासूम आदित्य का अस्पताल में इलाज चल रहा है। ग्रेटर



नोएडा के एडीसीपी संतोष कुमार ने बताया ग्रामीणों से पूछताछ में पता चला है कि घर में अगरबत्ती जलाते समय आग लगी थी। हालांकि, फॉरेंसिक टीम इसकी जांच कर रही है। विशेषज्ञों की टीम ने घर से कुछ साक्ष्य जुटाए हैं, ताकि आग लगने का सही कारण पता चल पाएगा। घर में आग लगने के बाद पूरे घर की बिजली गुल हो गई, जिससे घर में अंधेरा छा गया। ग्रामीणों ने मोबाइल की टॉर्च जलाकर उजाला किया और मोटर चलाकर पानी की बौछार कर आग बुझाई। घर का सामान जलकर राख हो गया। किसी तरह आग पर काबू पाया गया। इसके बाद अंदर कमरे से पिता-पुत्र को बाहर निकाला गया। हालांकि, ग्रामीणों ने घर में मौजूद एक महिला और उसके मासूम को किसी तरह बाहर निकाल कर उनकी जान बचाई।

कार्तिक मास समापन पर मंदिरों में हुए धार्मिक आयोजन

एजेंसी

नोएडा। कार्तिक पूर्णिमा पर मंगलवार को शहर के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धा और भक्ति का के साथ धार्मिक आयोजन हुए। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना, दीपदान और हवन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिरों में भजन-कीर्तन के साथ भंडारे और प्रसाद वितरण के आयोजन हुए। सेक्टर-33 स्थित इस्कॉन मंदिर, सेक्टर-121 स्थित जगन्नाथ मंदिर, सेक्टर-62 स्थित विनायक मंदिर और सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर समेत शहर के विभिन्न मंदिरों में दिनभर धार्मिक कार्यक्रम



आयोजित हुए। सेक्टर-33 स्थित इस्कॉन मंदिर में एक महीने से चल रहे दीपदान महोत्सव का मंगलवार को समापन हुआ। इस मौके पर मंदिर परिसर में बनाए गए दामोदर महल में महोत्सव के अंतिम दिन भी दीपों का दान किया गया। मंदिर की जनसंपर्क अधिकारी प्रतिमा ताह ने बताया कि कार्तिक मास के अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने दीपदान कर भगवान के दर्शन किए। परिसर में दिनभर भजन-कीर्तन, पाठ और पूजा-अर्चना हुई। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, मंदिर के पदाधिकारी और पुजारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां सभी के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई। सेक्टर-121 स्थित जगन्नाथ मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा की परंपरा के अनुसार कुंड में नाव तैराई गईं। मंदिर परिसर के पास बने 15 फीट चौड़े और 20 फीट लंबे कुंड में श्रद्धालुओं ने केले के पत्तों, कागज और लकड़ी की नाव बनाकर तैराई। इसके अलावा परिसर में पूजा-पाठ और श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया, जहा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रमोद बहल ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा पर हर वर्ष यह परंपरा निभाई जाती है। वहीं, सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा पर लक्ष्मी पूजा और हवन किया गया। साथ ही परिसर में दिनभर भजन-कीर्तन हुए। मंदिर के सेवादार हरिंद्र दुबे ने बताया कि इस उपलक्ष्य में परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया, और आसपास के लोगों को भी प्रसाद वितरित किया गया। साथ ही सेक्टर-62 स्थित विनायक मंदिर में भी दीपोत्सव मनाया गया, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दीप जलाकर पर्व दिपोत्सव पर्व मनाया। मंदिर के सेवादार एस. वैंकटेश ने बताया कि इस उपलक्ष्य में परिसर को 1500 से अधिक दीपों से सजाया गया। इसके अलावा शहर के अन्य मंदिरों में भी पूजा-अर्चना और दीपदान के कार्यक्रम हुए। अरावली अपार्टमेंट में देव दीपावली सेक्टर-34 स्थित अरावली अपार्टमेंट में भी कार्तिक पूर्णिमा पर देव दीपावली मनाई गई। जहां सोसाइटी के संट्रल पार्क में बने कुंड में चार धाम समेत देश के प्रमुख तीर्थस्थलों पर पवित्र चल मिलाया गया। इसमें गंगासागर, केदारनाथ, हरिद्वार, प्रयागराज, काशी और नर्मदा नदी का जल भी शामिल किया गया। मंगलवार को श्रद्धालुओं ने कुंड में पूजा-अर्चना और आरती के बाद दीपदान किया। शंख ध्वनि के बीच पूरा परिसर दीपों से जगमगा उठा। इस दौरान सोसाइटी के अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, भीम सिंह राउत और संजय आचार्य समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

क्विक-कॉमर्स डिलीवरी बॉय ने पहले महीने में ही कमाए 39,000, सुनकर सब हैरान

नई दिल्ली।

क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के जरिए 10 मिनट में सामान आप तक पहुंचाने वाले डिलीवरी बॉयज की कमाई को लेकर अक्सर चर्चा होती है। हाल ही में चंडीगढ़ के एक ब्लिंकिट डिलीवरी पार्टनर ने अपने पहले महीने की कमाई का खुलासा करके लोगों को हैरान कर दिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने पहले महीने में करीब 39,000 रुपए कमाए हैं, जो कि कई पारंपरिक नौकरियों से ज्यादा है। यह डिलीवरी पार्टनर, जिन्होंने अपनी पहचान गोपनीय रखी, उन्होंने एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि पहले महीने की नौकरी का अनुभव काफी अच्छा रहा और उन्हें कोई बड़ी समस्या नहीं आई। आमतौर पर वह सप्ताह के दिनों में करीब 12 घंटे काम करते हैं, लेकिन सप्ताहांत में ग्राहकों के ऑर्डर बढ़ जाने के कारण उनकी शिफ्ट करीब 16 घंटे तक खिंच जाती है। इस कमाई में डिलीवरी शुल्क के साथ-साथ ग्राहकों से मिलने वाली टिप भी शामिल है। डिलीवरी पार्टनर ने उन लोगों को कुछ अहम सलाह भी दी है, जो डिलीवरी बॉय बनने के बारे में सोच रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने सुझाव दिया कि यदि आप इस काम में उतरने की योजना बना रहे हैं, तो सबसे पहले एक इलेक्ट्रिक बाइक खरीद लें। उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ जैसे विकसित और संपन्न शहर में, जहां अच्छी खासी टिप मिलती है, इलेक्ट्रिक बाइक से काम करना काफी आसान हो जाता है और ईंधन का खर्च भी बचता है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यह काम शारीरिक रूप से काफी थका देने वाला हो सकता है। 12 से 16 घंटे की लंबी शिफ्ट उन लोगों के लिए मुश्किल हो सकती है जो शारीरिक रूप से अक्षम हैं। यह मामला क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर काम करने वाले डिलीवरी पार्टनर्स की आय और उनके काम की परिस्थितियों पर नई रोशनी डालता है, साथ ही गिग इकोनॉमी में अवसरों और चुनौतियों को भी दर्शाता है।

कोका-कोला या पेप्सी नहीं आजकल लोग का भा रहा लाहौरी जीरा, मसालों से है भरपूर

पंजाब के तीन चचेरे भाइयों ने खड़ी की कंपनी, 1,112 करोड़ रुपए का रखा लक्ष्य

नई दिल्ली।

आजकल कोल्ड ड्रिंक्स कोका-कोला और पेप्सी की जगह लाहौरी जीरा तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। लोग इसे एक स्वस्थ विकल्प के रूप में देख रहे हैं, क्योंकि यह सोडा-आधारित होने के साथ-साथ जीरा और मसालों से भरपूर है, जो पाचन के लिए फायदेमंद है। इस देसी ड्रिंक की बढ़ती मांग ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा खड़ी कर दी है। लाहौरी जीरा की कहानी 2017 में पंजाब के तीन चचेरे भाइयों, सौरभ मुंजाल, निखिल डोडा और सौरभ भूटना की एक साधारण रसोई के प्रयोग से शुरू हुई। निखिल डोडा ने घर पर ही जीरे और मसालों से एक ठंडी, मसालेदार ड्रिंक बनाई, जिसका स्वाद तीनों भाइयों को इतना पसंद आया कि उन्होंने इसे व्यावसायिक रूप देने का फैसला किया। परिवार से शुरुआती आर्थिक मदद मिलने के बाद, उनका यह छोटा सा प्रयोग करीब नौ सालों में एक बड़े ब्रांड में बदल गया। लाहौरी जीरा की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण इसकी किफायती कीमत भी है, क्योंकि इसकी एक बोतल सिर्फ 10 रुपए की है।

ट्रंप के दबाव में दोबारा सीईओ नहीं बना, बोर्ड ने गहन जांच के बाद लिया फैसला

एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग ने वापसी को लेकर चल रही खबरों का किया खंडन

नई दिल्ली।

एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग ने कंपनी में अपनी वापसी को लेकर चल रही अटकलों पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने उन सभी खबरों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में उन्हें दोबारा सीईओ बनाया गया है। जेन्सेन हुआंग ने साफ किया कि कंपनी के बोर्ड ने सभी तथ्यों और परिस्थितियों की गहन जांच के बाद यह फैसला लिया और उनकी वापसी कंपनी और उसके शेयरधारकों के हित में थी। कर्मचारियों के साथ अपनी पहली बैठक में जेन्सेन हुआंग ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी गलतियों को स्वीकार करते हुए माफी भी मांगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि उनके व्यवहार से उनकी पत्नी लोरी, बच्चों और कंपनी के कर्मचारियों को दुख पहुंचा है। उन्होंने अपनी बेवफाई की बात कबूल की और बताया कि वे अपनी गलतियों को सुधारने के लिए प्रतिदिन 90 मिनट की थेरेपी ले रहे हैं। हुआंग ने इस बात पर जोर दिया कि कंपनी पूरी तरह राजनीति से दूर है, हालांकि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की एनवीडिया के प्रति प्रशंसा की सराहना की।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1502, निफ्टी 470 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग सहित कई क्षेत्रों में खरीददारी हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों में बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,502 अंक से अधिक उछलकर 83,938.28 अंक पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी लगभग 470 अंकों की तेजी के साथ 25,819.25 अंक पर बंद हुआ। बाजार में इस बढ़त में विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर खरीदारी की भी भूमिका रही है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट से भी बाजार में उत्साह का माहौल है।

सोमवार को एफआईआई ने 5,672.99 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे, जिससे बाजार धारणा को बल मिला। इसके अतिरिक्त, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 0.19 फीसदी गिरकर 91.38 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जिससे मुद्रास्फीति की चिंताओं में कुछ कमी आई। आज सेंसेक्स की प्रमुख कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर का शेयर सबसे अधिक 5.94 फीसदी उछला, जबकि ट्रेंट (3.59 फीसदी), आईसीआईसीआई बैंक (3.44 फीसदी), इंटरग्लोब एविएशन (3.24 फीसदी), एचडीएफसी बैंक (3.18 फीसदी) और बजाज फाइनेंस (3.04 फीसदी) ऊपर आया।



दूसरी ओर टाटा स्टील, भारती एयरटेल और टाइटन के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई के क्षेत्रवार सूचकांकों में एफएमसीजी में सर्वाधिक 3.14 फीसदी की तेजी रही। बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्रों में भी जोरदार खरीदारी देखी गई। वहीं इससे पहले आज सुबह आज सुबह सेंसेक्स 1000.90 अंकों की बढ़त के साथ ही 83,436.89 के स्तर पर खुला। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 308 अंकों के उछाल के साथ ही 25,658.35 के स्तर पर खुला। इस अच्छी शुरुआत से सप्ताह के पहले दिन हुई मुनाफावसूली से बाजार काफी हद तक उबर गया।

2027 तक सोने का अंतर्राष्ट्रीय भाव 4,650 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस तक पहुंच सकता है

गोल्डमैन सैक्स ने सोने की इस संभावित तेजी के पीछे तीन प्रमुख वजहें बताई

नई दिल्ली।

प्रमुख वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने सोने की कीमतों को लेकर एक बड़ा अनुमान जताया है। बैंक का मानना है कि वर्ष 2027 के आखिर तक सोने का अंतर्राष्ट्रीय भाव 4,650 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस तक पहुंच सकता है। गोल्डमैन सैक्स ने सोने की इस संभावित तेजी के पीछे तीन प्रमुख वजहें बताई हैं, जिनमें सेंट्रल बैंकों की बढ़ती खरीदारी, चीन द्वारा अपने सोने के भंडार में हिस्सेदारी बढ़ाने की योजना और भविष्य में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना शामिल है। मीडिया रिपोर्ट में बैंक के मुताबिक दुनिया भर के सेंट्रल बैंक लगातार सोने की खरीदारी कर रहे हैं, जिसका एक बड़ा कारण रूस के विदेशी मुद्रा भंडार को फ्रीज किया जाना रहा है। इस घटना के बाद कई देशों ने अपने रिजर्व में सोने को ज्यादा महत्व देना शुरू किया है।

गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि 2028 तक सेंट्रल बैंक हर महीने औसतन 60 टन सोना खरीद सकते हैं, जबकि 2022 से पहले यह औसत मात्र 17 टन प्रति माह था।दूसरी वजह चीन की बढ़ती मांग है। चीन की अर्थव्यवस्था दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी है और उसके कुल विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी करीब 11.8 फीसदी है। गोल्डमैन सैक्स का मानना है कि चीन भविष्य में इसे बढ़ाकर 20 फीसदी तक कर सकता है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग और मजबूत होगी। तीसरी प्रमुख वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले हैं।

सरकारी बैंकों में एसबीआई का जलवा, ग्राहक संख्या में टॉप पर

नई दिल्ली।

भारत में कई निजी बैंकों के बावजूद सरकारी बैंकों पर लोगों का भरोसा आज भी अटूट है।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा लोकसभा में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में देश के 12 सरकारी बैंकों में कुल 160.16 करोड़ खाताधारक थे। इन आंकड़ों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने एक बार फिर अपना दबदबा साबित किया है, जो खाताधारकों की संख्या के मामले में शीर्ष पर कायम है। 31 मार्च 2026 तक, एसबीआई के पास 53.03 करोड़ खाताधारक थे। बैंक ने पिछले चार सालों में अपनी ग्राहक संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 46.77 करोड़ से बढ़कर 6.26 करोड़ अधिक हो गई है। यह एसबीआई के व्यापक नेटवर्क और जनता के बीच गहरे विश्वास को दिखाता है। एसबीआई के बाद, बैंक ऑफ बड़ौदा दूसरे स्थान पर रहा, जिसके पास 18.93 करोड़ खाताधारक हैं।

तीसरे नंबर पर पंजाब नेशनल बैंक है, जिसके 18.53 करोड़ खाताधारक हैं, जो बैंक ऑफ बड़ौदा से बहुत पीछे नहीं है। चौथे स्थान पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया है, जिसके पास 16.40 करोड़ ग्राहक हैं। वहीं, केनरा बैंक 11.03 करोड़ खाताधारकों के साथ पांचवें स्थान पर अपनी जगह बनाए हुए है। इन शीर्ष पांच बैंकों के अलावा, बैंक ऑफ इंडिया के भी 11.03 करोड़, इंडियन बैंक के 9.49 करोड़ और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के 8.25 करोड़ खाताधारक हैं।

बैंक ऑफ इंडिया ने की बीओआई अक्षय डिपॉजिट पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घोषणा

500 दिन के एफडी पर 7.65फसदी तक रिटर्न का मौका, ब्याज दर उम्र और राशि पर निर्भर

नई दिल्ली।

अगर आप अपने निवेश पर आकर्षक रिटर्न पाना चाहते हैं, तो बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) सुनहरा अवसर लाया है। बैंक ने हाल ही में अपनी 500 दिन की विशेष फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) योजना बीओआई अक्षय डिपॉजिट पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। इस योजना के तहत ग्राहक अब 6.85फीसदी से लेकर 7.65फीसदी सालाना तक ब्याज दर का लाभ उठा सकते हैं, जो ग्राहक की उम्र और जमा की गई रकम पर निर्भर करेगा। बैंक ऑफ इंडिया ने आम ग्राहकों, वरिष्ठ नागरिकों और सुपर सीनियर सिटीजन यानी 80 साल या उससे ज्यादा के लिए अलग-अलग ब्याज दरें तय की हैं।

आम ग्राहकों को इस योजना पर 6.85फीसदी (कॉलेबल एफडी) और 7.00फीसदी (नॉन-कॉलेबल एफडी) ब्याज मिलेगा। वरिष्ठ नागरिकों के लिए ये दरें 7.35फीसदी (कॉलेबल एफडी) और 7.50फीसदी (नॉन-कॉलेबल एफडी) हैं। वहीं, सुपर सीनियर सिटीजन के लिए सबसे ज्यादा ब्याज दरें 7.50फीसदी (कॉलेबल एफडी) और 7.65फीसदी (नॉन-कॉलेबल एफडी) रखी गई हैं। सबसे ज्यादा 7.65फीसदी ब्याज 80 साल या उससे ज्यादा उम्र के उन बुजुर्गों को मिलेगा, जो एक करोड़ रुपए से ज्यादा और 3 करोड़ रुपए से कम की नॉन-कॉलेबल एफडी कराएंगे। कॉलेबल एफडी में कम से कम



10,000 रुपए जमा किए जा सकते हैं, जिसकी अधिकतम सीमा 3 करोड़ रुपए से कम है। नॉन-कॉलेबल एफडी के लिए न्यूनतम जमा राशि एक करोड़ रुपए है।

बैंक ऑफ इंडिया इस एफडी में ब्याज लेने के दो विकल्प भी प्रदान कर रहा है। मंथली पेमेंट या क्वार्टरली पेमेंट। यह सुविधा उन बुजुर्गों और सेवानिवृत्त लोगों के लिए बेहद फायदेमंद है, जिन्हें अपनी मासिक या त्रैमासिक जरूरतों के लिए नियमित आय की जरूरी होती है। यह बढ़ोतरी निवेशकों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों को, बढ़ती ब्याज दरों के माहौल में अपने पैसे पर बेहतर रिटर्न कमाने का एक शानदार मौका दे रही है।

चांदी के भाव में भारी गिरावट-120 डॉलर से फिसलकर 42 डॉलर पर

मुंबई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमतों में इस साल जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिला है, इस उतार-चढ़ाव ने निवेशकों को चिंता में डाल दिया है।

जनवरी 2026 में 120 डॉलर प्रति औंस के अपने ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद, अब यह कीमती धातु करीब 42 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है।

इस अप्रत्याशित गिरावट ने बाजार में सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या चांदी की कीमतों में और गिरावट आएगी या यह खरीदारी का एक बेहतर मौका है।

शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स के अनुसार, चांदी के लिए 40 डॉलर प्रति औंस का स्तर मजबूत आधार बन सकता है।

उनका सुझाव है कि निवेशक इस स्तर के आसपास एकमुश्त निवेश करने के बजाय धीरे-धीरे किस्तों में खरीदारी करें। इस साल अब तक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी करीब 41 प्रतिशत और घरेलू वायदा बाजार में लगभग 36 प्रतिशत गिर चुकी है, जहां इसका भाव लगभग 1.50 लाख रुपये के आसपास है।

हालांकि, बाजार जानकार अभी और गिरावट की आशंका जता रहे हैं।

उनके अनुमान के मुताबिक, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 8 और 9 दिसंबर को होने वाली बैठक से पहले चांदी 37 से 38 डॉलर प्रति औंस तक फिसल सकती है।

इसके बावजूद, जानकार लंबी अवधि में चांदी के प्रदर्शन को बेहतर मानते हैं और 2027 की दूसरी तिमाही में सोने-चांदी में तेजी देखने की उम्मीद कर रहे हैं। बाजार में मौजूदा अस्थिरता का एक बड़ा कारण वायदा कारोबार में शॉर्ट पोजीशन का बढ़ना और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से पूंजी का बाहर निकलना है। दूसरी ओर, सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहन उद्योगों से चांदी की औद्योगिक मांग बनी हुई है। आने वाले दिनों में अमेरिकी महंगाई, रोजगार और विनिर्माण गतिविधियों से जुड़े आंकड़े, साथ ही फेडरल रिजर्व का फैसला, चांदी की कीमतों की अगली दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार के साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। इससे खरीदारों और निवेशकों ने अब सतर्क रुख अपना लिया है और वह अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं।

इसी कारण घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएस) पर सोने की कीमतें 533 रुपये रुपये कम होकर 1,21,796 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गयी हैं। इसके साथ ही चांदी की कीमतों में भी भारी गिरावट रही। ये 738 रुपये गिरकर 1,44,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में 0.43 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिससे यह 3,547 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं, चांदी भी 0.42 डॉलर कमजोर होकर 40.61 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। ववहीं भारतीय बाजारों की बात करें तो 24 कैरेट और 18 कैरेट सोने की कीमतों में हल्का अंतर आया है। पुणे, वडोदरा, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोने की कीमत 12,781 रुपये प्रति ग्राम बनी हुई है जबकि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में यह 12,791 रुपये प्रति ग्राम पर है।

पेट्रोल में एथेनॉल जांच पर पेंच-केरल में तेल कंपनियों ने शुद्ध सैंपल देने से किया इंकार

तिरुवंतनमपुरम।

केरल में पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा को लेकर चल रही जांच में बड़ी बाधा आ गई है। राज्य सरकार की शिकायत के बाद शुरू हुई प्रक्रिया में अब तेल कंपनियों के असहयोग के कारण गतिरोध पैदा हो गया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री अनूप जैकब ने 24 नवंबर को केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी को पत्र लिखकर मामले में केंद्र से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। राज्य सरकार का आरोप है कि तेल कंपनियां पेट्रोल में निर्धारित मात्रा से अधिक एथेनॉल मिला रही हैं, जिससे वाहनों के इंजन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसकारण केरल सरकार ने राज्य भर के पेट्रोल पंपों से नमूने एकत्र कर एक गहन जांच शुरू की थी। हालांकि, जब इन नमूनों को सरकारी केमिकल लैब में भेजा गया, तब लैब ने शुद्ध, एथेनॉल-मुक्त पेट्रोल के नमूनों के बिना मौजूदा पेट्रोल में एथेनॉल की सटीक मात्रा का पता लगाने में असमर्थता जाहिर की है। केरल की कांग्रेस सरकार में मंत्री जैकब ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम जैसी प्रमुख तेल कंपनियां शुद्ध पेट्रोल के सैंपल उपलब्ध करने से इंकार कर रही हैं। इन शुद्ध सैंपलों की आवश्यकता इसलिए है ताकि प्रयोगशाला में मौजूदा नमूनों के साथ उनकी तुलना करके एथेनॉल की वास्तविक मात्रा का सटीक विश्लेषण किया जा सके। मंत्री जैकब ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार का उद्देश्य किसी तेल कंपनी की छवि खराब करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण ईंधन मिले और पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा तय सीमा के भीतर हो।

जिम में सप्लीमेंट बेचा तो होगी सख्त कार्रवाई, एफएसएसएआई लाइसेंस लेना अनिवार्य

एफडीए अब जिम में स्वास्थ्य सप्लीमेंट्स की अनाधिकृत बिक्री को लेकर सख्त

नई दिल्ली।

महाराष्ट्र का खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) अब जिम में स्वास्थ्य सप्लीमेंट्स की अनाधिकृत बिक्री पर कड़ी नकेल कसने जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से लगातार छापेमारी और कार्रवाई कर रहे एफडीए ने अब जिम मालिकों पर भी निशाना साधा है।

एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे ने ऐलान की है कि जिम में सप्लीमेंट बेचने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और इसके लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) लाइसेंस होना अनिवार्य होगा। तुकाराम मुंढे ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि जिम में बेचे जाने वाले प्रोटीन पाउडर या अन्य हेल्थ सप्लीमेंट्स के ऊपर किए गए स्वास्थ्य संबंधी दावों को लेकर एफडीए सख्त है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने स्पष्ट किया कि थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता और जिम संचालक अपनी जिम्मेदारी उत्पाद बनाने वालों पर नहीं डाल सकते। उन्हें खुद यह तय करना होगा कि जो उत्पाद वे बेच रहे हैं, वे असली हों, उनमें कोई झूठा दावा न किया गया हो, और उनके पास (एफएसएसएआई का उचित लाइसेंस हो। तुकाराम मुंढे ने यह भी साफ किया कि किसी भी हेल्थ सप्लीमेंट या न्यूट्रास्यूटिकल कंपनी, निर्माता या उत्पादक को स्वास्थ्य संबंधी विशेष लाभों का दावा करने या प्रोडक्ट्स के लेबल पर ऐसे दावे छापने की अनुमति नहीं है।

ऐसे दावे पूरी तरह भ्रामक और गैरकानूनी माने जाएंगे। जिम संचालकों को चेतावनी दी गई है कि यदि वे अपने परिसर में सप्लीमेंट बेचना चाहते हैं, तो उन्हें अनिवार्य रूप से एफएसएसएआई लाइसेंस हासिल करना होगा। बिना अनुमति के ऐसे उत्पादों की बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह फैसला जिम जाने वाले लोगों की सुरक्षा और उन्हें गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है।

एफएनपीओ ने की कर्मचारियों की पदोन्नति से जुड़े नियमों में बदलाव की मांग

संगठन ने कहा-मौजूदा नियमों में विसंगतियां, 10 से 12 करना पड़ता है इंतजार

नई दिल्ली।

केंद्रीय सरकारी कर्मचारी लंबे समय से 8वें वेतन आयोग की सिफारिशों का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच फेडरेशन ऑफ नेशनल पोस्टल ऑर्गनाइजेशंस (एफएनपीओ) ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों की पदोन्नति से जुड़े नियमों में बदलाव की मांग की है। संगठन का कहना है कि मौजूदा नियमों में विसंगतियां हैं, जिसके कारण कुछ पदों पर कर्मचारियों को पदोन्नति के लिए 10 से 12 साल तक इंतजार करना पड़ता है, जबकि अन्य पदों पर यह अवधि काफी कम होती है। एफएनपीओ ने 20 नवंबर 2026 को 8वें वेतन आयोग की अध्यक्ष को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर तत्काल ध्यान देने की मांग की।

संगठन ने सुझाव दिया है कि पदोन्नति के लिए न्यूनतम सेवा अवधि एक साल और अधिकतम चार साल तय की जाए।

हालांकि, यह अवधि कर्मचारियों के काम की प्रकृति, उनकी जिम्मेदारी और संबंधित विभाग की जरूरतों के हिसाब से तय होनी चाहिए।

संगठन ने इस बदलाव की जरुरत इसलिए बताई है क्योंकि विभिन्न विभागों में पदोन्नति के नियमों में भारी अंतर देखा जाता है।

उदाहरण के लिए वर्तमान में लेवल 2 से लेवल 4 पर पदोन्नति के लिए 8 साल की सेवा अनिवार्य है, जबकि लेवल 4 से लेवल 6 पर जाने के लिए 10 साल और लेवल 6 से लेवल 10 पर पदोन्नति के लिए भी 10 साल का इंतजार करना पड़ता है। इसी तरह, कुछ अन्य पदों पर पदोन्नति के लिए 12 साल या उससे भी ज्यादा समय लग सकता है, जबकि कुछ अन्य पदों पर केवल 1 से 3 साल की सेवा के बाद भी पदोन्नति मिल जाती है। कर्मचारी संगठनों का मानना है कि यह असमानता कर्मचारियों के करियर को प्रभावित करती है और उन्हें आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है।

देश के तीन बड़े बैंक डूबे तो देश की वित्तीय व्यवस्था और अर्थव्यवस्था हिल जाएगी

आरबीआई ने एसबीआई, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक को डी-सिब स का दिया तमगा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को देश के सबसे बड़े बैंकों यानी डोमेस्टिक सिस्टमेटिकली इंपॉर्टेंट बैंक्स की लिस्ट जारी कर दी है। ये वह बैंक हैं यदि इनमें से किसी एक पर भी संकट आया या यह डूबा, तो पूरे देश की वित्तीय व्यवस्था और अर्थव्यवस्था बुरी तरह बिगड़ सकती है। आरबीआई ने वर्ष 2026 के लिए भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को डी-सिब्स बैंक का तमगा दिया है। ये तीनों बैंक भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अहम हैं इन्हें 'टू बिग टू फेल' यानी इतने बड़े कि डूब नहीं सकते माना गया है।

डी-सिब फ्रेमवर्क के तहत भारतीय रिजर्व बैंक देश के उन बैंकों की पहचान करता है, जिनका आकार, कारोबार और बैंकिंग सिस्टम में दखल इतना बड़ा है कि उनके विफल होने से पूरी अर्थव्यवस्था पर संकट आ सकता है। ऐसे बैंकों को सुरक्षित रखने के लिए आरबीआई उन पर सामान्य बैंकों के मुकाबले ज्यादा सख्त निगरानी रखता है। केंद्रीय बैंक ने 22 जुलाई 2014 को यह फ्रेमवर्क लागू किया था। इस सूची में सबसे पहले 2015 में एसबीआई को शामिल किया गया था। 2016 में आईसीआईसीआई बैंक और 2017 में एचडीएफसी बैंक को डी-सिब बैंक का दर्जा मिला।इन तीनों बैंकों को किसी भी आपातकालीन आर्थिक संकट या नुकसान से बचाने के लिए आरबीआई ने इनके लिए कैपिटल कंजर्वेशन बफर के अलावा कुछ अतिरिक्त पूंजी अपने पास सुरक्षित रखना अनिवार्य किया है।

हमारी लोकतांत्रिक आत्मा का जीवंत घोषणापत्र है संविधान



योगेश कुमार गोयल

यह दिवस मनाए जाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को संविधान के प्रति सचेत करना, समाज में संविधान के महत्व का प्रसार करना तथा डा. भीमराव अम्बेडकर के अमूल्य योगदान और उनके विचारों, आदर्शों का स्मरण करना है।

विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान भारत का संविधान है, जो वैसे तो 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था लेकिन इसे 26 नवम्बर 1949 को ही स्वीकृत कर लिया गया था। इसी दिन भारत का संविधान बनकर तैयार हुआ था, इसीलिए 26 नवम्बर का दिन ही 'संविधान दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन संविधान निर्माता के रूप में डा. भीमराव अम्बेडकर को याद किया जाता है, जिन्होंने दुनिया के सभी संविधानों को परखने के बाद भारतीय संविधान के रूप में दुनिया का सबसे बड़ा संविधान तैयार किया। भारत का संविधान ऐसा महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जो देश के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार देता है और साथ ही हमारे कर्त्तव्यों को भी निर्धारित करता है। संविधान सभा को इसे तैयार करने में 2 साल 11 महीने 18 दिन का लंबा समय लगा था। वर्ष 2015 में पहली बार निर्णय लिया गया कि संविधान सभा की निर्मात्री समिति के अध्यक्ष डा. भीमराव अम्बेडकर के 125वें जयंती वर्ष के अवसर पर 26 नवम्बर 2015 को संविधान दिवस मनाया जाए और तभी से यह दिवस मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई। यह दिवस मनाए जाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को संविधान के प्रति सचेत करना, समाज में संविधान के महत्व का प्रसार करना तथा डा. भीमराव अम्बेडकर के अमूल्य योगदान और उनके विचारों, आदर्शों का स्मरण करना है।

भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति की स्थापना 29 अगस्त 1947 को की गई थी, जिसके अध्यक्ष के तौर पर डा. भीमराव अम्बेडकर की नियुक्ति की गई। पं. जवाहरलाल नेहरू, डा राजेन्द्र प्रसाद, सरदार वल्लभ भाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद इत्यादि इस सभा के प्रमुख सदस्य थे। संविधान सभा के अध्यक्ष डा राजेन्द्र प्रसाद थे और नियमानुसार संविधान पर सबसे पहले हस्ताक्षर भी उन्हीं के होने चाहिएं थे किन्तु पं. नेहरू ने संविधान पर सबसे पहले हस्ताक्षर किए थे। संविधान का मसौदा तैयार करने में किसी भी प्रकार की टाइपिंग अथवा प्रिंटिंग का इस्तेमाल नहीं किया गया। 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू किया गया, तभी से हम इस दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में मना रहे हैं। संविधान लागू होने से दो दिन पहले 24 जनवरी 1950 को संविधान की तीनों प्रतियों पर संविधान सभा के 284 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। संविधान सभा के



सदस्य भारत के राज्यों की सभाओं के निर्वाचित सदस्यों द्वारा चुने गए थे।

9 दिसम्बर 1946 को संविधान सभा सच्चिदानंद सिन्हा की अध्यक्षता में पहली बार समवेत हुई थी लेकिन मुस्लिम लीग ने अलग पाकिस्तान बनाने की मांग को लेकर इस बैठक का बहिष्कार किया था। 11 दिसम्बर 1946 को हुई संविधान सभा की बैठक में डा. राजेन्द्र प्रसाद को संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया और वे संविधान के निर्माण का कार्य पूरा होने तक इस पद पर रहे। 14 अगस्त 1947 को भारत डोमिनियन की प्रभुत्ता सम्पन्न संविधान सभा पुनः समवेत हुई और 29 अगस्त 1947 को स्वतंत्र भारत में संविधान सभा द्वारा संविधान निर्मात्री समिति का गठन किया गया, जिसका अध्यक्ष सर्वसम्मति से डा. भीमराव अम्बेडकर को बनाया गया। संविधान प्रारूप समिति की बैठकें 114 दिनों तक चली। संविधान के निर्माण कार्य पर कुल 63 लाख 96 हजार 729 रुपये का खर्च आया और इसके निर्माण कार्य में कुल 7635 सूचनाओं पर चर्चा की गई। संविधान सभा में शुरू में 389 सदस्य थे किन्तु मुस्लिम लीग द्वारा स्वयं को इससे अलग कर लिए जाने के बाद संविधान सभा के सदस्यों की संख्या 299 रह गई थी।

बहुत कम लोगों को ही भारतीय संविधान की पहली प्रति के बारे में मालूम होगा कि संविधान के जो सजे हुए चित्र हम देखते हैं, वह संविधान की पहली हस्तलिखित प्रति के ही चित्र हैं। इस प्रति को दिल्ली निवासी प्रेम बिहारी रायजादा ने कैलीग्राफी के जरिये तैयार किया था। 1400 पन्नों की संविधान की प्रति को अंग्रेजी में रास बिहारी ने और हिन्दी में वी के वैद्य ने लिखा, जिन्होंने इसे लिखने का कार्य एक हफ्ते में ही पूरा कर दिया था। इसी संविधान की तीन प्रतियां बनवाई गई, जिनमें से दो को नंदलाल बोस और राम मनोहर सिन्हा द्वारा सुसज्जित पन्नों पर प्रेम बिहारी रायाजादा ने, एक हिन्दी और दूसरी अंग्रेजी में तैयार किया जबकि तीसरी प्रति को अंग्रेजी में देहरादून में छपवाया गया। यह हमारे लिए आश्चर्य के साथ गौरव की भी बात है कि इतना महत्वपूर्ण दस्तावेज होते हुए भी भारतीय संविधान की मूल प्रति हस्तलिखित ही है, जिसकी पहली दो प्रतियां हिन्दी और अंग्रेजी में हैं।

26 नवम्बर 1949 को संविधान का पहला ड्राफ्ट तैयार हो जाने पर तय हुआ कि संविधान की पहली प्रति को कैलीग्राफी की खूबसूरत कला में सहेजा जाए। तब पं. नेहरू ने कैलीग्राफी कला में महारत हासिल प्रेम बिहारी रायजादा से खूबसूरत लिखावट में इटैलिक अक्षरों में संविधान की प्रति लिखने का अनुरोध किया और इस तरह रायजादा ने छह महीने में इस कार्य को पूरा किया। पं. नेहरू ने प्रख्यात चित्रकार आचार्य नंदलाल बोस से भारतीय संविधान की मूल प्रति को अपनी चित्रकारी से सजाने का आग्रह किया था और इस प्रकार 221 पृष्ठों के इस दस्तावेज के सभी 22 भागों में से प्रत्येक को एक-एक चित्र से सजाया गया और भारतीय संविधान की इस मूल प्रति पर इन 22 चित्रों को बनाने में चार साल का समय लगा। इसके प्रस्तावना पृष्ठ को नंदलाल बोस के शिष्य राममनोहर सिन्हा ने सजाया था। हमारे संविधान की मूल प्रतियों को लेकर यह तथ्य भी बहुत ही कम लोग जानते होंगे कि संविधान की इन बेशकीमती प्रतियों को संसद भवन की लाइब्रेरी के एक कोने में बने स्ट्रांग रूम में सहेजकर रखा गया है, जिन्हें पढ़ने की इजाजत किसी को भी नहीं है। संविधान की ये प्रतियां कभी खराब न हो सकें, इसके लिए इन्हें हीलियम गैस से भरे केस में सुरक्षित रखा गया है। यही कारण है कि हमारे देश की यह अमूल्य धरोहर हमारे पास सुरक्षित और आज भी मूल अवस्था में है। हीलियम एक ऐसी अक्रिय गैस है, जो संविधान की प्रति के पन्नों को वातावरण के साथ रासायनिक प्रतिक्रिया करने से रोकती है।

निर्माण के समय मूल संविधान में 395 अनुच्छेद शामिल थे, जो 22 भागों में विभाजित थे और इसमें केवल 8 अनुसूचियां थी। अब भारत के संविधान में 25 भागों और 12 अनुसूचियों में 448 अनुच्छेद हैं और संविधान में अभी तक 105 बार संशोधन हो चुके हैं। संविधान में किए गए इन संशोधनों के जरिये सामयिक जरूरतों के अनुरूप जनतंत्र और शासन प्रणाली को मजबूती प्रदान करने के प्रयास किए गए। संविधान में पहला संशोधन वर्ष 1951 में किया गया था, जिसके तहत स्वतंत्रता, समानता एवं सम्पत्ति से संबंधित मौलिक अधिकारों को लागू करने संबंधी व्यावहारिक कठिनाइयों का निराकरण करने के लिए संविधान में नवीं अनुसूची जोड़ी गई थी।

संपादकीय

भाजपा-अकाली पुनर्मिलन

पिछले कुछ महीनों से पंजाब व दिल्ली में भाजपा व अकाली दल की तरफ से जिस तरह की बयानबाजियां और राजनीतिक हलचल सामने आ रही थी, उसके निहितार्थ स्पष्ट ही थे। जो संकेत दे रहे थे कि पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी का फिर एक बार साथ आना लगभग तय ही है। वर्ष 2027 के आसन्न पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इन दोनों दलों का साथ आने का फैसला बताता है कि यह गठबंधन सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को चुनौती देने के ठोस प्रयास कर कर रहा है। इस गठबंधन की घोषणा गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के मौके पर की गई है, जिसके ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक, दोनों ही तरह के महत्व हैं। यहां उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी और अकाली दल ने पहली बार तीन दशक पहले भी हाथ मिलाया था। उस समय इस गठबंधन को आतंकवाद से उबरते पंजाब में हिंदू-सिख एकता के प्रतीक के रूप में देखा जाता था। कालांतर दोनों दलों के रिश्तों में खटास उस समय आई, जब केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन विवादित कानूनों के विरोध में व्यापक जनाक्रोश दिखा। किसानों के आक्रोश के चलते अकाली दल को अपना जनाधार खिसकता नजर आया था। कालांतर वर्ष 2020 में अकाली दल ने भाजपा नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से नाता तोड़ लिया था। बहरहाल, इस गठबंधन की घोषणा के बाद जिस तरह के बयान गृहमंत्री अमित शाह की तरफ से आए हैं, वह दर्शाता है कि पिछले एक दशक में शिरोमणि अकाली दल के सिमटते जनाधार के बावजूद इस क्षेत्रीय दल को पर्याप्त महत्व दिया जा रहा है। अमित शाह ने गठबंधन की घोषणा के बाद कहा कि अकाली दल पंजाब में बड़े भाई की भूमिका में रहेगा। साथ ही यदि गठबंधन की जीत हुई तो मुख्यमंत्री पद अकाली दल को ही मिलेगा। वैसे यह एक हकीकत है कि इस गठबंधन के बावजूद पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह बदल देना आसान भी नहीं होगा।

वैसे आज भी शिरोमणि अकाली दल पर साल 2025 की बेअदबी की घटनाओं और उसके बाद हुए राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शनों का बोझ है। जिसने उस समय अकाली सरकार को हिलाकर रख दिया था। वहीं, केंद्र में सत्ताधारी भाजपा के खिलाफ तीन कृषि कानूनों को लेकर उपजे गुस्से को पूरी तरह समाप्त नहीं समझ लेना चाहिए। तब किसान काफी नाराज हुए थे और उन्होंने दिल्ली की सीमाओं पर पूरे एक साल तक आंदोलन किया था। अंततः नवंबर 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन कानूनों को वापस लेने की घोषणा की थी। लेकिन इसके बावजूद आगामी चुनावों में भाजपा को कोई सकारात्मक प्रतिसाद पंजाब की जनता की तरफ से नहीं मिला था। तीन माह बाद, 2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को सिर्फ दो सीटों में ही संतोष करना पड़ा था। कमोबेश शिअद की स्थिति भी कोई अच्छी नहीं रही थी। उसे तब सिर्फ तीन ही सीटें मिली थीं। निस्संदेह, यह अकाली दल का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन था। इसके विपरीत आम आदमी पार्टी ने तब रिकॉर्ड जीत दर्ज की थी। बहरहाल, भाजपा और शिअद के इस पुनर्मिलन से दो मुख्य सवाल खड़े होते हैं। क्या इस गठबंधन के पीछे पंजाब के उन्नयन को लेकर कोई साझा विज़न है? या ये फिर महज चुनावी गणित ही है? सवाल यह भी है कि क्या यह गठबंधन दोनों दलों के लिये लाभदायक साबित होगा? निस्संदेह, आज पंजाब गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसमें आर्थिक दबाव भी एक बड़ा कारण है। राज्य गंभीर बेरोजगारी की चपेट में है। वहीं राज्य में नशीले पदार्थों का बढ़ता कारोबार व सेवन एक गंभीर चुनौती है। हालांकि, भाजपा ने पंजाब में नशे के खात्मे को अपनी प्राथमिकता बताया है और नशामुक्त पंजाब का रोडमैप भी सार्वजनिक किया है। जब पंजाब के राज्यपाल को कहना पड़ता है कि यहां गोलियां पटाखों की तरह चलती हैं, तो गैंगस्टरों के पसरे आतंक को समझा जा सकता है। शिअद और भाजपा के इस गठबंधन के लिये असली इम्तिहान यह भी होगा कि वे मतदाताओं को कैसे यकीन दिलाएंगे कि यह पंजाब के लिये सबसे बेहतर विकल्प है?

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों

एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?

महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?

वह बोला- नहीं जानता।

तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?

चुनावी महासंग्राम की राह पर उत्तर प्रदेश



निर्मल रानी

उत्तर प्रदेश विधानसभा की 403 सदस्यों के लिये होने वाले आम चुनाव, फ़रवरी-मार्च 2027 में होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के साथ ही देश के 4 अन्य राज्यों पंजाब, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में भी संभवतः फ़रवरी-मार्च 2027 की शुरुआत में ही विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। इन सभी पाँचों राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च से मई 2027 के बीच समाप्त हो रहा है। इन पांच राज्यों के अलावा, वर्ष 2027 के अंत यानी नवंबर-दिसंबर में दो अन्य राज्यों गुजरात और हिमाचल प्रदेश में भी विधानसभा चुनाव निर्धारित हैं। इन विधान सभा चुनावों को 2029 के प्रस्तावित लोकसभा चुनावों के सेमी फ़ाइनल के रूप में भी देखा जा रहा है। वैसे तो इन सभी पांचों राज्यों में चुनाव बेहद दिलचस्प होने की संभावना है परन्तु सबसे चुनौतीपूर्ण चुनाव उत्तर प्रदेश में देखने को मिल सकता है। साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के आधार अपनी चुनावी बिसात बिछाने वाला देश का यह सबसे बड़ा प्रदेश इस बार न केवल साम्प्रदायिक बल्कि जातीय समीकरणों में भी बुरी तरह उलझ चुका है। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एस आई आर के बाद, निर्वाचन आयोग ने 2027 विधानसभा चुनाव से पहले ड्राफ़्ट मतदाता सूची जारी कर दी है और नाम जोड़ने व सुधारने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 17 नवंबर 2026 को जारी ड्राफ़्ट मतदाता सूची में उत्तर प्रदेश में कुल 13.58 करोड़ मतदाता दर्ज किए गए हैं। 10 अप्रैल 2026 को एसआईआर के बाद प्रकाशित अंतिम सूची की तुलना में इस मसौदा सूची में 18,84,113 मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि हुई है। इस वृद्धि में महिला मतदाताओं की संख्या में 10,96,828 और पुरुष मतदाताओं की संख्या में 7,87,449 का इज़ाफ़ा हुआ है। इससे पहले एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान 15.44 करोड़ मतदाताओं की जांच के बाद 12.55 करोड़ नाम बरक़रार रखे गए थे और लगभग 2.89 करोड़ नाम सूची से हटाए गए थे। इसी बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया है कि पंचायत और विधानसभा मतदाता सूची के भ्रम के कारण 1 करोड़ 27 लाख हिंदू मतदाताओं के नाम सूची में नहीं जुड़ पाए हैं। इसके



मद्देनज़र भाजपा ने हर बूथ पर मतदाता जोड़ने के लिए एक महीने का विशेष अभियान शुरू किया है। इसी तरह समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनकी पार्टी ने भी मतदाता सूची में संभावित गड़बड़ियों और नाम कटने के मुद्दों पर सवाल उठाए हैं और अपने कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची की निगरानी के लिए सक्रिय किया है। उधर मुस्लिम समाज भी न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर जानबूझ कर पूर्व नियोजित तरीक़े से एक बड़ी साज़िश के तहत मुस्लिम मतदाताओं के नाम काटे जाने की शिकायत कर रहा है।

उत्तर प्रदेश के इस चुनाव में जहां भाजपा बनाम इण्डिया गठबंधन (कांग्रेस+समाजवादी पार्टी) चुनावी मुक़ाबला होने की संभावना थी वहीँ मायावती की बहुजन समाज पार्टी भी शुरू से ही अपनी डफ़ली अलग ही बजा रही है। कुछ राजनैतिक विश्लेषक इसे मायावती द्वारा भाजपा को लाभ पहुँचाने की कोशिश की नज़र से भी देख रहे हैं। परन्तु पिछले दिनों असदुद्दीन ओवैसी की ए आई एम आई एम ने उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से लोकसभा सांसद और भीम आर्मी के प्रमुख चंद्रेशखर की आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) से चुनाव पूर्व समझौता कर उत्तर प्रदेश के राजनैतिक हल्कों में खलबली पैदा कर दी है। बसपा जैसे दलों की सक्रियता से मुस्लिम वोटों के बंटवारे की संभावना पर जहां पहले भी चर्चा होती रही है वहीँ चुनाव नज़दीक आने पर बने ओवैसी चंद्रशेखर के यह नये समीकरण व इसके द्वारा उठाये जाने वाले धर्मस्थल विध्वंस,लक्षित एस आई आर,अवैध घुसपैठ, धर्मांतरण, धार्मिक जुलूसों जैसे अनेक ऐतिहासिक विवादों पर तीखे बयान सामाजिक और साम्प्रदायिक संवेदनशीलता को और भी बढ़ा रहे हैं। गोया उत्तर प्रदेश के लगभग 19-20त्न मुस्लिम मतदाताओं के रुझान को लेकर एक ओर जहां सपा-कांग्रेस गठबंधन इस वोट बैंक को एकजुट रखने का प्रयास कर रहे थे वहीं असदुद्दीन ओवैसी के ए आई एम आई एम व चंद्रशेखर की आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) और बसपा जैसे दलों की सक्रियता से मुस्लिम वोटों के बंटवारे की संभावना बढ़ती दिखाई दे रही है। कुछ राजनैतिक विश्लेषक तो पहले ही असदुद्दीन ओवैसी को भाजपा के हितसाधक नेता के रूप में देखते आ रहे थे परन्तु अब इस सूची में चंद्रशेखर आज़ाद का नाम भी शामिल हो गया है।

उधर भाजपा समर्थित बागेश्वर धाम प्रमुख धीरेन्द्र शास्त्री जोकि पहले भी अपने सम्प्रदायिकपूर्ण व विवादित बयानों के लिये चर्चा में बने रहते हैं उन्होंने पिछले दिनों हमारे राम तुम्हारे कृष्ण जैसी बातें कर और साथ ही भगवान कृष्ण को लेकर अशोभनीय बातें कर समाज में रोष भड़का दिया है। इसके बाद बेशक धीरेन्द्र शास्त्री ने मुआफ़ी मांग ली है परन्तु उनके समर्थन और विरोध को लेकर खिंची रेखायें साफ़ दिखाई दे रही हैं। इसके अतिरिक्त राज्य की राजनीति में ब्राह्मण लॉबी और राजपूत/ठाकुर असंतोष जैसे मुद्दे भी चर्चा में हैं। जबकि बहुजन समाज पार्टी के कोर जाटव वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए सपा, भाजपा और चंद्रशेखर की आज़ाद समाज पार्टी के बीच होड़ देखी जा रही है। उधर भारतीय जनता पार्टी द्वारा राम जन्म भूमि आंदोलन का पूरा लाभ उठा लेने के बाद और साथ ही मंदिर के दान व चंदा चोरी जैसे आरोपों में घिरने के बाद अब मथुरा की कृष्ण जन्मभूमि का मुद्दा उठाये जाने के भी चर्चा सुनी जा रही है। इतना ही नहीं बल्कि अधिकांश दलों द्वारा लगभग प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में उप-जातियों के आधार पर टिकट वितरण और प्रचार से स्थानीय स्तर पर जातीय वैमनस्य भी बढ़ सकता है। इसके अलावा चुनावों के बीच डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर भ्रामक सूचनाओं और भड़काऊ कंटेंट के प्रसार से भी साम्प्रदायिक और जातीय तनाव भड़कने का जोखिम बना रहता है। इसीलिये 2027 का चुनाव बेहद महत्वपूर्ण होने के कारण इस चुनाव में आक्रामक बयानबाज़ी बढ़ने की पूरी आशंका है। जबकि एक अध्ययन के मुताबिक़, सभी समुदायों के युवा मतदाता पहचान की राजनीति के साथ-साथ रोज़गार, शिक्षा और बुनियादी सेवाओं को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि इस बार उत्तर प्रदेश, चुनावी महासंग्राम की राह पर जाता दिखाई दे रहा है।

बिहार की बदलती तस्वीर विकास की नई राह पर आगे बढ़ता राज्य



कांतिलाल मांडोत

घोटालों और पिछड़ेपन की पहचान से बाहर निकलकर निवेश शिक्षा रोजगार और सुशासन की ओर बढ़ता बिहार

बिहार का नाम आते ही कभी राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार, अपराध, पलायन और बदहाल व्यवस्था की चर्चा होने लगती थी। एक समय ऐसा भी था जब बिहार की पहचान विकास की संभावनाओं से अधिक राजनीतिक विवादों और कानून व्यवस्था की चुनौतियों के कारण बनती थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राज्य की तस्वीर बदलने के प्रयासों ने विकास की एक नई उम्मीद पैदा की है। सड़क, बिजली, पुल, शिक्षा, उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में हो रहे काम इस बात का संकेत हैं कि बिहार अब अपनी पुरानी छवि से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 21 नवंबर को वैशाली दौरा और लगभग 34,470 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन तथा शिलान्यास इसी बदलती सोच का महत्वपूर्ण उदाहरण है।

बिहार की प्रगति को केवल राजनीतिक नारों के आधार पर नहीं परखा जा सकता। इसके लिए जमीन पर दिखाई देने वाले बदलावों को समझना जरूरी है। गंगा नदी पर बना नीतीश सेतु इसका बड़ा उदाहरण है। लगभग 4,280 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 19.7 किलोमीटर लंबी छह लेन की यह परियोजना पटना और वैशाली के बीच आवागमन को आसान बनाएगी। इससे राघोपुर दियारा के लाखों लोगों को बारहमासी सड़क संपर्क मिलेगा। पहले जिन लोगों को नाव और पीपा पुल के सहारे आवागमन करना पड़ता था, उन्हें अब बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। किसानों के लिए अपनी उपज बाजार तक पहुंचाना आसान होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। यह केवल एक पुल नहीं, बल्कि उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच आर्थिक संपर्क मजबूत करने वाला माध्यम है।

बिहार की बदलती तस्वीर में बिजली क्षेत्र की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। बक्सर के चौसा ताप विद्युत संयंत्र की दूसरी 660 मेगावाट इकाई राष्ट्र को समर्पित की गई है। पीरपैंती बिजली परियोजना के लिए पारेषण व्यवस्था और नवादा के फुलवरिया बांध पर तैरता सौर ऊर्जा संयंत्र भी भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए जा रहे हैं। बिजली वितरण व्यवस्था में सुधार के लिए 1,130 करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों का लोकार्पण और किसानों को सिंचाई के लिए 12 घंटे बिजली देने की योजना कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकती है। हालांकि इन योजनाओं की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि बिजली गांवों और खेतों तक नियमित रूप से पहुंचती है या नहीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में निवेश और विकास की चर्चा करते हुए पुरानी राजनीतिक व्यवस्था पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले बिहार घोटालों के कारण चर्चा में रहता था, जबकि अब निवेश और विकास परियोजनाओं की बात होती है। इस राजनीतिक टिप्पणी के पीछे एक महत्वपूर्ण सवाल भी है कि क्या बिहार वास्तव में अपनी पुरानी आर्थिक चुनौतियों से बाहर निकल रहा है? इसका उत्तर अभी पूरी तरह हां में देना जल्दबाजी होगी, लेकिन बुनियादी ढांचे में निवेश, सड़क संपर्क और बिजली उत्पादन में विस्तार सकारात्मक संकेत अवश्य हैं।

बिहार के सामने सबसे बड़ी चुनौती रोजगार और युवाओं का पलायन रोकने की है। प्रधानमंत्री ने लखनऊ में कौशल दीक्षांत समारोह में कहा कि दुनिया को केवल विश्वविद्यालयों से निकले स्नातक नहीं, बल्कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से प्रशिक्षित कुशल कामगारों की भी आवश्यकता है। उनका यह संदेश बिहार के लिए विशेष महत्व रखता है। राज्य में बड़ी युवा आबादी है। यदि युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण, आधुनिक उद्योगों और स्थानीय रोजगार से जोड़ा जाए तो बिहार को दूसरे राज्यों पर निर्भर रहने की आवश्यकता कम होगी। सेमीकंडक्टर, बिजली उपकरण, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि आधारित उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं तलाशनी होंगी। केवल प्रशिक्षण प्रमाणपत्र बांटने से रोजगार नहीं मिलेगा, बल्कि उद्योगों की स्थापना और बाजार की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण देना होगा। अब सवाल कानून व्यवस्था का है। क्या बिहार में अपराध पूरी तरह समाप्त हो गया है? इसका उत्तर नहीं है। पिछले वर्षों में गंभीर अपराधों में गिरावट के संकेत मिले हैं। बिहार पुलिस के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025 में 2024 की तुलना में हत्या के मामलों में 8.3 प्रतिशत, दुष्कर्म में 8.2 प्रतिशत और डकैती में 26.9 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। यह सकारात्मक उपलब्धि है। लेकिन दूसरी ओर चोरी, साइबर अपराध, महिलाओं की सुरक्षा और संगठित अपराध जैसी चुनौतियां अब भी चिंता का विषय हैं। इसलिए कानून व्यवस्था को दुरुस्त मानकर संतुष्ट हो जाना उचित नहीं होगा। पुलिस की जवाबदेही, त्वरित न्याय, महिलाओं की सुरक्षा और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण से दूर रखना सुशासन की अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। राजनीतिक दृष्टि से भी बिहार में परिस्थितियां बदली हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार विकास और निवेश को अपनी प्राथमिकता बता रही है। दूसरी तरफ राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस जैसे विपक्षी दलों के सामने अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने की चुनौती है। विधानसभा चुनाव में विपक्ष को मिली पराजय के बाद उसे आत्ममंथन करने की जरूरत है। केवल जातीय समीकरण, राजनीतिक आरोप और सत्ता विरोधी बयानबाजी के सहारे जनता का विश्वास हासिल नहीं किया जा सकता। विपक्ष का दायित्व है कि वह बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार से सवाल पूछे तथा उनके समाधान का व्यावहारिक विकल्प भी प्रस्तुत करे। मजबूत विपक्ष लोकतंत्र की आवश्यकता है, इसलिए उसकी कमजोरी अंततः लोकतांत्रिक व्यवस्था को भी प्रभावित करती है। बिहार को आगे बढ़ाने के लिए सरकार को कुछ बुनियादी प्राथमिकताओं पर गंभीरता से काम करना होगा। गांवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। उद्योगों को जमीन, बिजली और बेहतर परिवहन सुविधा के साथ पारदर्शी प्रशासन देना होगा। सरकारी नौकरियों की भर्ती समय पर होनी चाहिए और निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने होंगे। भ्रष्टाचार पर कार्रवाई केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। पंचायत से लेकर सचिवालय तक सरकारी योजनाओं की निगरानी और जवाबदेही तय करनी होगी। कृषि के साथ छोटे उद्योगों और महिला उद्यमिता को भी आर्थिक विकास का आधार बनाना होगा। बिहार बदल रहा है, लेकिन इस बदलाव को स्थायी और व्यापक बनाना अभी बाकी है। पुलों का निर्माण, बिजली परियोजनाएं और हजारों करोड़ रुपये का निवेश विकास की मजबूत नींव बन सकते हैं। असली परीक्षा तब होगी जब बिहार का युवा रोजगार के लिए अपना घर छोड़ने को मजबूर नहीं होगा, किसान को अपनी उपज का उचित मूल्य मिलेगा और आम नागरिक बिना भय के जीवन जी सकेगा। सुशासन का अर्थ केवल अपराधियों पर कार्रवाई नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को न्याय, सुरक्षा और अवसर उपलब्ध कराना है। बिहार के पास प्रतिभा, श्रमशक्ति और अपार संभावनाएं हैं। जरूरत ऐसी राजनीतिक इच्छाशक्ति की है जो विकास को चुनावी मुद्दा नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाला जनकल्याणकारी अभियान बनाए। तभी बिहार की बदलती तस्वीर वास्तव में विकसित बिहार की पहचान बन सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

चीन में अधिकारी को मौत की सजा: पहले दोस्ती, फिर धमकी; विदेशी खुफिया एजेंट ने जासूसी के लिए कैसे फंसाया

बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक अधिकारी को किसी दूसरे देश के लिए जासूसी करने के मामले में मौत की सजा सुनाई गई है। उसने देश के गोपनीय दस्तावेज और जानकारी विदेशी खुफिया एजेंसी को दी थी। सरकारी संस्था से जुड़ी एक प्रकाशन कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। गोल्ड वॉल प्रेस नाम की इस कंपनी का संबंध चीन के राष्ट्रीय गोपनीयता संरक्षण प्रशासन से है। कंपनी ने बताया कि दोषी अधिकारी का उपनाम मा था। वह विदेश में काम कर रहा था। इसी दौरान एक विदेशी खुफिया एजेंसी ने उससे संपर्क किया। एजेंसी ने उसे अपने लिए काम करने के लिए तैयार किया। चीन की अदालतें राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों की जानकारी आमतौर पर सार्वजनिक नहीं करतीं। लेकिन अब ऐसे मामले सामने आने लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों से चीन का राज्य सुरक्षा मंत्रालय और गोल्ड वॉल प्रेस ऐसे मामलों की जानकारी ज्यादा देने लगे हैं। ये संस्थाएं गिरफ्तारी की जानकारी देती हैं। साथ ही, सोशल मीडिया, फिल्म और कॉमिक्स के जरिये भी लोगों को जासूसी के खतरे के बारे में चेतावनी देती हैं।

शेख हसीना 16 दिसंबर को लौटेंगी बांग्लादेश

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 16 दिसंबर को अपने देश लौटने की योजना की घोषणा की है। उन्होंने राष्ट्रीय विमानन कंपनी बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस से दिल्ली से उड़ान की मांग की है। उनकी प्रस्तावित वापसी मृत्युदंड, प्रत्यर्पण अनुरोध और बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच हो रही है। यह पहली बार है जब उन्होंने अपनी वापसी की तारीख तय की है। बांग्लादेश में राजनीतिक और कानूनी तनाव लगातार बढ़ रहा है। 16 दिसंबर बांग्लादेश में विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह 1971 में पाकिस्तान से देश की मुक्ति का प्रतीक है। हसीना के प्रवक्ता सैयद मोजम्मेल अली के अनुसार पूर्व प्रधानमंत्री इस अवसर पर ढाका लौटना चाहती हैं। हसीना 15 साल के शासन को समाप्त करने वाले छात्र-नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद देश छोड़कर भागी थीं। वह दो साल से अधिक समय पहले भारत में निर्वासन में चली गई थीं। उन्होंने बांग्लादेश सरकार से दिल्ली से उनके परिवहन की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। उनका तर्क है कि सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उनकी वापसी में सहायता करे। यह घोषणा हसीना द्वारा नए बांग्लादेशी पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) मांगने के हफ्तों बाद आई है। उन्होंने अपनी वापसी को सुविधाजनक बनाने के लिए ये दस्तावेज मांगे थे। अगस्त 2024 में भारत भागने के बाद उनके मौजूदा दस्तावेज रद कर दिए गए थे। उनके कानूनी प्रतिनिधियों, लंदन स्थित मैट्रिक्स चैंबर्स ने 9 नवंबर को बांग्लादेश हाई कमीशन से संपर्क किया। उन्होंने नई दिल्ली में दस्तावेज के जारी करने की मांग की थी।

स्टॉर्मी डेनियल्स हश मनी केस: ट्रंप को सजा रद्द कराने का नया रास्ता मिला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हश मनी मामले में अपनी आपराधिक सजा रद्द कराने की दिशा में नया कानूनी रास्ता मिल गया है। संघीय अपील अदालत ने सोमवार को मामले को न्यूयॉर्क की राज्य अदालत से संघीय अदालत में स्थानांतरित करने का रास्ता खोल दिया। इससे ट्रंप को राष्ट्रपति पद से जुड़ी कानूनी छूट का आधार लेकर अपनी दोषसिद्धि रद्द कराने की मांग करने का मौका मिल सकता है। दूसरी अमेरिकी सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स के तीन न्यायाधीशों की पीठ ने निचली अदालत के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें ट्रंप के मामले को राज्य अदालत में ही रखने का निर्णय दिया गया था। इसी अदालत में ट्रंप पर 34 गंभीर आपराधिक आरोपों में मुकदमा चला था और उन्हें दोषी ठहराया गया था। मामला वयस्क फिल्मों की अभिनेत्री स्टॉर्मी डेनियल्स को दिए गए 1.30 लाख डॉलर के भुगतान को छिपाने के लिए कारोबारी रिकॉर्ड में हेराफेरी से जुड़ा है।

निचली अदालत को जल्द फैसला देने का निर्देश अपील अदालत ने निचली अदालत को जल्द फैसला करने का निर्देश दिया है कि मामले को संघीय अदालत में रखा जाना चाहिए या नहीं। यदि मामला संघीय अदालत में जाता है, तो ट्रंप यह दलील दे सकते हैं कि राष्ट्रपति पद से जुड़े कार्यों के लिए मिली कानूनी छूट के आधार पर उनकी दोषसिद्धि रद्द की जाए। इस फैसले के बाद न्यूयॉर्क की राज्य अदालत में ट्रंप की ओर से दायर समानांतर अपील की कार्यवाही भी रुक गई है। ट्रंप ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है।

जंग का खामियाजा सभी देश बराबर नहीं भुगतते, भारत ने याद दिलाया 1943 का बंगाल अकाल

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में 1943 के बंगाल के अकाल का जिक्र किया। भारत ने बताया कि दुनिया में होने वाली जंगों का असर सभी देशों पर एक जैसा नहीं पड़ता। विकासशील देशों को इसकी सबसे ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। भारत ने यूक्रेन युद्ध के कारण खाद्य संकट रोकने के लिए कदम उठाने की मांग भी की। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वतनेनी ने सोमवार को सुरक्षा परिषद की उच्च स्तरीय बैठक में यह बात कही। सुरक्षा परिषद की बैठक का विषय था- ऊर्जा के अहम ढांचे और वैश्विक खाद्य आपूर्ति के लिए काला सागर के समुद्री रास्तों की सुरक्षा। पर्वतनेनी ने कहा, दुनिया में होने वाले संघर्षों के कारण कई देशों में भोजन, ईंधन, खाद और ऊर्जा की कमी हो रही है। इसका सबसे ज्यादा असर विकासशील देशों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, भारत लगातार इस बात पर जोर देता रहा है कि युद्ध की कीमत सभी देश बराबर नहीं चुकाते। उन्होंने आगे कहा, आज के वैश्विक संघर्षों के कारण पैदा हुए भोजन, ईंधन और खाद संकट से वैश्विक दक्षिण के देश सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

बंगाल में अकाल का जिक्र क्यों किया : हरीश पर्वतनेनी ने 1943 के बंगाल अकाल का भी जिक्र किया। इस अकाल में 30 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।



उन्होंने कहा, यह अकाल आज भी युद्ध के खौफनाक मानवीय नुकसान की याद दिलाता है। दूर किसी दूसरे देश में जारी युद्ध का असर भी आम लोगों पर पड़ सकता है। युद्ध के दौरान बिना रोक-टोक लिए गए फैसले और प्राथमिकताएं इसके लिए जिम्मेदार हो सकती हैं।

उन्होंने कहा, दुनिया के सभी देश एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। ऐसे में यूक्रेन युद्ध का असर हर जगह महसूस किया जा रहा है। यह युद्ध अब पांचवें साल में पहुंच चुका है।

भारत ने युद्ध खत्म करने के लिए क्या कहा : राजदूत पर्वतनेनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को भी याद किया। उन्होंने कहा, दुनिया को लगातार चलने वाले युद्धों से आगे बढ़कर युद्ध खत्म करने की दिशा में जाना होगा। उन्होंने दोहराया कि भारत इस संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालने के सभी प्रयासों में योगदान देने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ मजबूती से खड़े हैं। मोदी ने साफ कहा है कि यह युग युद्ध का नहीं है।

युद्ध से खाद्य संकट कैसे बढ़ता है : भारत ने चिंता जताई कि जंग के कारण खाद्य संकट और बढ़ जाता है। इससे खेती प्रभावित होती है। लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर होते हैं। जरूरी ढांचे को नुकसान पहुंचता है। राहत पहुंचाने में भी मुश्किलें आती हैं। जंग का असर केवल संघर्ष वाले इलाकों तक सीमित नहीं रहता। इससे ऊर्जा, खाद, परिवहन और कृषि व्यापार की आपूर्ति भी प्रभावित होती है। इसका सबसे ज्यादा नुकसान वैश्विक दक्षिण के देशों को होता है। पर्वतनेनी ने कहा, वैश्विक दक्षिण के लिए शांति कोई काल्पनिक बात नहीं है। यह तब हासिल होती है, जब भूखे लोगों को खाना मिलता है, जब कोई जहाज बंदरगाह तक पहुंचता है और जब कोई नाविक सुरक्षित अपने घर लौटता है। भारत ने सुरक्षा परिषद से अपील की कि वह कुछ बातों को प्राथमिकता दे। इनमें मानवीय सहायता पहुंचाना, आम लोगों के जरूरी ढांचे की सुरक्षा और समुद्री रास्तों पर आवाजाही की आजादी शामिल है। भारत ने कहा, राहत सामग्री की आपूर्ति और वैध व्यापार में कोई रुकावट नहीं आनी चाहिए। पर्वतनेनी ने कहा, भारत के लिए बातचीत और कूटनीति, सुरक्षित व्यापारिक जहाजरानी और अनाज तथा ऊर्जा की निर्बाध आपूर्ति व्यावहारिक जरूरतें हैं।

दूसरे विश्व युद्ध और बंगाल अकाल का जिक्र क्यों किया : पर्वतनेनी ने कहा, मौजूदा हालात दूसरे विश्व युद्ध के समय जैसे ही हैं। उस समय भी युद्ध शुरू करने के लिए जिम्मेदार नहीं रहे लोगों को इसका नुकसान उठाना पड़ा था। उन्होंने कहा, यह मौजूदा स्थिति दूसरे विश्व युद्ध के समय से अलग नहीं है। उस समय भी संघर्ष शुरू करने के लिए जिम्मेदार नहीं रहे लोगों को अनजाने में इसका खामियाजा भुगतना पड़ा था। उन्होंने 1943 के बंगाल अकाल का फिर जिक्र किया।

उन्होंने कहा, भारत में 1943 के विनाशकारी बंगाल अकाल के कारण हुई पीड़ा और तकलीफ दूर किसी संघर्ष के कारण होने वाले खौफनाक मानवीय नुकसान की स्पष्ट याद दिलाती है, जिसमें 30 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। यह नुकसान युद्ध के दौरान बिना रोक-टोक लिए गए फैसलों और प्राथमिकताओं के कारण हुआ। उन्होंने कहा, इन्हीं गंभीर नतीजों के कारण भारत खाद्य असुरक्षा को रोकने को इतनी अहमियत देता है।

वैश्विक खाद्य आपूर्ति में काला सागर कितना अहम है : पर्वतनेनी ने कहा, काला सागर के समुद्री मार्गों और दुनिया की खाद्य आपूर्ति की सुरक्षा को लेकर भारत की प्रतिबद्धता एक अहम वजह पर आधारित है। यह क्षेत्र भारत की तरह दुनिया के प्रमुख खाद्य उत्पादन क्षेत्रों में से एक है।

खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट में खुलासा, नाटो देशों की बढ़ी बेचैनी

बर्लिन, एजेंसी। जर्मन अखबार सुडड्यूश जिटुंग और पब्लिक ब्रॉडकास्टर एनडीआर व डब्लूडीआर की एक संयुक्त जांच के अनुसार, पश्चिमी खुफिया एजेंसियों और सैन्य आकलन बताते हैं कि रूस इस साल के अंत से पहले अंतरिक्ष में परमाणु हथियार तैनात करने की योजना बना रहा है।

रिपोर्ट में क्या बताया गया : सुडड्यूश जिटुंग की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में कई नाटो देशों के साथ साझा की गई इन जानकारियों से पता चलता है कि मॉस्को इस साल ही परमाणु विस्फोटकों से लैस एक उपग्रह (सैटेलाइट) लॉन्च करने की तैयारी में है। जर्मन अखबार के अनुसार, इस आकलन को पश्चिमी खुफिया एजेंसियों और रक्षा अधिकारियों का समर्थन मिला है, जिनमें जर्मन सशस्त्र बल (बुंडेसवेहर) और जर्मनी की संघीय खुफिया सेवा (बीएनडी) शामिल हैं।

रक्षा मंत्रालय ने क्या कहा : हाल के हफ्तों में, बुंडेसवेहर (जर्मन सशस्त्र बलों) के विशेषज्ञों ने रूस की योजनाओं के बारे में वरिष्ठ जर्मन राजनेताओं को जानकारी दी है। इनमें सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसपीडी) के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस भी शामिल हैं। सुडड्यूश जिटुंग की रिपोर्ट के अनुसार, जर्मनी के संघीय रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने गोपनीयता का हवाला देते हुए कहा कि अधिकारी अंतरिक्ष में हो रही वैश्विक घटनाओं और अन्य देशों की गतिविधियों पर लगातार और बारीकी से नजर रख रहे हैं।

इस बीच, रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टीएएसएस ने बताया है कि रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने कहा है कि यूक्रेन और नाटो के कदमों ने ऐसे हालात पैदा कर दिए हैं, जिनमें मॉस्को परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर विचार कर सकता है।

रूस क्या आकलन करना चाहता है : टीएएसएस की रिपोर्ट के अनुसार, मॉस्को जर्नल ऑफ इंटरनेशनल लॉ में राज्य की संप्रभुता और परमाणु हथियारः राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के अंतरराष्ट्रीय कानूनी पहलू शीर्षक वाले एक लेख में मेदवेदेव ने लिखा है कि किसी भी हमले को अधिकृत करने से पहले, रूस यह आकलन करता है कि क्या परमाणु जवाब, हुए नुकसान के अनुपात में है या नहीं।

टीएएसएस के अनुसार, मेदवेदेव ने कहा, कई मामलों में, हमारे खिलाफ एकजुट होकर खड़े पक्षों (यूक्रेन, नाटो देश और गठबंधन के बाहर के कई पश्चिमी देश) ने पहले ही ऐसी स्थितियां पैदा कर दी हैं, जिनमें रूस परमाणु हमला करने की संभावना पर विचार कर सकता है। हालांकि, टीएएसएस ने बताया कि मेदवेदेव ने निर्णय लेने की प्रक्रिया में संयम बरतने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति हमेशा सभी कारकों के व्यापक विश्लेषण और वास्तव में हुए नुकसान तथा जवाबी कार्रवाई के बीच उचित संतुलन को ध्यान में रखकर ही कोई कदम उठाते हैं।

अमेजन के जंगल में 11 दिन भटकता रहा बुजुर्ग, रेस्क्यू टीम ने अल्जाइमर से पीड़ित को निकाला

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के अमेजन वर्षावन में 11 दिन तक अकेले जीवित रहने के बाद एक बुजुर्ग व्यक्ति को बचाया गया है। अल्जाइमर से पीड़ित यह व्यक्ति अब मकापा शहर के एक अस्पताल में ठीक हो रहा है। बचाव कर्मियों ने उनकी इस आश्चर्यजनक कहानी का विवरण साझा किया है। 74 वर्षीय जनारिनो फरेरा डोस सैंटोस को पार्क रेंजरों और स्वयंसेवकों ने शुक्रवार को बचाया। उन्हें पूर्वोत्तर ब्राजील के मकापा से करीब 10 किलोमीटर दूर घने वर्षावन से निकाला गया।

बचाव कर्मियों ने बताया कि डोस सैंटोस जामुन खाकर और प्राकृतिक स्रोतों से पानी पीकर जीवित रहे। उन्होंने रात में आराम करने के लिए अकाई ताड़ के पत्तों से बिस्तर जैसी संरचनाएं भी बनाईं। पार्क रेंजर एनियल कार्डोसो ने बताया कि युवावस्था में डोस सैंटोस ने वर्षावन में काम किया था। इसलिए उन्हें जंगल में घूमना आता था। कार्डोसो और स्वयंसेवकों ने डोस सैंटोस के पैरों के निशान देखकर उन्हें खोजा। उन्होंने पाया कि वह गोल-गोल घूम रहे थे। पैरों के निशान का पीछा करते हुए बचाव दल को अकाई पत्तों से बना एक बिस्तर मिला। यह बिस्तर कम से कम चार दिन पुराना लग रहा था।

बाद में उन्हें एक और बिस्तर मिला जिसके पत्ते उसी सुबह ताड़ के पेड़ से तोड़े गए थे। कार्डोसो ने कहा कि तभी उन्हें लगा कि वह जीवित हो सकते हैं और पास ही होंगे। बचाव दल को डोस सैंटोस जंगल के घने हिस्से में मिले। वह नंगे पैर और केवल अंतर्वस्त्र पहने बैठे थे। कार्डोसो ने बताया कि डोस सैंटोस बात नहीं कर पा रहे थे। वह चल भी नहीं पा रहे थे और उन्हें बहुत प्यास लगी थी। इस खोज अभियान में परिवार के सदस्य, स्वयंसेवक और सार्वजनिक सुरक्षा दल शामिल थे। उन्हें जंगल में कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। अग्निशमन कर्मियों और विशेष टीमों ने जमीन पर खोज की। हेलीकॉप्टर और ड्रोन से भी निगरानी की गई। लापता व्यक्ति के संकेतों के लिए थर्मल कैमरों का भी उपयोग किया गया।

पाकिस्तान में भी लगे भूकंप के झटके: 4.1 रही तीव्रता; जमीन से 17 किलोमीटर नीचे था केंद्र

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में मंगलवार सुबह भूकंप आया। इसकी तीव्रता 4.1 थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप सुबह 7 बजकर 46 मिनट 31 सेकंड पर आया। भूकंप का केंद्र 28.221 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 66.777 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। इसकी गहराई जमीन से 17 किलोमीटर नीचे थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। फिलहाल इस जानकारी में किसी तरह के जान-माल के नुकसान का जिक्र नहीं है।

इससे पहले रविवार (22 नवंबर) को भी पाकिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। यह भूकंप पाकिस्तान में अफगानिस्तान सीमा के पास आया। इसकी तीव्रता 4.0 मापी गई थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया था कि



भूकंप का केंद्र अक्षांश 32.794ए उत्तर और देशांतर 69.745ए पूर्व पर था। एनसीएस ने इस घटना को समीक्षा की गई श्रेणी में रखा।

मंगलवार को दक्षिण एशिया के कई देशों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। इनमें भारत, नेपाल, बांग्लादेश और भूटान शामिल हैं। नेपाल में सर्वाधिक 5.4 तीव्रता का भूकंप आया। धरती के भीतर सात प्लेट्स हैं, जो लगातर घूमती रहती हैं। जिस स्थान पर प्लेट्स की टक्कर होती है, उस जगह को फॉल्ट लाइन कहा जाता है। पृथ्वी के अंदर स्थित टेक्टोनिक प्लेटों के खिसकने, आपस में टकराने या रगड़ खाने से ऊर्जा उत्पन्न होती है। जब प्लेटों के टकराने से ज्यादा ऊर्जा निकलती है, तो धरती की सतह पर कंपन पैदा होता है। जिस स्थान पर प्लेट्स टकराती हैं, उस स्थान पर सबसे अधिक भूकंप का असर होता है। लेकिन जब भूकंप की तीव्रता अधिक होती है तो इसके झटके काफी दूर तक महसूस किए जाते हैं। वैज्ञानिक भूकंप की तीव्रता मापने के लिए रिक्टर स्केल का इस्तेमाल करते हैं। जब भूकंप आता है, पृथ्वी के नीचे से ऊर्जा तरंगे बाहर आती हैं। उन्हें रिक्टर स्केल से मापा जाता है। इसके बाद ही यह पता लगता है कि भूकंप की तीव्रता कितनी थी और इसका केंद्र कहां पर था। भूंकप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है। अगर भूकंप आता है, तो आप घर के अंदर हैं और बाहर नहीं निकल सकते हैं तो किसी मजबूत टेबल या किसी फर्नीचर के नीचे छिप जाएं। हालांकि, कंपन कम होने पर या बंद होने पर धीरे-धीरे घर से बाहर जरूर निकल जाएं।

कनाडा के बिजनेसमैन और उनकी पार्टनर की हत्या के मामले में दो अमेरिकियों को उम्रकैद, डोमिनिका में सुनाई गई सजा

रोसेउ , एजेंसी। कैरेबियाई देश डोमिनिका की एक अदालत ने साल 2023 में हुए कनाडाई बिजनेसमैन डैनियल लैंगलोइस और उनकी पार्टनर डोमिनिक मार्चंड की हत्या मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी रोसेउ की अदालत ने सोमवार को दो अमेरिकी नागरिकों जोनाथन लेहरर और रॉबर्ट स्नाइडर जूनियर को दो-दो बार उम्रकैद की सजा सुनाई है। जज ने इन हत्याओं को बिना किसी उकसावे के किया गया हमला बताया और कहा कि यह मामला दुर्लभ से भी दुर्लभ (रेयरेस्ट ऑफ द रेयर) की श्रेणी में आता है। दोनों दोषियों को हत्याओं के कुछ दिन बाद ही गिरफ्तार कर लिया गया था और इस साल 28



जुलाई को अदालत ने उन्हें दोषी ठहराया था। हालांकि, दोषियों के वकील ने इस फैसले के खिलाफ अपील करने की बात कही है।

क्या था पूरा मामला : डैनियल लैंगलोइस ने मॉन्ट्रियल स्थित सॉफ्टइमेज नाम की कंपनी की स्थापना की थी। यह कंपनी अपनी 3ष्ठ एनीमेशन तकनीक के लिए जानी जाती है। जिसका इस्तेमाल जुरासिक पार्क, द मैट्रिक्स और टाइटैनिक जैसी बड़ी हॉलीवुड फिल्मों में किया गया है। वह और उनकी पार्टनर मार्चंड दक्षिणी डोमिनिका में कौलीबरी रिजनाम के एक इको-रिसॉर्ट के मालिक भी थे। यह जोड़ा कई दिनों से लापता था। 1 दिसंबर 2023 को रिसॉर्ट के पास गैलियन इलाके में एक जली हुई कार के अंदर उनके शव मिले। न्यू जर्सी में जन्मे चॉकलेट निर्माता लेहरर की जमीन रिसॉर्ट के बगल में थी, जबकि मैकेनिक स्नाइडर उनके लिए काम करता था। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, लेहरर और लैंगलोइस के बीच रिसॉर्ट तक जाने वाली एक सड़क को लेकर वर्षों से विवाद चल रहा था, जो लेहरर की जमीन से होकर गुजरती थी और रिसॉर्ट तक जाने का रास्ता थी। साल 2019 में, एक जज ने लेहरर को आदेश दिया था कि वह इस सड़क को आम लोगों के लिए खुला रखे और यह सुनिश्चित करे कि लैंगलोइस के पास आने वाले लोग बिना किसी रोक-टोक के इसका इस्तेमाल कर सकें। हालांकि, लेहरर के परिवार के प्रतिनिधियों ने इस बात से इनकार किया है कि सड़क को लेकर चल रहा विवाद इन हत्याओं की वजह था। पिछले हफ्ते परिवार की प्रवक्ता सिल्वी डेस्लौरियर्स ने लैंगलोइस की मां की ओर से एक भावुक बयान जारी किया।" और उनकी मौत के लगभग तीन साल बाद परिवार उन्हें अंतिम विदाई दे सका है।

दक्षिण कोरिया के डिफेंस जोन में घुसे रूसी विमान; द्वीप पर 3 मिनट में अलर्ट जारी, लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर जाने का आदेश



सोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया ने रूसी विमानों के हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद अलर्ट जारी किया सियोल, 24 नवंबर (एपी) रूस के कई विमानों ने कोरियाई प्रायद्वीप एवं जापान के बीच समुद्री क्षेत्र के ऊपर दक्षिण कोरिया के हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र में उड़ान भरी जिसके बाद देश के पूर्वी हिस्से में स्थित एक द्वीप पर अलर्ट जारी किया गया।

दक्षिण कोरिया की सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पहले जारी खबरों में कहा गया था कि विमानों ने देश के संप्रभु हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया लेकिन दक्षिण कोरियाई सेना ने बाद में इन खबरों में संशोधन कर कहा कि विमानों ने उसके हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया। हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र सुरक्षा की दृष्टि से निर्धारित वह क्षेत्र होता है जिसमें उड़ान भरने वाले विमानों की पहचान और उनकी गतिविधियों की निगरानी की जाती है। यह क्षेत्र किसी देश के संप्रभु हवाई क्षेत्र से बाहर अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र तक भी फैला हो सकता है। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने अपने बयान में गृह एवं सुरक्षा मंत्रालय तथा स्थानीय प्रांतीय सरकार की ओर से पहले दी गई उस जानकारी में सुधार किया जिसमें कहा गया कि विदेशी विमानों ने दक्षिण कोरिया के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया और ये विमान संभवतः रूस या उत्तर कोरिया के थे। सुरक्षा मंत्रालय ने सुबह करीब सात बजकर 52 मिनट पर उल्लुंग द्वीप के निवासियों को भूमिगत केंद्रों या इमारतों में शरण लेने का आदेश दिया लेकिन तीन मिनट बाद यह कहते हुए आदेश वापस ले लिया कि विमान खतरे वाले क्षेत्र से बाहर चले गए हैं। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि रूसी विमानों के वहां से जाने से पहले दक्षिण कोरिया ने हर प्रकार की संभावित स्थिति से निपटने के लिए अपने लड़ाकू विमान रवाना किए थे। उन्होंने तत्काल यह नहीं बताया कि कितने रूसी विमानों का पता चला था और वे किस प्रकार के विमान थे। वर्ष 2022 में भी उल्लुंग द्वीप के निवासियों में उस समय दहशत फैल गई थी, जब दोनों कोरियाई देशों के बीच बढ़ते तनाव के मध्य उत्तर कोरिया ने समुद्र में 20 से अधिक मिसाइल दागी थीं।

एनवीडिया मुख्यालय पहुंचे हुआंग: कर्मचारियों ने तालियों और नारों से किया स्वागत; मस्क बोले- सब चाहते थे वापसी

कैलिफोर्निया, एजेंसी। एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग की कंपनी में वापसी पर कर्मचारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। कैलिफोर्निया स्थित कंपनी के मुख्यालय पहुंचने पर कर्मचारियों ने जेनसन के लिए तालियां बजाईं और नारे भी लगाए। हुआंग की बहाली पर टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि एनवीडिया में उनके जानने वाले सभी कर्मचारी हुआंग की वापसी चाहते थे। मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें एनवीडिया के कर्मचारी हुआंग का स्वागत करते दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा, एनवीडिया में जिन लोगों को मैं जानता हूं, वे सभी जेनसन को वापस चाहते थे और यह वीडियो सब कुछ दिखा रहा है।

पहले किया इनकार, फिर एनवीडिया ने दोबारा बनाया सीईओ : एनवीडिया ने सोमवार को घोषणा की थी कि जेनसन हुआंग को तत्काल प्रभाव से कंपनी के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर बहाल कर दिया गया है। उन्हें निदेशक मंडल में भी फिर से शामिल किया गया है। कंपनी के बोर्ड ने बयान में बताया कि हुआंग के साथ कई दौर की बातचीत और बैठकों के बाद सर्वसम्मति से उनकी बहाली का



फैसला लिया गया। बोर्ड ने उनके स्पष्ट विचार रखने के तरीके और कंपनी का नेतृत्व करने की क्षमता पर भरोसा जताया।

मस्क और ट्रंप ने फैसले का किया समर्थन : हुआंग की वापसी पर एलन मस्क ने इससे पहले भी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था कि गलती सुधार ली गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी एनवीडिया के फैसले को शानदार बताया और कंपनी को बधाई दी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि एनवीडिया ने एक बहुत अच्छा फैसला लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन से जुड़े आरोपों के बीच उन्होंने कंपनी के निदेशक मंडल को हुआंग की स्थिति को लेकर पर्याप्त आश्वासन दिया था। अमेरिकी समाचार चैनल सीएनबीसी से बातचीत में ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्होंने बोर्ड को आश्वासन दिया था कि हुआंग के खिलाफ मुकदमा नहीं चलाया जाएगा। इस पर ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अभियोजन शब्द का इस्तेमाल नहीं किया था, लेकिन यह जरूर बताया था कि प्रशासन के मुताबिक हुआंग बिल्कुल ठीक हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने बोर्ड को पर्याप्त भरोसा दिया था।

डेमोक्रेटिक नेता ने फैसले की आलोचना की : हालांकि, अमेरिकी संसद में डेमोक्रेटिक नेता और प्रतिनिधि सभा के संभावित स्पीकर हकीम जेफ्रीज ने हुआंग की बहाली की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इस फैसले को अनुचित, गैर-जिम्मेदाराना और समझ से परे बताया। जेफ्रीज ने कहा कि कांग्रेस एनवीडिया के कथित कारोबारी अनियमितताओं और वाणिज्य विभाग के प्रमुख हॉवर्ड लुटनिक के कथित तौर पर सत्ता के दुरुपयोग की व्यापक जांच से पीछे नहीं हटेगी। एक्स पर जारी बयान में जेफ्रीज ने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन निजी आर्थिक लाभ के लिए अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों से समझौता कर रहा है। जेफ्रीज ने राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम में कड़े निर्यात नियंत्रण प्रावधान शामिल करने की मांग भी की। उनका कहना है कि शक्तिशाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक का इस्तेमाल चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और अन्य विरोधी ताकतों की ओर से नहीं किया जाना चाहिए।

खाली पेट एक्सरसाइज करने से दोगुनी रफ्तार से घटता है मोटापा

शोध में हुआ खुलासा

मोटापा आज हर दूसरे व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी परेशानी का सबब बन चुका है, जिसका एक कारण मधुमेह भी है। डायबिटीज एक गंभीर बीमारी है। डायबिटीज में शरीर में इंसुलिन का स्राव कम हो जाता है, जिससे खून में ग्लूकोज लेवल बढ़ने लगता है। इंसुलिन एक हॉर्मोन है, जो पाचक ग्रंथि द्वारा बनता है। इसकी जरूरत भोजन को ऊर्जा में बदलने के लिए होती है। एक अध्ययन के अनुसार, भोजन और व्यायाम के समय में बदलाव कर लोग मधुमेह के स्तर पर नियंत्रण रख सकते हैं और ऐसी दिनचर्या बना सकते हैं, जिससे मधुमेह और मोटापे से लड़ने में मदद मिल सके।

ब्रिटेन के बाथ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अनुसार, सुबह के नाश्ते से पहले व्यायाम करने वाले लोग वसा की अधिक मात्रा घटाने में कामयाब होते हैं। इसके उलट, जो सुबह के नाश्ते के बाद व्यायाम करते हैं, उनके शरीर से वसा की मात्रा घटने का अनुपात कम होता है। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रायनोलोजी एंड मेटाबोलिज्म में प्रकाशित शोध के अनुसार, सुबह व्यायाम करना स्वास्थ्य के लिए बेहतर है । शोधकर्ताओं ने छह हफ्ते तक मोटापे के शिकार या अतिरिक्त वजन वाले 30 पुरुषों पर शोध करने के लिए उन्हें दो समूहों में बांटा। एक समूह में उन्हें रखा गया, जिन्होंने सुबह के नाश्ते के पहले व्यायाम किया और दूसरे में उन्हें रखा गया, जिन्होंने नाश्ते के बाद व्यायाम किया। शोधकर्ताओं ने कहा कि छह हफ्ते चले शोध में भाग लेने वालों का वजन कम नहीं हुआ, लेकिन इससे उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव अवश्य पड़ा।

शोध में प्रतिभागियों के शरीर ने इंसुलिन के प्रति बेहतर प्रतिक्रिया दी, उनके रक्त में शर्करा की मात्रा नियंत्रण में रही और मधुमेह और दिल की बीमारी की आशंका कम देखी गयी। अध्ययन के सह-लेखक जेवियर गोंजालेज ने कहा कि 'हमारे परिणाम बताते हैं कि जब आप व्यायाम करते हैं, तो आप अपने स्वास्थ्य में बदलाव ला सकते हैं।' हालांकि शोधकर्ताओं के अनुसार, नाश्ते से पहले व्यायाम करने वालों की मांसपेशियों में प्रोटीन की मात्रा में अधिक वृद्धि देखी गई। विशेष रूप से उन लोगों में, जिनका शरीर ग्लूकोज को रक्तप्रवाह से मांसपेशियों में ले जाता है। हालांकि, शोधकर्ताओं ने उल्लेख किया कि छोटे समय के अध्ययन में केवल पुरुष शामिल थे और वे इस प्रकार के व्यायाम के दीर्घकालिक प्रभावों का पता लगाने की कोशिश करेंगे। वे यह जानने का प्रयास करेंगे कि क्या इससे महिलाओं को भी पुरुषों के समान लाभ होता है।



ब्लड शुगर बढ़ने से रोकते हैं ये 3 देसी अनाज



जब डायबिटीज आप पर हमला करता है, तो इसका मतलब आपको तुरंत अपने खानपान पर ध्यान देना चाहिए। अपनी डाइट में शुगर कम करना, प्रॉसेस्ड खाद्य पदार्थों की कटौती करना और अपने आहार में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा को सीमित करना शामिल है।

ब्लड शुगर लेवल को बनाए रखने का मतलब यह नहीं है कि आप पोषण पर समझौता करें। अनाज भारतीयों के लिए एक मुख्य भोजन है और उनमें पोषक तत्वों का खजाना है, जो आपके शरीर के लिए अच्छा है। अच्छे के लिए खराब को स्वैप करना और अपने आहार में कुछ स्वस्थ और अनाज को शामिल करना डायबिटीज को सुधारने में मदद करता है। जब यह बेमेल शर्करा के स्तर को कम करने की बात आती है, तो आपको आदर्श रूप से उन खाद्य पदार्थों को देखना चाहिए जिनमें कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, यानी, जो पचने में अधिक समय लेते हैं और शरीर में उर्जा को बरकरार रखते हैं। अनाज की पोषण संबंधी जानकारी की पहचान करना इस प्रकार की बीमारी के प्रबंधन में सहायक हो सकता है। कुछ खाद्य पदार्थ हैं जो आपके डायबिटीज को मैनेज कर सकते हैं।

बाजरा

बाजरा ऊर्जा का निर्माण करता है। यह मैग्नीशियम का एक अच्छा स्त्रोत है, जो आदर्श इंसुलिन स्राव और रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार एंजाइम के उत्पादन में मदद करता है। अध्ययनों में पाया गया है कि नियमित रूप से बाजरे का उपभोग करने टाइप-2 डायबिटीज के खतरे को कम किया जा सकता है। साथ ही, इसमें पौष्टिक फाइबर होता है जो विषाक्त पदार्थों और ब्लड लिपिड के स्तर को कम करता है।

रामदाना

रामदाना का लंबे समय से पारंपरिक रूप से उपयोग किया जाता है और इसके कई लाभ भी हैं। आपको बता दें कि, अनाज शुगर का प्रबंधन करने की क्षमता के लिए और भी अधिक लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है। रामदाना एक ग्लूटेन-फ्री अनाज है, जो अमीनो एसिड, आयरन, पोटैशियम और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो शरीर के चयापचय को स्थिर करता है और सुनिश्चित करता है कि इंसुलिन के स्तर सहित सभी कार्य उसी के अनुसार काम करें।

बकव्हीट

हाल के अध्ययनों में पाया गया है कि उपवास के दौरान बकव्हीन (एक प्रकार का अनाज) खाना मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद होता है। यह अनाज सक्रिय रूप से अच्छे फाइटोन्यूट्रिएंट्स, फाइबर की आपूर्ति करके और बढ़ती इंसुलिन स्राव को कम करके जीर्ण शुगर की समस्या के प्रबंधन में बहुत मददगार हो सकता है।

रेसिपी



पेरी पेरी चिकेन

सामग्री

- बारीक कटी लहसुन की कलियां
- क्रश्ड रेड पेपर फ्लेक्स: ½ टीस्पून
- रेडीमेड स्मोक्ड पैपरिका पाउडर: 1 टेबलस्पून
- नींबू का रस: ¼ कप
- ऑलिव ऑयल: ¼ कप
- रेड वाइन विनेगर: 1 टेबलस्पून

विधि

पेरी पेरी मैरिनेशन बनाने के लिए सभी चीजों को ब्लैंड्र में डालकर प्यूरी बना लें। चिकेन ब्रेस्ट के पीसेज को चाकू से गोदकर फ्लैट करें। प्लास्टिक बैग में चिकेन पीसेज को डालकर इसमें पेरी पेरी मैरिनेशन डालें। नमक और काली मिर्च पाउडर डालें। अच्छी तरह मिलाएं। करीब 4-5 घंटे या रातभर के लिए फ्रिज में रख दें। अवन को 200 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें। बेकिंग ट्रे में ऑलिव ऑयल का स्प्रे करें। चिकेन ब्रेस्ट के पीसेज को रखें। साइड में लंबी स्लाइसेज में कटे पेपर्स रखें। ऊपर से ताज़े हर्ब्स डालें। लगभग 20 मिनट के लिए इसे बेक करें। प्लेट में निकालें। साइड में नींबू की स्लाइसेज डालकर सर्व करें।

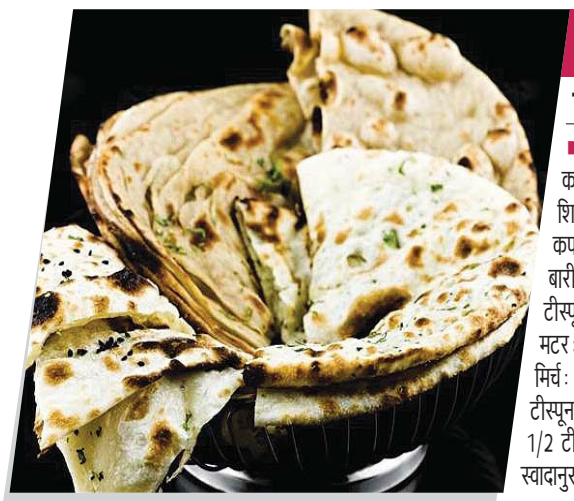

मिक्स पराठे

सामग्री

■ गेहूं का आटा: 2 कप ■ गाजर: 1/4 कप कटी हुई ■ पत्तागोभी: 1/2 कप कटी हुई, ■ शिमला मिर्च: 1/4 कप कटी हुई ■ प्याज: 1/4 कप बारीक कटा हुआ ■ मेथी: 2 टेबलस्पून बारीक कटी हुई ■ अदरक-लहसुन पेस्ट: 1 टीस्पून ■ हल्दी पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ हरी मटर: 1/4 कप ■ हरा धनिया:1 टेबलस्पून ■ हरी मिर्च: 1 बारीक कटी हुई ■ गरम मसाला: 1/4 टीस्पून ■ धनिया पाउडर: 1 टीस्पून ■ लाल मिर्च: 1/2 टीस्पून ■ तेल या घी: 2 टीस्पून ■ नमक: स्वादानुसार

विधि

एक पैन में धीमी आंच पर तेल गरम करें। उसमें गाजर, गोभी, शिमला मिर्च, हरी प्याज, मेथी के पत्ते और अदरक-लहसुन का पेस्ट, नमक और हल्दी पाउडर डालकर भूनें। सब्जियां नरम हो जाएं, तब तक इन्हें भूनें। इसमें लगभग 3 से 4 मिनट तक का समय लगेगा। फिर मटर को मैश करके उसमें मिक्स करें और थोड़ी देर में गैस बंद कर दें। सब्जियों को 5 मिनट के लिए ठंडा होने दें। एक बाउल में गेहूं का आटा, तेल और नमक डालें। उसमें पकी हुई सब्जियों का पेस्ट, कटी धनिया, कटी हरी मिर्च, सारे मसाले डालकर उन्हें अच्छी तरह से मिक्स कर लें। फिर आवश्यकतानुसार पानी डालकर आटे को गूंद लें और 10 मिनट के लिए ढककर रख दें। इसके बाद आप आटे की गोली बनाकर उसे हल्के हाथ से धीरे-धीरे बेलें और फिर तवे पर तेल या घी डालकर धीमी आंच पर सुनहरा होने तक सेक लें। इसके बाद दही या अचार के साथ गरमा-गरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का प्लान, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-5-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगें। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2658

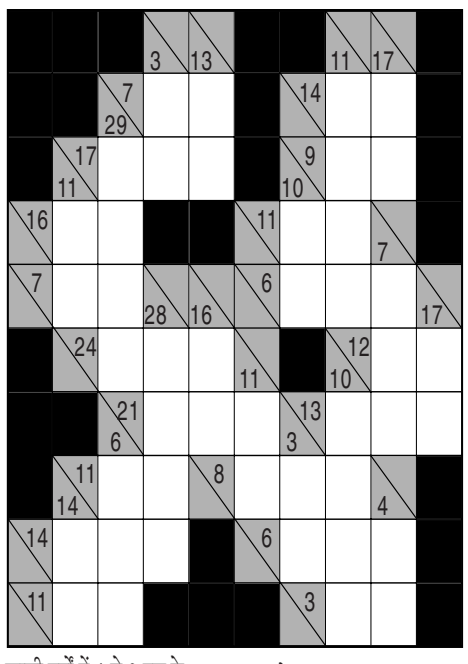

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

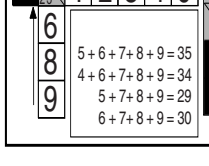

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2657 का हल

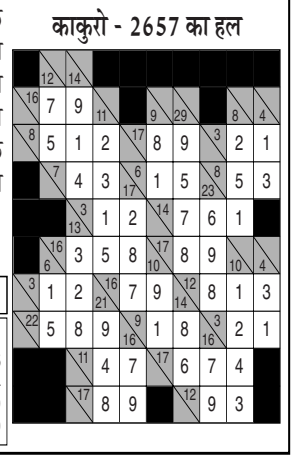

हंसी के फव्वारें

कठघरे में खडे चोर से जज ने कहा, 'अजीब बात है, जब मैं वकील था तो तुमने मुर्गी चुरायी, जब मैं सरकारी वकील बना तो तुमने एक बकरी चुरायी और आज जब मैं जज बन गया हूं तो तुमने एक भैंस चुरायी आखिर ऐसा क्यों?'

चोर - हुजूर, वजह बहुत साफ है, आपके साथ-साथ मैने भी तरक्की की है.

□ □ □

मीना (रीना से) - बिना बांहों का स्वेटर तुम कितने दिनों में बना सकती हो.

रीना (मीना से)- यह तो रिश्ते पर निर्भर करता है. यदि स्वेटर प्रेमी का है तो दो दिन में, जीजा का है तो सात दिन में और यदि पति का है तो दो महीने भी लग सकते हैं.

□ □ □

एक भिखारी को बैंक में घुसते देख चौकीदार बोला, 'अरे-अरे बाबा आगे जाओ यहां कुछ नहीं मिलेगा.'

भिखारी (चौकीदार से)- अरे भैया, मै यहां कुछ लेने नहीं अपना पैसा जमा कराने आया हूं.

□ □ □

पत्नी (पति से)- कितनी बार कहा है कि अपने बालों में खिजाब लगाओ, बुड्ढे नजर आते हो.

पति (पत्नी से)- अरे भाग्यवान! अगर मैंने बालों में खिजाब लगा लिया तो लड़कियों से बेधड़क बात नहीं कर पाऊंगा.

फिल्म वर्ग पहेली- 2658

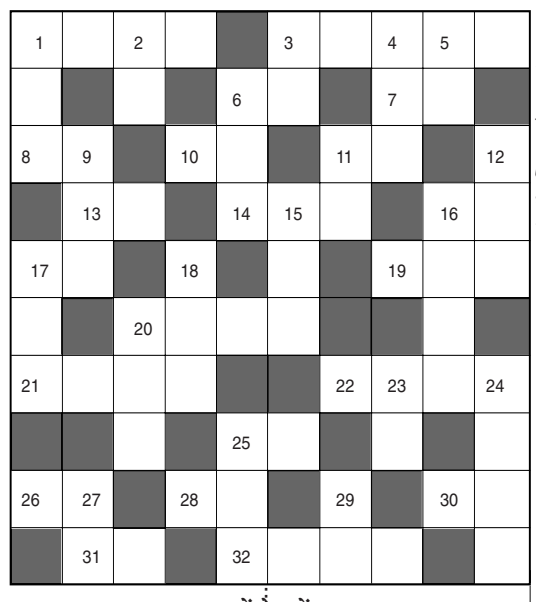

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५.अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2657

क्रि	मि	न	ल		प	र	व	रि	श
श		ती		डो	र		र		मा
	अ	जा	म		दे	व	दा	स	
का	श		ह	व	स		न	म	क
ला		ला	ल	च		अ		झौ	
पा	य	ल		न	सी	म		ता	ल
नी		कि	ला		आ	ला	प		ड़ा
	त	ला	श		ई		रि	हा	ई
तु	म			मं	डी		णी		
	ना			श	जू		गी	ता	बा	ली

सूडोकु -2658

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2657 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 2658

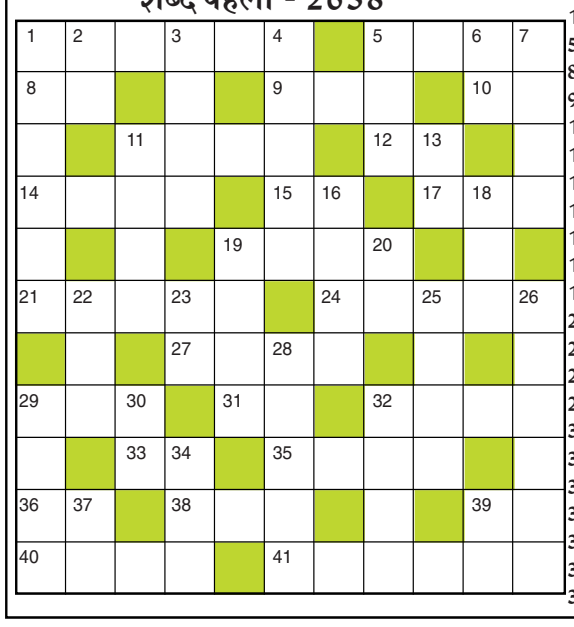

बाएँ से दाएँ

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.दौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टौंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणतः-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली -2657 का हल

	बि	रा	द	री		ज	य	मा	ला	
बि	ल		श		का	य	म		श	व
रा		म	ह	क	ना		ज	रा		नं
द	र	द	रा			सा		ग	रि	मा
र		हो		व	सु	ध	र		या	न
	कु	श	ल		दा		जा	य	ज	
मि	लौ		क	रा	मा	त		म		अ
ला	न	त		त			प	रा	धी	न
व		ल	ता		अ	च	र	ज		ब
ट	ब		ली	न	ता		नं		मी	न
	स	ला	म	त		मि	त्र	व	त	

असम में डीआईजी और एसएसपी में जमकर हुई मारपीट

● सीएम ने पल्ला झाड़ा कहा- ये आपस का मामला है

कोकराझार, एजेंसी। असम के कोकराझार जिले में देर रात आयोजित एक पार्टी के दौरान दो वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के बीच विवाद मारपीट तक पहुंच गया। बताया जा रहा है कि इस घटना में कोकराझार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अक्षत गर्ग घायल हो गए हैं। इस मामले पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे निजी विवाद बताया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह घटना पिछले वीकेंड की है। कोकराझार के सराईखोला स्थित सातवीं असम पुलिस बटालियन परिसर में अक्षत गर्ग ने एक पार्टी का आयोजन किया था। इसी दौरान अक्षत गर्ग और वेस्टर्न रेंज के डीआईजी वाईटी ग्यात्सो के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों अधिकारियों के बीच हाथापाई हो गई, जिसमें एसएसपी अक्षत गर्ग को कई चोटें आईं। हालांकि, असम पुलिस मुख्यालय ने अभी तक इस कथित घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और न ही इस संबंध में कोई बयान जारी किया है। घटना किन परिस्थितियों में हुई और पार्टी में मौजूद अन्य लोगों की क्या भूमिका थी, इसे लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें घटना की जानकारी है, लेकिन यह एक निजी पार्टी में हुआ विवाद था और उस समय दोनों अधिकारी ड्यूटी पर नहीं थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर यह घटना ड्यूटी के दौरान हुई होती तो सरकार हस्तक्षेप करती और जरूरी कदम उठाती, लेकिन निजी मामले में सरकार कुछ नहीं कह सकती।

दलाई लामा को लुटियंस दिल्ली में सरकारी बंगला

● विदेश मंत्रालय के अनुरोध पर किया आवंटन, तिब्बती नेतृत्व ने फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा को राजधानी दिल्ली के लुटियंस क्षेत्र में सरकारी आवास आवंटित किया गया है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय के अनुरोध पर दलाई लामा के कार्यालय 'गादेन फोडरंग ट्रस्ट' को पंडित रविशंकर शुक्ला लेन स्थित टाइप-7 सरकारी बंगला आवंटित किया है। हालांकि, इस संबंध में मंत्रालय की ओर से अभी आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। सूत्रों के मुताबिक, सरकारी आवास का आवंटन आम तौर पर तीन वर्ष के लिए किया जाता है और निर्धारित प्रक्रिया के तहत इसकी अवधि बढ़ाने का प्रावधान भी होता है। इस आवास से दलाई लामा के दिल्ली दौरों के दौरान उनके ठहरने के लिए एक स्थायी व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। निर्वासित तिब्बती संसद के सदस्यों ने केंद्र सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। संसद की स्पीकर डोलमा त्सेरिंग ने इसे अच्छी खबर बताते हुए कहा कि इससे दलाई लामा के लिए राष्ट्रीय राजधानी में आना और यहां ठहरना अधिक सुविधाजनक होगा। निर्वासित तिब्बती संसद की स्थायी समिति के सदस्य चोदक ग्यात्सो ने भी फैसले को सम्मान की बात बताया। उन्होंने कहा कि तिब्बतियों के पास अपना देश नहीं होने के दौर में भारत ने उन्हें शरण दी और धर्मशाला में बसने, स्कूल तथा अन्य संस्थान स्थापित करने में सहयोग किया। उनके मुताबिक, इन संस्थानों ने तिब्बती संस्कृति और पहचान को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।



मणिपुर में केसीपी से जुड़े पांच उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में सुरक्षा बलों ने पिछले दो दिनों में अलग-अलग अभियानों के दौरान प्रतिबंधित संगठन केसीपी (पीडब्ल्यूजी) से जुड़े पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि अभियान के दौरान हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, पुलिस कमांडो और असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने सोमवार को पटसोई थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की।

बीजेपी-अकाली दल गठबंधन को सचिन पायलट ने बताया, हताशा का गठबंधन

-कहा- दोनों दलों के अलग होने के कारण आज तक स्पष्ट नहीं, जनता तय करेगी बेहतर विकल्प

चंडीगढ़ , एजेंसी। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल के फिर साथ आने पर कांग्रेस ने निशाना साधा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पंजाब मामलों के प्रभारी सचिन पायलट ने दोनों दलों के गठबंधन को 'हताशा का गठबंधन' बताया। उन्होंने दावा किया कि पंजाब में दोनों दलों के लिए राजनीतिक जगह नहीं बची है।



भाजपा और अकाली दल ने मंगलवार को गठबंधन की घोषणा की थी। छह साल बाद शिअद की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापसी हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया कि गठबंधन में मुख्यमंत्री पद शिरोमणि अकाली दल के पास रहेगा और वह 'बड़े भाई' की भूमिका में होगा।

पायलट ने कहा कि यह समझौता और हताशा का गठबंधन है, क्योंकि दोनों दलों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि छह साल पहले वे किन कारणों से अलग हुए थे। उन्होंने सवाल किया कि वे कौन से कारण थे, जिनकी वजह से भाजपा और शिअद ने अपना पुराना गठबंधन तोड़ा था।

उन्होंने भाजपा से सवाल करते हुए कहा कि क्या केंद्र सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की कोई गारंटी दी है और क्या तीन कृषि कानूनों को लेकर माफी मांगी गई है। उन्होंने किसान आंदोलन के दौरान दिल्ली की सीमाओं पर जान गंवाने वाले किसानों के प्रति अकाली दल के रुख पर भी सवाल उठाया।

पायलट ने कहा कि दोनों दलों का फिर साथ आना उनकी अपनी पसंद है और जनता ही तय करेगी कि उसके लिए बेहतर विकल्प कौन है। गौरतलब है कि शिअद ने सितंबर 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर भाजपा के साथ अपना 24 साल पुराना गठबंधन तोड़ दिया था। बाद में केंद्र सरकार ने तीनों कृषि कानून वापस ले लिए थे।

सेना पर हमले की थी साजिश में आतंकी वांटेड उजैद गिरफ्तार

● बम वाली जैकेट पहनकर आर्मी का चेकपोस्ट उड़ाने का था प्लान

मेरठ, एजेंसी। यहां एक बड़ी कार्रवाई के तहत जम्मू-कश्मीर से वांटेड संदिग्ध आतंकी उजैद को स्क्वॉट टीम ने गिरफ्तार किया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि पाकिस्तानी हैंडलर के इशारे पर उजैद और उसके साथी किशोरों को आत्मघाती आतंकी (फिदायीन) बनाने का मॉड्यूल चला रहे थे। इनका मकसद जम्मू-कश्मीर में आर्मी कैंपों और आर्मी काफिले पर उरी और पुलवामा जैसे बड़े हमले करना था। एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने बनियापाड़ा, कोतवाली मेरठ निवासी उजैद की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि वह फिदायीन हमलों में इस्तेमाल होने वाली एक्सप्लोसिव जैकेट लेने के लिए गुरैज वैली के रास्ते पाकिस्तान में ट्रेनिंग के लिए जाने वाला था। उजैद उसी आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा था जिसका खुलासा पिछले साल नवंबर में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने किया था। उस दौरान साजिद नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया था, जबकि उजैद पिछले 10 माह से फरार चल रहा था। उजैद और साजिद सहित कुछ युवक सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलर और आईएसआई एजेंट के संपर्क में आए थे। इन्हें किशोरों को आत्मघाती हमलों के लिए तैयार करने और आतंकी मॉड्यूल में शामिल करने का टास्क दिया गया था। पकड़ा गया उजैद पाकिस्तानी आतंकी मौलाना मसूद अजहर, तारिक मसूद और डॉ इशरार का प्रशंसक था और उनके वीडियो देखता था। इन्हीं वीडियो पर कमेंट करने के दौरान वह पाकिस्तानी हैंडलर की नजर में आया। इंस्टाग्राम, सेशन ऐप और सिग्नल ऐप पर 'ट्यूशन-40' और 'ब्रिगेड' नाम से ग्रुप बनाकर उजैद और अन्य को जोड़ा गया था। इन ग्रुपों में पीओके से आतंकी अमीर हमजा, पाकिस्तान के पंजाब से अबू मुसाब और पीओके से फुरकान व कामरान जैसे कई आईएसआई एजेंट जुड़े थे। इन ऐप्स पर बने ग्रुपों में ही हमलों की योजना बनाई गई थी। सेशन ऐप पर बने 'ब्रिगेड' ग्रुप में साजिद ने लिखा था कि वह बम वाली जैकेट पहनकर आर्मी का चेकपोस्ट उड़ा देगा, और 100 प्रतिशत देगा। दूसरे साथी द्वारा जैकेट के बारे में पूछने पर पाकिस्तान से जुड़े हैंडलर ने जवाब दिया था कि वे इसे घर में ही बना लेंगे।

सीजेपी नेता सौरभ दास की विदेश यात्रा पर रोक

● दीपके की फॉड सलाह पर छिड़ा विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। कामैक्ट जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरभ दास को विदेश यात्रा से रोके जाने पर विवाद गहरा गया है। इस घटना के बाद पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने सरकार पर तंज कसते हुए दास को कोई बड़ा फॉड करने की सलाह दे डाली, ताकि उन्हें भी नीरव मोदी और विजय माल्या जैसे भगोड़ों की तरह देश से बाहर जाने दिया जाए। दीपके ने दास के पासपोर्ट पर उठ रहे सवालों को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा है। सौरभ दास ने सोमवार को आरोप लगाया था कि उन्हें ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट यूनियन के बुलावे पर लंदन जाने से रोका गया है। उन्होंने एक वीडियो साझा कर बताया कि उन्हें पैनल चर्चा और लेक्चर के लिए न्योता मिला था, लेकिन सरकार ने उन्हें यात्रा करने से प्रतिबंधित कर दिया। सीजेपी के राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर लिखा, विजय माल्या ने 9 हजार करोड़ रुपये का फॉड किया, नीरव मोदी ने 6 हजार 498 करोड़ रुपये का फॉड किया, और मेहुल चोकसी ने 7 हजार 80 करोड़ रुपये का फॉड किया। इन सभी तीनों को देश छोड़कर भागने दिया गया। सौरभ दास भाई, कोई बड़ा फॉड कर अगर बाहर जाना है तो। उन्होंने इससे पहले भी कहा था कि काश सौरभ ने बैंक लूटा होता या फॉड किया होता, फिर सरकार उसे जरूर लंदन जाने देती। दीपके ने सौरभ दास के पासपोर्ट के मुद्दे पर भी सरकार से सवाल किया। उन्होंने लिखा, सौरभ के पासपोर्ट में गड़बड़ियां? उसका पासपोर्ट तो इसी सरकार ने साल 2019 में जारी किया था। उन्हें 7 साल से कोई गड़बड़ियां नहीं मिली हैं, लेकिन सीजेपी के गठन और सौरभ दास के उसके सबसे बड़े चेहरों में से एक बनने के बाद अचानक मिलने लगीं। उन्होंने यह भी कहा कि दास को हवाई अड्डे पर रोक लिया गया और बताया गया कि वह भारत से बाहर नहीं जा सकता। दीपके ने प्रश्न किया, एक भारतीय विदेश यात्रा क्यों नहीं कर सकता? क्या वह अपराधी है? दास द्वारा की गई सबसे बड़ी गलती यह है कि उसने कोई घोटाला या धोखाधड़ी नहीं की। दास ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम ऑक्सफोर्ड यूनियन में 1 दिसंबर को था, जिसमें उन्हें और सीजेपी की लीगल हेड रत्ना सिंह को आमंत्रित किया गया था। छात्रों ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय और क्वीन मैरी विश्वविद्यालय में भी अन्य कार्यक्रमों की योजना बनाई थी।

पश्चिम बंगाल: तेजी से बढ़ा एनसीपीआई का दबदबा, टीएमसी में फिर टूट

कोलकाता , एजेंसी । पश्चिम बंगाल की राजनीति में इन दिनों एक नया सियासी समीकरण आकार ले रहा है। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कभी मजबूत गढ़ माने जाने वाले ग्रामीण इलाकों में अब नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) तेजी से अपनी पकड़ बना रही है। इस पार्टी में पहले से ही सायोनी घोष, सुदीप बंद्योपाध्याय, शताब्दी रॉय और यूसुफ पठान जैसे चर्चित नेता शामिल हो चुके हैं। तृणमूल के 20 बागी सांसदों के एनसीपीआई में शामिल होने के बाद अब पंचायत स्तर पर भी पार्टी का विस्तार हो रहा है।

उत्तर बंगाल से लेकर दक्षिण बंगाल तक कई पंचायत प्रतिनिधियों के पाला बदलने से ममता बनर्जी के सामने संगठनात्मक चुनौती खड़ी हो गई है। इस घटनाक्रम ने जहां टीएमसी के ग्रामीण आधार पर सवाल खड़े किए हैं, वहीं भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक रणनीति को लेकर भी नई बहस छेड़ दी है।

इस बदलाव की सबसे अहम बात यह है कि एनसीपीआई कोई पुरानी या बंगाल में मजबूत संगठनात्मक आधार वाली पार्टी नहीं है। यह केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा है। इसके बावजूद पंचायतों में लगातार हो रहे दलबदल ने उसे राज्य की राजनीति में चर्चा के केंद्र में ला दिया है। एनसीपीआई का यह उत्थान चौंकाने वाला है, क्योंकि हाल तक पश्चिम बंगाल में इसकी न के बराबर संगठनात्मक उपस्थिति थी। तृणमूल कांग्रेस की विधानसभा चुनाव में हार के बाद मची राजनीतिक उथल-पुथल का यह सबसे बड़ा लाभार्थी बनकर उभरा है। इसने बड़ी संख्या में चुने हुए प्रतिनिधियों को अपनी ओर आकर्षित किया है और कई ग्रामीण निकायों में सत्ता का संतुलन बदल दिया है। ताजा घटनाक्रम में सबसे बड़ा असर उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट संसदीय क्षेत्र में दिखाई दे रहा है।

एनसीपीआई का दावा है कि उसने तृणमूल के कब्जे वाली 13 ग्राम पंचायतों और दो पंचायत समितियों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है। इस इलाके में संदेशखाली और मीनाखान जैसे क्षेत्र शामिल हैं, जहां से कई स्थानीय जनप्रतिनिधि एनसीपीआई में शामिल हुए हैं। मीनाखान पंचायत समिति में 23 सदस्यों में से 13 ने तृणमूल छोड़कर एनसीपीआई का दामन थाम लिया, जिनमें समिति के उपाध्यक्ष भी शामिल हैं। इसी तरह संदेशखाली-द्वद्व पंचायत समिति के 24 सदस्यों में से 17 ने एनसीपीआई का रुख किया है, जबकि संदेशखाली-द्वद्व की नजात-2 ग्राम पंचायत में 26 में से 19 सदस्य पार्टी छोड़कर चले गए हैं। उत्तर दिनाजपुर जिले की गोलपोखर-द्वितीय पंचायत समिति में भी अध्यक्ष समेत 16 सदस्य एनसीपीआई में शामिल हो गए हैं।

एनसीपीआई का यह विस्तार तृणमूल की चुनावी हार और उसके बाद पार्टी के संसदीय खेमे में हुई टूट के बाद हुआ है। तृणमूल कांग्रेस के 27 लोकसभा सदस्यों में से 20 सदस्य अलग होकर



एनसीपीआई में शामिल हो गए थे, साथ ही उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को अपना समर्थन देने की घोषणा की थी। तृणमूल कांग्रेस ने एनसीपीआई को भाजपा के मोहरे के तौर पर काम करने का आरोप लगाया है। टीएमसी विधायक कुणाल घोष ने कहा, भाजपा अपनी बी-टीम और सी-टीम ला रही है। जो लोग दल बदलकर गए हैं, वे भाजपा के एजेंट हैं। वहीं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने भी आरोप लगाया कि एनसीपीआई का सामने आना, बंगाल में भाजपा के विस्तार को आसान बनाने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है।

संविधान दिवस पर लखनऊ में कांग्रेस की रैली आज, खड़गे होंगे शामिल

● प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कार्यक्रम, आराधना मिश्रा बोलीं—संविधान और लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प मजबूत करेंगे

लखनऊ,एजेंसी। संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर को लखनऊ में कांग्रेस की ओर से रैली और कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इसमें शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यक्रम में शामिल होना प्रदेश कांग्रेस के लिए गर्व और उत्साह का विषय है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लखनऊ पहुंच रहे हैं। मिश्रा ने कहा कि राहुल गांधी संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए जो लड़ाई लड़ रहे हैं, उसे कांग्रेस सड़क से लेकर प्रदेश स्तर तक और मजबूत करेगी। इसी संकल्प के साथ 26 नवंबर को रैली आयोजित की जा रही है। उत्तर प्रदेश में सपा के साथ सीट बंटवारे को लेकर पूछे गए सवाल पर मिश्रा ने कहा कि करीब साढ़े तीन घंटे तक बैठक हुई और बातचीत सकारात्मक रही। उन्होंने इसे गठबंधन के लिए अच्छी शुरुआत बताया। मिश्रा ने कहा कि गठबंधन को पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ा जाएगा और सरकार बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

पुलिस बल में महिलाओं की भागीदारी 30 फीसदी तक बढ़ाएगी केरल सरकार

-महिला अधिकारी मादक पदार्थों के खिलाफ अभियानों में कर रही अच्छा प्रदर्शन

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरलम सरकार ने राज्य में अपराध पर लगाम लगाने और जांच प्रक्रिया को तेज करने के लिए पुलिस बल में महिला प्रतिनिधियों की भागीदारी बढ़ाने का बड़ा ऐलान किया है। गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने बताया कि सरकार चरणबद्ध भर्ती के जरिए पुलिस बल में महिलाओं की भागीदारी को 30 फीसदी तक बढ़ाएगी। मंत्रिमंडल के फैसले के तहत, भविष्य में होने वाली भर्तियों में पुरुषों और महिलाओं का अनुपात 7:3 रखा जाएगा। मंत्री ने मलप्पुरम अपराध शाखा इकाई कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर यह बात कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिला अधिकारी अपराध का पता लगाने और मादक पदार्थों के खिलाफ अभियानों में अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। वर्तमान में राज्य भर के 63 थानों में एसएचओ के रूप में कार्यरत हैं। इसके साथ ही अपराध शाखा और सतर्कता शाखाओं की कार्यकुशलता में सुधार के लिए भी बदलाव किए जाएंगे। गृह मंत्री ने बताया कि अपराध शाखा और सतर्कता विभाग में अब नियुक्तियां पूरी तरह योग्यता के आधार पर की जा रही हैं। जांच में रुचि और दक्षता रखने वाले अधिकारियों का चयन विशेष परीक्षा के जरिए किया जाता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक यह परीक्षा पुलिस महानिदेशक और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के परामर्श से तैयार की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन विशेष शाखाओं का उद्देश्य नियमित पुलिस बल में काम के बोझ के कारण दरकिनार कर दिए गए अधिकारियों को जगह देना नहीं है।

वर्तमान में राज्य में अपराध शाखा फिलहाल 2,763 अहम मामलों की जांच कर रही है, जिनमें 321 मामले अकेले 2026 में दर्ज किए गए हैं। विभाग की प्राथमिकता निर्धारित समयसीमा के भीतर जांच पूरी करना है। गृह मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य में मादक पदार्थों के प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए



शुरू किया गया 'ऑपरेशन तूफान' काफी सफल रहा है और इसके लागू होने के बाद आपराधिक मामलों में 35 फीसदी की कमी आई है। यह कदम राज्य में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अहम पहल मानी जा रही है।

अब भारत को न्योता देगा पाकिस्तान, एससीओ बैठक में शरीक होंगे जयशंकर?

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्तों में आई तल्खी के बावजूद, दोनों देश एक बार फिर बहुपक्षीय मंच पर संपर्क साधने की तैयारी में हैं। पाकिस्तान शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के तहत अगले साल की शुरुआत में होने वाली संस्कृति मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए भारत को आमंत्रित करने की तैयारी कर रहा है।

यह बैठक पाकिस्तान की अध्यक्षता में आयोजित होगी। भारत इस न्योते पर क्या रुख अपनाएगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। भारत ने हाल ही में नई दिल्ली में एससीओ की पहली सभ्यतागत संवाद बैठक में पाकिस्तान को न्योता दिया था, जिसमें पाकिस्तानी मंत्री मुसादिक मलिक भी शामिल हुए थे। अब पाकिस्तान की ओर से भारत को निमंत्रण भेजा जा रहा है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत इस बैठक में किस स्तर पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद से किसी भी भारतीय मंत्री ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। हालांकि, विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव आलोक डिमरी ने सितंबर 2025 में



एससीओ के राष्ट्रीय समन्वयकों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान का दौरा किया था।

संस्कृति मंत्रियों की बैठक को राजनीतिक स्तर पर कम संवेदनशील माना जा रहा है, क्योंकि इसमें प्रतिबद्धताएं सीमित होंगी, जबकि विदेश या रक्षा मंत्रियों की बैठकें अधिक राजनीतिक प्रतिक्रिया पैदा कर सकती हैं। संस्कृति मंत्रियों की बैठक के बाद, पाकिस्तान एससीओ के विदेश और रक्षा मंत्रियों की उच्चस्तरीय बैठकों के साथ-साथ अगस्त 2026 में राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन की भी मेजबानी करेगा। इस शिखर सम्मेलन में आमतौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होते हैं, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में उनका इस्लामाबाद जाना बेहद मुश्किल नजर आता है।

ऐसे में, विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। उन्होंने 2025 में कजाकिस्तान में आयोजित एससीओ शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री की जगह भारत का प्रतिनिधित्व किया था, और अक्टूबर 2024 में भी वे एससीओ की विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए पाकिस्तान गए थे (पहलगाम हमले से पहले)। इससे भारत की संगठन के प्रति प्रतिबद्धता भी बनी रहेगी और पाकिस्तान को लेकर उसकी मौजूदा नीति में किसी नरमी का संदेश भी नहीं जाएगा। भारत लगातार यह स्पष्ट करता रहा है कि एससीओ जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को भारत- पाकिस्तान के द्विपक्षीय रिश्तों में सुधार के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। नई दिल्ली में मुसादिक मलिक की मेजबानी के बाद भारत ने साफ किया था कि सिंधु जल संधि पर उसका रुख नहीं बदला है। भारत का जोर सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर ठोस प्रगति पर है और वह ऐसी किसी भी स्थिति से बचना चाहता है, जिससे दोनों देशों के रिश्तों के सामान्य होने का संदेश जाए। पाकिस्तान के साथ संबंधों में नरमी की गुंजाइश तभी बन सकती है, जब सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान के रुख में बुनियादी बदलाव दिखाई दे।

पंजाब में शुक्रवार को ब्लैकआउट, रात 8 बजे बजेगा खतरे का सायरन

● राज्य के सभी जिलों में एयर रेड और ब्लैकआउट मॉक ड्रिल

चंडीगढ़, एजेंसी । पंजाब में नागरिक सुरक्षा की तैयारियों को परखने के लिए 27 नवंबर को रात आठ बजे राज्य के सभी जिलों में एयर रेड और ब्लैकआउट मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशों के तहत होने वाले इस अभ्यास का उद्देश्य आपात स्थिति में प्रशासन और नागरिक सुरक्षा तंत्र की तैयारियों को परखना है। अभ्यास की शुरुआत एयर रेड चेतावनी सायरन से होगी। दो मिनट तक ऊंची और धीमी आवाज वाला सायरन बजाया जाएगा। इसके बाद संबंधित जिलों के उपायुक्त और नागरिक सुरक्षा नियंत्रक चिन्हित क्षेत्रों में सांकेतिक ब्लैकआउट लागू करेंगे। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से गैर-जरूरी रोशनी बंद रखने को कहा गया है। प्रशासन के अनुसार अस्पताल, फायर ब्रिगेड और अन्य आवश्यक सेवाएं सामान्य रूप से संचालित होती रहेंगी।

यूपी की 11 सीटों को लेकर सपा-कांग्रेस में घमासान

ये वो सीटें हैं जहां सपा खुद को कमजोर मानती है

लखनऊ, एजेंसी । समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच उत्तर प्रदेश में आगामी चुनावों के लिए सीट बंटवारे को लेकर गतिरोध गहरा गया है। सपा ने कांग्रेस को 26 सीटों का प्रस्ताव दिया है, जिसमें 11 सीटें पश्चिमी उत्तर प्रदेश की हैं, जहां सपा संगठनात्मक रूप से खुद को अपेक्षाकृत कमजोर मानती है। इस प्रस्ताव पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है, खासकर अमेठी और रायबरेली जैसी पारंपरिक सीटों पर कम हिस्सेदारी को लेकर। सपा के प्रस्ताव में शामिल 20 अतिरिक्त सीटों के क्षेत्रीय बंटवारे पर गौर करें तो, इनमें सबसे अधिक 11 सीटें पश्चिमी उत्तर प्रदेश की हैं। सपा का मानना है कि इन सीटों पर वह अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति में है। ये सभी सीटें 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जीती थीं। इनमें से सात सीटों पर तब राष्ट्रीय लोकदल (रालोद), जो उस समय सपा गठबंधन का हिस्सा था, दूसरे स्थान पर रही थी। दो सीटों पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) दूसरे स्थान पर रही, जबकि दो सीटों पर समाजवादी पार्टी खुद दूसरे स्थान पर रही थी। मध्य यूपी की दो प्रस्तावित सीटों में से बिलग्राम-मल्लावां में सपा दूसरे स्थान पर थी, जबकि गोविंद नगर सीट पर उसे 80,896 वोटों के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। पूर्वी यूपी की सातों प्रस्तावित सीटों पर भी 2022 में सपा दूसरे स्थान पर रही थी, हालांकि सभी पर एनडीए के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की थी। इनमें छह सीटें भाजपा ने और एक सीट नानपारा अपना दल (सोनेलाल) ने जीती थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गोरखपुर शहर सीट भी इस सूची में शामिल है। सपा के 26 सीटों के प्रस्ताव से कांग्रेस नेताओं में भारी नाराजगी है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने इस प्रस्ताव पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सवाल उठाया कि अमेठी और रायबरेली जैसी पारंपरिक सीटों पर पार्टी को केवल एक सीट की पेशकश कैसे की जा सकती है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि उत्तर प्रदेश की कुल 403 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस को केवल 26 सीटों की सूची कैसे दी जा सकती है। कांग्रेस ने संकेत दिया है कि वह इस प्रस्ताव पर जल्द ही अपनी औपचारिक प्रतिक्रिया देगी। सूत्रों के अनुसार, मंगलवार को हुई एक बैठक में दोनों दलों के नेताओं के बीच तीखी बहस भी हुई। सीटों के बंटवारे पर बातचीत फिलहाल जारी है। कांग्रेस ने पहले 131 सीटों की मांग रखी थी, जिसे घटाकर 120 कर दिया है, जबकि सपा का प्रस्ताव 26 सीटों पर ही अटका है। ऐसे में दोनों दलों के बीच सीटों को लेकर सहमति बनना अभी भी दूर की कौड़ी लग रही है।

रोमांचक मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी और नेपोली के बीच मैच ड्रॉ



मैनचेस्टर । मैनचेस्टर सिटी को एतिहाद स्टेडियम में यूईएफए चैंपियंस लीग के मुकाबले में नेपोली के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलना पड़ा। रेयान चेर्की के 86वें मिनट में किए गए गोल से सिटी घर में हार से बच सकी। सिटी इस मैच में दो बार पिछड़ी, लेकिन दोनों बार वापसी करते हुए एक अंक हासिल किया। इस ड्रॉ से सिटी की हालिया खराब फॉर्म को लेकर चिंता कम नहीं हुई है। टीम ने सभी प्रतियोगिताओं में अपने पिछले सात मैचों में सिर्फ एक जीत हासिल की है। मेजबान टीम ने अटैकिंग अंदाज में शुरुआत की। इलियट एंडरसन ने शुरुआती दो मिनट में ही नेपोली के गोलकीपर वांजा मिलिंकोविक-सैविक को परखा। इसके बाद निकोओ 'रेली का हेडर क्रॉसबार के ऊपर चला गया। शुरुआती दबाव के बाद नेपोली ने धीरे-धीरे मैच में पकड़ बनाई। सिटी के पूर्व मिडफील्डर केविन डी ब्रुइन ने मेहमान टीम के अटैक को संभाला। हाफटाइम से ठीक पहले सैम बेउकेमा के हेडर को जियानलुइगी डोनारुम्मा ने शानदार सेव कर बचा लिया। 55वें मिनट में नेपोली ने बढ़त बना ली। रैसमस होजलुंड ने मार्क गुएही को पीछे छोड़ते हुए दमदार लो शॉट से डोनारुम्मा को छकाया। सिटी के कोच ने जेरेमी डोकू को मैदान में उतारा और इसका फौरन फायदा मिला। डोकू के बनाए मौके पर अय्यूब बौआदी ने 66वें मिनट में सिटी के लिए अपना पहला गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि, 10 मिनट बाद ही नेपोली ने फिर बढ़त ले ली। लियोनार्डो स्पिनाजोला के क्रॉस पर नोआ लैंग ने शानदार वॉली मारी, जिस पर डोनारुम्मा के पास कोई मौका नहीं था। 79वें मिनट में जोस्को ग्वार्डिओल का शॉट वुडवर्क से टकरा गया, लेकिन आखिरकार 86वें मिनट में चेर्की ने शानदार फिनिश करते हुए सिटी को 2-2 की बराबरी दिला दी। देर से मिले गोल ने सिटी को घर में हार से तो बचा लिया, लेकिन शुरुआती दबदबे को जीत में न बदल पाना उनकी लगातार जारी मुश्किलों को दिखाता है।

सुपर 90: चौथा सीजन अगले माह, 12 दिनों तक रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे

नैरोबी । पूर्व इंटरनेशनल स्टार क्रिस गेल, शाकिब अल हसन, जेसन रॉय, एलेक्स हेल्स, तिलकरत्ने दिलशान, शॉन मार्श, फैबियन एलन और कार्लोस ब्रैथवेट 3 दिसंबर को केन्या के नैरोबी में शुरू होने वाले सुपर 90 सीजन 4 में मुख्य आकर्षण होंगे। टूर्नामेंट के चौथे एडिशन में कई जाने-माने इंटरनेशनल क्रिकेटरों वाली सात फ्रेंचाइजी एक साथ आएंगी, जिससे 12 दिनों तक रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे। इस कॉम्पिटिशन में 22 मैच होंगे। फाइनल 14 दिसंबर को होगा। वेस्टइंडीज के क्रिस गेल पंजाब टाइटन्स के लिए आकर्षण का केंद्र होंगे, जबकि बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन लंदन जायंट्स के लिए खेलेंगे। इंग्लैंड के जेसन रॉय और एलेक्स हेल्स क्रमशः मेरू थंडर्स और नैरोबी लायंस की तरफ से खेलेंगे। श्रीलंका के पूर्व कप्तान तिलकरत्ने दिलशान भी ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर शॉन मार्श के साथ टूर्नामेंट में अपना अनुभव लेकर आएंगे। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर फैबियन एलन और कार्लोस ब्रैथवेट इंटरनेशनल लाइनअप को और मजबूत करेंगे। टूर्नामेंट में कई और जाने-माने इंटरनेशनल नाम भी होंगे, जिनमें एविन लुईस, क्रिस लिन, इमाद वसीम, महमूदुल्लाह, वेन पार्नेल, रवि बोपारा, अंबाती रायुडू, मिशेल जॉनसन और समित पटेल शामिल हैं, जो हिस्सा लेने वाली टीमों में और गहराई और अनुभव जोड़ेंगे। शुरुआती मैच में पंजाब टाइटन्स का मुकाबला 3 दिसंबर को नैरोबी जिमखाना क्रिकेट क्लब में दिल्ली रॉयल्स से होगा। नैरोबी लायंस का मुकाबला 4 दिसंबर को लंदन जायंट्स से होगा, जबकि दिल्ली रॉयल्स उसी दिन बाद में हरियाणा वॉरियर्स के खिलाफ मैदान में उतरेगी।लंदन जायंट्स का मुकाबला 5 दिसंबर को एल्डोरेट टाइगर्स से होगा, जबकि मेरू थंडर्स उसी दिन पंजाब टाइटन्स के खिलाफ अपने कैंपेन की शुरुआत करेगी।

हेनरी बोले- डफी की स्किल पर कोई सवाल नहीं

नई दिल्ली । भारत के साथ वेलिंगटन में खेले गए पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी पूरी तरह प्रभावहीन रहे थे। डफी ने 33 ओवर में 201 रन लुटाकर महज 1 विकेट लिया था। इस प्रदर्शन के बाद आलोचना का शिकार हुए डफी को टीम के सीनियर तेज गेंदबाज मैट हेनरी का समर्थन मिला है। मैट हेनरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'जैकब डफी एक 'क्लासी बॉलर' हैं। उन्होंने इतने सालों में दिखाया है कि वह पूरी तरह से टीम के बारे में सोचते हैं। जब हम सुझाव देते हैं कि शायद हम यहां एक प्लान बनाएं, तो वह अपने निजी आंकड़ों के बारे में चिंतित नहीं होते।' हेनरी ने कहा, 'डफी की स्किल पर कोई सवाल नहीं है। हमारे लिए, ऐसे पल थे जब हमें किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत थी जो एक अलग प्लान आजमा सके, और वह ऐसा करने के लिए तैयार था। मुझे लगता है कि शायद यही टीम की क्वालिटी है। यह नतीजे की चिंता नहीं है, बल्कि यह है कि आप गेम पर कैसे असर डालने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे लगता है कि पिछले कुछ सालों में यह दिखा है, उसके ऐसे माइंडसेट की वजह से उसके असर मैच जिताने वाले रहे हैं। इसलिए हम उसे लेकर ज्यादा परेशान नहीं हैं।'



उन्होंने कहा कि बेसिन रिजर्व पर गेंद बहुत कम स्लिप तक जा पाती थी। इस वजह से डफी को आंकड़ों की परवाह किए बिना बाउंसर फेंकने के लिए कहा गया था और उन्होंने यही किया। जैकब डफी का नाम न्यूजीलैंड के लिए तीनों फॉर्मेट के बेहतरीन गेंदबाजों के तौर पर लिया जाता है। दाएं हाथ का मध्यम गति का यह तेज गेंदबाज 5 टेस्ट में 26, 27 वनडे में 49 और 52 टी20 में 67 विकेट ले चुका है। न्यूजीलैंड को क्राइस्टचर्च में भारत के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट में डफी से वेलिंगटन वाले प्रदर्शन को भुलाकर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

वैभव सूर्यवंशी के तूफानी दोहरे शतक की दुनियाभर में चर्चा, हिल गई रिकार्ड बुक

नई दिल्ली । 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के तूफानी 'दोहरे शतक' की मदद से भारत-ए ने मंगलवार को यूएई के खिलाफ 7 विकेट से दमदार जीत दर्ज की। इस दौरान वैभव ने लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक, सबसे तेज 150 रन और सबसे तेज दोहरे शतक के साथ सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की टीम ने हरप्रीत सिंह भाटिया (130) की शतकीय पारी की मदद से 8 विकेट खोकर 249 रन बनाए थे। इस पारी में अरशद खान ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए। इसके बाद वैभव ने तूफानी पारी खेलकर भारतीय टीम को महज 14.2 ओवरों में जीत दिला दी। यूएई के खिलाफ महज 28 गेंदों में शतक जड़कर वैभव सूर्यवंशी लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। मंगलवार को यूनिवर्सिटी ऑफ दोहा फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में वैभव ने 53 गेंदों में 7 चौकों और 28 छक्कों के साथ 204 रन कूटे। इसी के साथ वैभव ने साउथ अफ्रीका के जेक फ्रेजर-मैकगर्क का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने साल 2023 में तस्मानिया के खिलाफ 29 गेंदों में शतक पूरा किया था। इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर साउथ अफ्रीका के दिग्गज एबी डिविलियर्स हैं, जिन्होंने साल 2015 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध 31 गेंदों में यह कारनामा किया था। बिहार की तरफ से खेलते हुए सकीबुल गनी ने साल 2025 में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 32 गेंदों में शतक पूरा किया था।

यह मुकाबला विजय हजारे ट्रॉफी में खेला गया था। वहीं, ईशान किशन इस लिस्ट में पांचवें पायदान पर हैं, जिन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी 2025 में झारखंड के कप्तान के तौर पर महज 33 गेंदों में कर्नाटक के विरुद्ध शतक पूरा किया था।



यूएई के खिलाफ मुकाबले के दौरान वैभव ने सातवें ओवर की सभी गेंदों पर बाउंड्री लगाई। इस दौरान 6, 4, 4, 6, 6, 4 के साथ कुल 30 रन कूट दिए।इसके बाद वैभव ने महज 40 गेंदों में सबसे तेज 150 रनों का आंकड़ा छुआ। लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज 150 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में वैभव ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले, उन्होंने साल 2025 में बिहार की तरफ से खेलते हुए अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 59 गेंदों में यह कारनामा किया था। इस लिस्ट में एबी डिविलियर्स तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने 64 गेंदों (साउथ अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज, 2015) में ऐसा किया था।

वैभव की रिकार्ड पारी में युवराज की बड़ी भूमिका

नई दिल्ली । एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट के दौरान मंगलवार को इंडिया ए की तरफ से खेलते हुए सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने ऐतिहासिक पारी खेली। यूएई ए के खिलाफ वैभव ने मात्र 53 गेंदों पर 28 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 204 रन की पारी खेली। इस दौरान वैभव ने 28 गेंदों पर शतक और 52 गेंदों पर दोहरा शतक लगाया। वैभव द्वारा लगाया गया लिस्ट ए इतिहास का यह सबसे तेज शतक और दोहरा शतक है। वैभव ने इस ऐतिहासिक पारी को खेलने के बाद बीसीसीआई टीवी से बात करते हुए कहा कि पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह से हुई आधे घंटे की बातचीत ने यूएई के खिलाफ मैच से पहले उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। सूर्यवंशी ने कहा, 'मैंने कल सिर्फ चार लोगों से बात की। इसमें मेरे पिता, मेरे बचपन के कोच मनीष ओझा, मेरे अंडर-19 के दोस्त प्रथम जाचक और युवराज सिंह थे। युवराज सिंह से मैंने लगभग आधे घंटे तक बात की। उन्होंने मुझे मेरी बैटिंग के बारे में काफी कुछ समझाया। मैं काफी परेशान था।' उन्होंने कहा, 'मैं जब बैटिंग करने जाता था, तो मुझे जो दिक्कतें आ रही थीं, उनके बारे में मैंने उनसे खुलकर बात की। उन्होंने मुझे सब कुछ बहुत अच्छे से समझाया। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मैं 20 बॉल खेलता, तो स्कोर अलग होता। उन्होंने मुझे कुछ तकनीकी बातें भी समझाईं, जिससे मुझे बहुत मदद मिली।'

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग...ब्रुक और रूट की बादशाहत बरकरार



भारतीय कप्तान शुभमन गिल और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को बड़ा फायदा

नई दिल्ली । आईसीसी ने टेस्ट बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग बुधवार को जारी की। बल्लेबाजों की रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा, भारतीय कप्तान शुभमन गिल और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को बड़ा फायदा हुआ है। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रूक पहले, इंग्लैंड के कप्तान जो रूट दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को एक स्थान का घाटा हुआ है। हेड चौथे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ पांचवें स्थान पर हैं। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत एक स्थान की छलांग के साथ छठे और भारतीय कप्तान शुभमन गिल तीन स्थान की छलांग के साथ सातवें स्थान पर हैं।

न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र को 2 स्थान का नुकसान हुआ है। वह आठवें स्थान पर हैं। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 5 स्थान की छलांग के साथ नौवें और अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह 2 स्थान के नुकसान के साथ दसवें स्थान पर हैं।



दक्षिण अफ्रीका के रयान रिकेल्टन 10 स्थान की छलांग के साथ 16वें और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स 13 स्थान की छलांग लगाते हुए 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।शीर्ष 10 गेंदबाजों की रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पहले स्थान पर, भारत के जसप्रीत बुमराह तीन स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरे, इंग्लैंड के ओली रॉबिनसन दो स्थान की छलांग लगाते हुए तीसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन और न्यूजीलैंड के मैट हेनरी को दो-दो स्थान का नुकसान हुआ है। दोनों क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा दो स्थान की छलांग लगाते हुए छठे, दक्षिण अफ्रीका के सिमरोन हार्मर सातवें, ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड दो स्थान के नुकसान के साथ आठवें, ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस नौवें और ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड दसवें स्थान पर हैं।

वॉर्नर ने भी कराया रजिस्ट्रेशन

आईपीएल: नीलामी में दिखेगा 'जूनियर सहवाग' का जलवा!

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक बड़ी और रोमांचक खबर सामने आई है। इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन यानी 2027 में एक बार फिर 'सहवाग' सरनेम की गूंज सुनाई दे सकती है। पूर्व भारतीय दिग्गज बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने आखिरी बार साल 2015 में पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल खेला था। अब करीब 12 साल बाद उनके बेटे आर्यवीर सहवाग ने आईपीएल 2027 प्लेयर ऑक्शन की सूची में अपना नाम रजिस्टर कराकर फैंस की उम्मीदें जगा दी हैं। हालांकि, इस लिस्ट में एक चौंकाने वाला नाम गायब है। पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने इस साल नीलामी में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है।

गोवा में सजेगा बाजार, दांव पर होंगे 296 करोड़ रुपये

आईपीएल 2027 का प्लेयर ऑक्शन आगामी 16 दिसंबर को गोवा में आयोजित किया जाएगा। नीलामी के लिए कुल 1220 खिलाड़ियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, इस सूची में 939 भारतीय और 17 देशों के 281 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं, फ्रेंचाइजी के पास खर्च करने के लिए करीब 296 करोड़ रुपये का पर्स उपलब्ध होगा। युवा प्रतिभाओं के साथ-साथ दुनिया भर के कई दिग्गज क्रिकेटरों ने भी इस नीलामी के लिए अपना नाम भेजा है। हालांकि, रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के बाद अब 1220 खिलाड़ियों में से गिने चुने या यूं कहें 300 से 500 खिलाड़ी शॉर्टलिस्ट किए जाएंगे, जो 16 दिसंबर को होने वाले ऑक्शन में उतरेंगे।



अंडर-19 एशिया कप में शानदार प्रदर्शन का मिला इनाम

आर्यवीर सहवाग ने अपने करियर में पहली बार आईपीएल ऑक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। हाल ही में संपन्न हुए अंडर-19 एशिया कप 2026 में उनके धमाकेदार प्रदर्शन ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया था। दोहा में खेले गए रोमांचक फाइनल में भारत की अंडर-19 टीम ने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर खिताब जीता था। इस पूरे टूर्नामेंट में शानदार बल्लेबाजी के लिए आर्यवीर को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया था।

बेन स्टोक्स और डेविड वॉर्नर की 2 करोड़ के ब्रैकेट में वापसी

अंतरराष्ट्रीय सितारों की बात करें तो इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर बेन स्टोक्स और ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने 2 करोड़ रुपये के उच्चतम बेस प्राइस में खुद को रजिस्टर किया है। 35 वर्षीय स्टोक्स ने इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और वह आखिरी बार 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स (ष्ट्रस्थ) के लिए आईपीएल खेले थे। अब तक के अपने आईपीएल करियर में स्टोक्स ने राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स, राजस्थान रॉयल्स और सीएसके के लिए 45 मैचों में 935 रन बनाए हैं और 28 विकेट झटके हैं। भारतीय खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज आवेश खान और दीपक चाहर ने भी खुद को दो करोड़ के शीर्ष ब्रैकेट में रखा है।

ईशांत शर्मा और नीतीश राणा भी अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची मेंनीलामी के लिए जारी अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची में भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा और बल्लेबाज नीतीश राणा के नाम भी शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि दोनों भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं और आईपीएल में 100 से ज्यादा मैचों का अनुभव रखते हैं। आईपीएल के नियमों के मुताबिक, अगर किसी भारतीय खिलाड़ी ने पिछले पांच साल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है तो उसे नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी की श्रेणी में रखा जाता है।इसी नियम के कारण ईशांत और नीतीश को अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची में जगह मिली है। दोनों खिलाड़ियों का बेस प्राइस 50 लाख रुपये रखा गया है। इनके अलावा भारत के मनदीप सिंह, मयंक मार्कंडेय, नवदीप सैनी और चेतन सकारिया भी अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं।

बोलैंड-रिचर्डसन ने कराया रजिस्ट्रेशन

आईपीएल 2027 की नीलामी में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड और झाय रिचर्डसन ने भी अपना नाम दर्ज कराया है, हालांकि दोनों की उपलब्धता सीमित रहने वाली है। बोलैंड ने 2016 में आईपीएल के सिर्फ दो मैच खेले थे। उनका बेस प्राइस एक करोड़ रुपये है, लेकिन माना जा रहा है कि वह इस सीजन में उपलब्ध नहीं रहेंगे। वहीं, रिचर्डसन को पंजाब किंग्स ने 2021 सीजन से पहले 14 करोड़ रुपये में खरीदा था। उन्होंने अधिकतम दो करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। हालांकि, वह पूरे सीजन के बजाय सिर्फ आधे टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध रहेंगे। रिचर्डसन ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों प्रारूपों में खेल चुके हैं। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज बेवॉन-जॉन जैकब्स ने भी नीलामी के लिए अपना नाम दिया है, लेकिन वह टूर्नामेंट के सिर्फ 10 प्रतिशत हिस्से के लिए उपलब्ध रहेंगे। वहीं, इंग्लैंड के सैम बिलिंग्स 80 प्रतिशत लीग के लिए उपलब्ध हो सकेंगे। वहीं, मिचेल स्टार्क ने आईपीएल 2027 के लिए अपना नाम उपलब्ध नहीं कराया है। ऑस्ट्रेलिया के ही ट्रेविस हेड भी इस सीजन की नीलामी के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

अन्य युवा सितारे भी ऑक्शन के मैदान में

आर्यवीर अकेले अंडर-19 स्टार नहीं हैं जो इस नीलामी का हिस्सा बनने जा रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल जीत के हीरो रहे मोहित उल्वा ने भी ऑक्शन के लिए अपना नाम दिया है। इसके अलावा अंडर-19 टीम के अन्य प्रमुख खिलाड़ी काव्य पटेल और मनल चौहान भी नीलामी में उतरेंगे। इन सभी युवा भारतीय खिलाड़ियों का बेस प्राइस 30 लाख रुपये रखा गया है। दूसरी तरफ, अंडर-19 टीम के कप्तान लक्ष्य रायचंदानी और अन्वय द्रविड़ ने खुद को इस ऑक्शन से अलग रखा है।

शतरंज विश्व चैंपियनशिप



समय के दबाव में भी डटे रहे गुकेश, सिंदारोव के साथ पहला मैच ड्रॉ, 38 चालों तक चली जंग

जिनेवा। विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2026 की शुरुआत भारतीय ग्रैंडमास्टर और मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने ड्रॉ के साथ की। चैंपियनशिप के पहले मुकाबले में उन्होंने उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव को बराबरी पर रोक दिया। सफेद मोहरों से खेल रहे सिंदारोव के खिलाफ गुकेश ने काले मोहरों से मुकाबला किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह मुकाबला 38 चालों तक चला और तीन बार एक जैसी स्थिति बनने के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

मुकाबले में गुकेश ने रुई लोपेज-बर्लिन डिफेंस का सहारा लिया। सिंदारोव इस ओपनिंग के लिए अच्छी तैयारी के साथ उतरे थे। उन्होंने तेजी से चालें चलीं और बर्लिन डिफेंस की एक अलग रणनीति अपनाई। उनकी तैयारी साल 2020 में ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना और वेस्ली सो के बीच खेले गए मुकाबले पर आधारित थी, जिसमें कारुआना ने सफेद मोहरों से जीत हासिल की थी।

हालांकि, गुकेश ने अपनी चालों से मुकाबले को संतुलित बनाए रखने की कोशिश की। सिंदारोव की 13वीं चाल एनई4 के जवाब में गुकेश ने बीडी7 खेला। इसके बाद सिंदारोव ने 14वीं चाल में सी4 खेली, जिस पर गुकेश ने ए5 से जवाब दिया। मुकाबले के दौरान गुकेश को समय के दबाव का सामना करना पड़ा। 17वीं चाल पर सिंदारोव के बी3 खेलने के बाद गुकेश ने बीबी4 की चाल चली। इस चाल से उन्होंने डी2 पर मौजूद सफेद खिलाड़ी के रूक को निशाना बनाया। इस चाल को चलने में गुकेश ने करीब 36 मिनट लगाए।

इसके बाद 22वीं चाल पर सिंदारोव ने 20 मिनट सोचने के बाद एनई1 खेला। दोनों खिलाड़ियों के बीच इसके बाद कई मोहरों की अदला-बदली हुई। आखिरकार मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस दौरान सिंदारोव को गलत तरीके से ड्रॉ का दावा करने के कारण घड़ी पर समय का जुर्माना भी झेलना पड़ा।

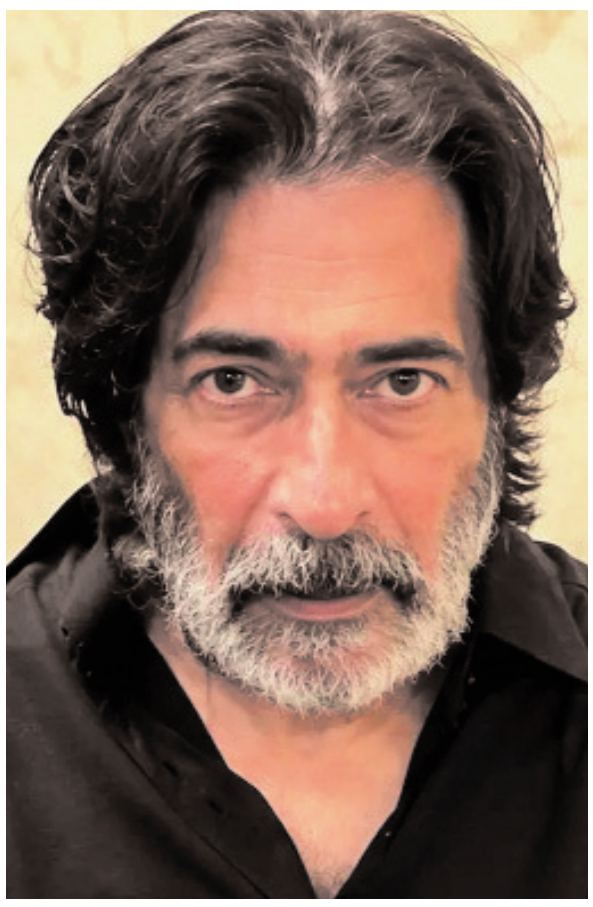

अहमद खान की फिल्म से करूंगा कमबैक, शाहरुख ने भी बढ़ाया मदद का हाथ

बदहाल हालत में चर्चा में आना भले ही अच्छी बात न हो, लेकिन अभिनेता शरद कपूर के लिए हालिया सुर्खियां उम्मीद की नई किरण लेकर आई हैं। अपने डॉग्स के रेस्क्यू की अपील को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हुए 'जोश' फेम शरद की मदद के लिए अब कई हाथ आगे आए हैं। उनकी सेहत, आर्थिक स्थिति और काम दिलाने को लेकर लोग पहल कर रहे हैं। हम जब खार स्थित उनके निवास स्थान पर पहुंचे, तो घर की तरह शरद की हालत भी खस्ता नजर आई, लेकिन उनसे मिलकर अच्छा लगा। 'स्वाभिमान', 'दस्तक', 'तमन्ना', 'जोश', 'खौफ', 'लक्ष्य' और 'नो मीन्स नो' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके शरद से बातचीत में एक बात साफ महसूस हुई कि जिंदगी और करियर के मुश्किल दौर ने उनके भीतर की सकारात्मकता को कम नहीं किया है। तमाम परेशानियों के बावजूद उन्होंने अपनी मुस्कान और जीने का जज्बा बरकरार रखा है। मिठाई ऑफर करते हुए शरद ने बातचीत की शुरुआत में ही अपनापन बना लिया। मुस्कुराते हुए बोले, 'मैं मीठे का बहुत शौकीन हूं। थोड़ा टेंशन हो तो बॉडी में शुगर डाल दो, एनर्जी आ जाएगी। मेरे लिए मीठा एनर्जी का बड़ा सोर्स है। हमने उनसे पूछा कि वॉकर के सहारे चलते और बदहाल आर्थिक स्थिति में देखकर लोग उनकी सेहत को लेकर चिंतित हो गए थे। फिर डॉग्स के रेस्क्यू की उनकी गुहार वायरल हुई, तो सोशल मीडिया पर जैसे भूचाल आ गया। इस पर शरद ने कहा, 'लोगों का मेरे प्रति बहुत प्यार है। मीडिया ने भी मुझे काफी सपोर्ट किया। दरअसल, मेरे डॉग्स चले गए थे और मेरा पैर भी चोटिल हो गया था। इसके बाद मैं बहुत उदास हो गया था। बट, अब कमबैक कर रहा हूं। मैंने दो-तीन फिल्में साइन की हैं। अभी शुरुआती दौर है, इसलिए उनके बारे में बाद में अनाउंसमेंट करूंगा। फिलहाल अहमद खान की फिल्म से कमबैक करने जा रहा हूं, जिसमें मेरा नेगेटिव रोल होगा। भविष्य में जो भी किरदार मुझे अपील करेगा, मैं जरूर करूंगा। अब मैं काफी हद तक ठीक हूं। मुझे आर्थिक मदद की जरूरत है और कई लोग मदद के लिए आगे भी आए हैं। मैं उन सभी का स्वागत करता हूं।'

हाल ही में सोनू सूद मददगार बनकर शरद से मिलने पहुंचे थे। उन्होंने उनके पैर की चोट के इलाज के लिए डॉक्टरों की टीम और मेडिकल सुविधाओं का इंतजाम कराया। सोनू के प्रति आभार जताते हुए शरद कहते हैं, 'मैं सोनू सूद भाई का दिल से आभारी हूं। अपनी हेल्थ केयर के लिए कर्जत जा रहा हूं। वहां सोनू भाई के दोस्त का हेल्थ केयर सेंटर है। उन्होंने ही मेरे इलाज का सारा इंतजाम करवाया है। वे बेहद दयालु इंसान हैं। मैं वहां भर्ती हो जाऊंगा और पूरी तरह फिट होकर जल्द लौटूंगा।'

थोड़ा हिल गया था, काम करने का मन नहीं करता था

'स्वाभिमान' जैसे सीरियल से करियर शुरू करने वाले शरद कपूर को इंडस्ट्री में करीब 30 साल हो चुके हैं। साल 2022 में उनकी फिल्म 'नो मीन्स नो' रिलीज हुई थी। हमने उनसे जानना चाहा कि उनके जीवन और करियर में मुश्किल दौर कब से शुरू हुआ। इस पर वे कहते हैं, 'दरअसल, मैं निजी जिंदगी में थोड़ा डिस्टर्ब था, इसलिए काम करने का मन नहीं करता था। उसी वजह से थोड़ा हिल गया था, लेकिन अब भगवान ने सब ठीक कर दिया है। मुझे अहसास हुआ कि काम ही सबकुछ है। ऐसा नहीं था कि मैं डिप्रेशन में था, लेकिन कई बार जिंदगी में एक ऐसा फेज आता है, जब कुछ करने का मन नहीं करता। मैं 30 साल से लगातार काम करता आया हूं। ऐसा भी नहीं था कि मुझे काम मिलना बंद हो गया था। इंडस्ट्री के लोगों ने हमेशा मुझे सपोर्ट किया है।'

आर्यन से मिलने वाला हूं, शाहरुख ने भी बढ़ाया मदद का हाथ

सोनू सूद और सलमान खान के अलावा अब इंडस्ट्री के दूसरे लोग भी शरद की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। वहीं, बेजुबान ट्रस्ट की अध्यक्ष हेमा चौधरी, जिनकी पहल से शरद का मामला चर्चा में आया, लगातार उनकी लीगल गार्जियन बनी हुई हैं। हमने जब शरद से पूछा कि क्या उनकी फिल्म 'जोश' के को-स्टार शाहरुख खान की तरफ से भी मदद की पेशकश हुई है, तो वे बोले, 'जी बिल्कुल! मैं जल्द ही आर्यन से मिलने वाला हूं। शाहरुख ने भी फोन करके कहा कि जो अच्छा लगे, करो। मैं आपकी मदद के लिए तैयार हूं। शाहरुख के साथ 'जोश' की कई प्यारी यादें हैं। वे बेहद कॉन्फिडेंट ऐक्टर हैं। हम अपने सीन्स मिलकर डिस्कस किया करते थे। ऐश्वर्या भी बहुत स्वीट हैं। उनके साथ काम करके भी बहुत मजा आया था।'



पिता शाहरुख खान से तुलना होना मेरे लिए तारीफ की बात है

फिल्ममेकर आर्यन खान को 'टाइम 100 नेक्ट इंडिया' के कवर पेज पर जगह मिली है। हाल ही में हुए एक इंटरव्यू के दौरान आर्यन से पिता शाहरुख खान के बारे में सवाल किये गए। उनसे पूछा गया कि पिता सुपरस्टार शाहरुख खान से तुलना पर वह क्या राय रखते हैं? आर्यन खान ने पिता से उनकी तुलना होने पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा, 'हर किसी की उनसे तुलना की गई है। अगर मैं भी उन लोगों में से एक हूं, तो इसमें कोई परेशानी नहीं है। नंबर-1 इंसान से तुलना होना मेरे लिए तारीफ की बात है। वह एक अलग ही शख्सियत हैं।' अपनी बातचीत में आगे आर्यन खान ने सलमान खान से जुड़ा एक खास किस्सा सुनाया। सलमान खान ने आर्यन की सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में कैमियो किया था। इस पर आर्यन ने बताया कि सीरीज की शूटिंग के दौरान उन्हें पता चला कि सलमान भी उसी लोकेशन पर मौजूद हैं। उन्होंने सलमान की टीम को मैसेज भेजकर पूछा कि क्या आर्यन उनसे मिलने आ सकते हैं, लेकिन सलमान ने खुद आर्यन के सेट पर आने की बात कह दी। इसके बाद उन्होंने अपने सिनेमैटोग्राफर को तैयार रहने कह दिया। जब सलमान आए तब उन्हें वहीं डायलॉग देकर उनका कैमियो शूट कर लिया गया। आर्यन खान के अलावा एक्ट्रेस आलिया भट्ट, पायल कपाड़िया और थेजा रियो इस मैग्जीन के कवर का हिस्सा हैं। वहीं दिलजीत दोसांझ, अनिरुद्ध रविचंदर, सामंथा रुथ प्रभु, साई पल्लवी, विक्की कौशल और वैभव सूर्यवंशी जैसे नाम भी शामिल हैं।



शादी और तलाक पर बोलीं डांसिंग क्वीन सपना चौधरी

डांसर सपना चौधरी अपनी निजी जिंदगी को लेकर मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अपनी शादी के छह वर्षों के बाद तलाक की अर्जी दाखिल की है। उनका केस अभी चल रहा है। सपना ने हाल ही में अपने और अपने पति के रिश्ते को लेकर बात की है।

प्यार पर क्या बोलीं सपना

एनएमएफ न्यूज से बातचीत में सपना चौधरी ने बताया, 'जब सब अच्छा था, तब साथ थे, अब अच्छा नहीं है तो साथ भी नहीं हैं।' सपना ने इशारों में यह बताने की कोशिश की कि उनके पति ने उन्हें चीट किया। उन्होंने कहा, 'ऐसे लोगों को मैं यही कहूंगी कि जिसका एक जगह से पेट नहीं भरता, उसका जगह-जगह जाकर भी पेट नहीं भरता है।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि प्यार सिर्फ फिजिकली नहीं होता, प्यार रुह से होता है। प्यार में इमोशंस होते हैं। मगर मुझे लगता है कि लड़के ज्यादा प्रैक्टिकल होते हैं। लड़कियां इमोशन्स में बह जाती हैं।'

किस चीज से भटक गई सपना

सपना ने अपनी शादी के बारे में कहा 'मैं जब बिग बॉस से बाहर आई, तो मेरी शादी हो गई। उस वक्त मैं बहुत ज्यादा मशहूर थी। मैं बहुत अच्छी बहू रही हूं। पत्नी और मां भी मैं बहुत अच्छी रही हूं। मगर उस वक्त मुझे लगा कि मैं बस किसी की पत्नी, किसी की मां, किसी की भाभी बनकर ही रह गई। उस टाइम मुझे खुद में जो ग्रूमिंग करनी चाहिए थी। मैं उससे भटक गई थी।'

क्या दूसरी शादी करेंगी सपना

तलाक होने के बाद दूसरी शादी के सवाल पर सपना चौधरी ने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे जैसी लड़की को चलते-फिरते प्यार नहीं होता। मैं बहुत इमोशनल हूं। मैं बहुत गहराई से प्यार करती हूं। आगे चलकर अगर कोई उस लायक हुआ तो देखेंगे। अभी तो नहीं कर रही। मुझे नहीं लगता कि मैं दूसरी शादी कर पाऊंगी।'



नेटफ्लिक्स सीरीज 'टनल मेन' में लीड रोल में नजर आएंगी तब्बू

उत्तराखंड के सिलक्यारा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन की कहानी अब वेब सीरीज के जरिए दर्शकों तक पहुंचेगी। YRF (यश चोपड़ा) एंटरटेनमेंट की नेटफ्लिक्स सीरीज 'टनल मेन' में बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू लीड रोल में नजर आएंगी। यह पहली बार होगा, जब तब्बू किसी हिंदी ओरिजिनल स्ट्रीमिंग सीरीज में काम करेंगी। टनल मेन को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा। सीरीज 2023 में उत्तरकाशी की सिलक्यारा-बड़कोट सुरंग में हुए रेस्क्यू ऑपरेशन की घटनाओं और उससे जुड़े मानवीय जज्बे से प्रेरित एक काल्पनिक ड्रामा होगी। नवंबर 2023 में सिलक्यारा सुरंग का एक हिस्सा ढहने से 41 मजदूर अंदर फंस गए थे। उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए 17 दिन तक चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया था। देश-दुनिया की एजेंसियों और विशेषज्ञों की मदद से सभी मजदूरों को बाहर निकाला गया था। 'टनल मेन' में इसी अभियान के दौरान दिखे धैर्य, टीमवर्क, साहस और उम्मीद की कहानी को पर्दे पर पेश किया जाएगा। तब्बू ने तीन दशक से ज्यादा लंबे करियर में हिंदी के साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में भी काम किया है। 'माचिस' और 'चांदनी बार' में अभिनय के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिले। वहीं 'मकबूल', 'हैदर' और 'अंधाधुन' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को सराहा गया। वह मीरा नायर की फिल्म 'द नेमसेक', आंग ली की 'लाइफ ऑफ पाई' और सीरीज 'ड्यून: प्रोफेसी' में भी नजर आ चुकी हैं। 'द रेलवे मेन' का निर्देशन कर चुके शिव रवैल 'टनल मेन' के शोरनर के रूप में वापसी कर रहे हैं। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। वाईआरएफ एंटरटेनमेंट के सीईओ अक्षय विधानी के नेतृत्व में हेड ऑफ कंटेंट बने सौगता मुखर्जी का यह पहला प्रोजेक्ट है।



मां बनने के बाद से इमोशनल हुईं नेहा धूपिया

अभिनेत्री नेहा धूपिया इन दिनों 'रोडीज रीबर्थ' में जज के तौर पर नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि मां बनने के बाद वह सख्त होने के साथ-साथ इमोशनल भी हो गई हैं। दरअसल, आईएएनएस ने अभिनेत्री से सवाल पूछा, 'क्या मदरहुड ने यंग कंटेस्टेंट्स को देखने का आपका नजरिया बदल दिया है या गैंग लीडर नेहा अभी भी फैसले लेने में हावी रहती हैं?' अभिनेत्री ने कहा, 'मैं अभी भी हावी रहती हूं और मेरे साथ यही रहता है। कई बार मुझे लोगों के लिए दुख भी होता और यह जरूरी नहीं कि किसी इमोशनल जुड़ाव की वजह से ऐसा हो। कुछ कंटेस्टेंट्स का बचपन दूसरों से कहीं ज्यादा मुश्किल भरा रहा है और उनके लिए मेरे मन में एक सॉफ्ट कॉर्नर है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई भी आकर अपनी कहानी सुना दे और मैं उसकी बातों में आ जाऊं। मां बनने के बाद से मैं और भी सख्त होने के साथ-साथ ज्यादा इमोशनल भी हो गई हूं। मुझे पता है कि ये दोनों बातें बिल्कुल अलग-अलग लगती हैं लेकिन यही सच है।' अभिनेत्री ने आगे यह भी बताया कि रोडीज जैसे शो में गैंग लीडर के तौर पर काम करना अकेले लड़ने जैसा है।

उन्होंने कहा, 'ऐसा कभी नहीं होता है कि आप हर फैसले पूरी तरह अकेले ले रहे हैं लेकिन आपको अपने फैसलों पर अडिग रहना होता है। आप अपने दोस्तों से बात कर सकते हैं लेकिन ये जरूरी नहीं कि वो आपकी बात सुनें। कभी-कभी ऐसा लगता है कि या तो आप अपने फैसले खुद लें या बस हार मान लें। जाहिर है कि मैं अपने फैसले खुद लेना चुनती हूं।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि लोगों की मेरे बारे में एक खास धारणा है। वो मानते हैं कि मैं बहुत सख्त हूं और मेरी पर्सनालिटी बहुत मजबूत है लेकिन मेरा एक और पहलू है, जो उन्होंने सच में नहीं देखा है। वो यह है कि भले ही मैं ऐसा दिखाती हूं कि मेरे सारे फैसले दिमाग से होते हैं लेकिन असल में वो हमेशा दिल से लिए जाते हैं। मैं दिल से बहुत नरम हूं। मेरा एक इमोशनल पहलू भी है और यही सच है।'

प्रोड्यूसर के तौर पर नई शुरुआत करेंगे राज कुंद्रा

बिजनेसमैन और अभिनेता राज कुंद्रा ने आगामी फिल्म 'निहंग' से प्रोड्यूसर के तौर पर डेब्यू करने का ऐलान किया है। राज कुंद्रा ने अपने इस सफर में साथ देने के लिए पत्नी शिल्पा शेट्टी का शुक्रिया अदा किया। राज कुंद्रा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म के लॉन्च इवेंट की तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने वहां आए जत्थेदारों, संतों, मेहमानों, शुभचिंतकों और मीडिया वालों को भी शुक्रिया कहा। राज कुंद्रा लिखते हैं, 'गुरुवार रात ऐतिहासिक फतेह बुर्ज में जो हुआ, उसके बाद भी मैं शुक्रगुजार हूं। जो एक सपना था, वो अब एक खूबसूरत सफर की शुरुआत बन गया है।'

उन्होंने निर्देशक और निर्माता अमरप्रीत छाबड़ा और पत्नी शिल्पा शेट्टी का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, 'अमरप्रीत छाबड़ा पाजी को खास धन्यवाद, मेरी पत्नी शिल्पा शेट्टी जो हमेशा मेरे साथ खड़ी रहती हैं, अकाल फिल्म्स की पूरी टीम और पर्दे के पीछे मेहनत कर रहे सभी लोगों का शुक्रिया, जो इस सपने को सच करने में लगे हुए हैं।'



प्रकृति की गोद में बसा है चांगलांग





अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग प्राकृतिक सौंदर्य, विविधतापूर्ण संस्कृति, अनूठी परंपराओं और सुरम्य पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। सुंदर घाटियों के बीच और ऊंचे पहाड़ों से घिरे चांगलांग की ऊंचाई 200 मीटर से 4500 मीटर है। चांगलांग मानव जाति के लिए प्रकृति के किसी उपहार से कम नहीं है। चांगलांग की लंबी पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में पर्यटक ताजगी और सुकून महसूस करते हैं।

चांगलांग आने का सही समय

चांगलांग में पूरे साल सुखद जलवायु रहती है। हालांकि, नवंबर से फरवरी के सर्दियों के महीने में यहां का 12 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

चांगलांग के दर्शनीय स्थल

द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र



प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत संस्कृति से समृद्ध चंगलांग ऐतिहासिक युद्धों का गवाह रह चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सैनिकों के लिए यहां कब्रिस्तान बना है, जिसे जयरामपुर कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है। निराशाजनक यादों और भयावहता का एक रूप चांगलांग के मैदान में दफन है जहां द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र हैं। यहां दफन शहीद भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कई देशों के हैं। यह स्थान न केवल अतीत में लिए गए मानव के गलत एवं घातक निर्णयों का साक्षी है, बल्कि आपको उस समय असहायता और नुकसान का भी सामना करवाता है।

नामदफा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व

इसे वर्ष 1983 में सरकार द्वारा एक प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। भारत के चांगलांग में स्थित नामदफा नेशनल पार्क एक आश्चर्यजनक पार्क है, जो बड़े पैमाने पर 1985.25 वर्ग किलोमीटर भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पराक्रमी हिमालयी पर्वतमाला के करीब स्थित यह पार्क 200 मीटर से 4500 मीटर के बीच विभिन्न ऊंचाइयों पर फैला हुआ है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अद्भुत आकर्षण के साथ इस पार्क में बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, हाथी और हिमालयी काले भालू जैसे वन्यजीवों के कुछ बेहतरीन किस्में मौजूद हैं। पर्यटकों को इस पार्क में रहने वाले जानवर बहुत आकर्षित करते हैं।

मियाओ

नोआ-देहिंग नदी के तट पर एक छोटा सा कस्बा है मियाओ। यह चांगलांग की सबसे सुरम्य बस्तियों में से एक है। यह स्थान कुछ तिब्बती शरणार्थियों का भी घर है, जो आश्चर्यजनक डिजाइन और बेहतरीन ऊनी कालीनों का उत्पादन करते हैं। चांगलांग में स्थित मियाओ आपको अपने मंत्रमुग्ध करने वाले नजारों से विस्मित कर देगा है।

लेक ऑफ नो रिटर्न

लेक ऑफ नो रिटर्न का न केवल नाम अनूठा है, बल्कि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। इतिहास के अनुसार झील द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों द्वारा मारे गए हवाई जहाजों की आसान लैंडिंग में सहायता करती थी। इसी काम के लिए झील का उपयोग करने के दौरान कई एयरक्राफ्ट लैंडिंग करते समय इसी जगह पर मारे गए और इसलिए इस झील का ये नाम पड़ा।

चांगलांग कैसे पहुंचें?

हवाई मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम हवाई अड्डा असम के डिब्रूगढ़ में स्थित मोहनबाड़ी है, जो शहर से लगभग 182 किमी की दूरी पर है। हवाई अड्डे से चांगलांग के लिए नियमित कैब सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम रेलवे स्टेशन असम के तिनसुकिया में स्थित है, जो शहर से लगभग 141 किमी की दूरी पर स्थित है और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग द्वारा: चांगलांग बस स्टेशन देश के सभी प्रमुख हिस्सों से रोडवेज के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल



अगर आप अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आप निम्न पर्यटन स्थलों को अपनी यात्रा की सूची में शामिल कर सकते हैं।

प्रमुख के पर्यटन स्थल तवांग

तवांग अरुणाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को बेहद आकर्षित करता है। लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग एक ऐसी जगह है, जो आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको रोमांचित करेगी। सुंदर आर्किड अभयारण्य और टिपी ऑर्किड अभयारण्य तवांग में घूमने की अच्छी जगहों में शामिल हैं। यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के अनूठे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

प्रमुख दर्शनीय स्थल ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो हिमालय के पर उत्तरी छोर पर स्थित है। हाल ही में इटानगर को सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए खोला गया है। शहर की विरासत और आदिवासी संस्कृति, जो दशकों और सदियों पुरानी है वो आज भी यहां बरकरार है। 15 वीं शताब्दी का इटा-किला, पौराणिक गंगा झील, जिसे ग्यार सिनि और बुद्ध विहार के नाम से जाना जाता है, दलाई लामा द्वारा संरक्षित यह महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। यहां का मौसम पर्यटकों को आकर्षित करता है। यूपिया शहर राज्य का प्रमुख आकर्षण है। आप दोनों शहरों को एक साथ कवर कर सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको इटानगर को यात्रा सूची में जरूर शामिल करना चहिए।

घूमने लायक जगह जीरो

जीरो अरुणाचल प्रदेश में एक विचित्र पुराना शहर है, जो अपातानी जनजाति का घर है और अपनी देवदार की पहाड़ियों और चावल के खेतों के लिए प्रसिद्ध है। जीरो में जलवायु हल्की होती है, जिससे पूरे वर्ष यात्रा करना आरामदायक होता है।

देखने लायक जगह बोमडिला

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश का एक सुंदर शहर है। बोमडिला कई स्थानों जैसे मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों से भरपूर है। यहां पर बौद्ध और हिंदू दोनों मंदिर यहां पाए जाते है। इसके अलावा यहां पर्यटक सेब के बगीचे और ईगल नेस्ट वाइल्डलाइफ अभयारण्य की सैर भी कर सकते हैं।

आकर्षण स्थल भालुकपोंग

भालुकपोंग अरुणाचल प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो प्रकृति प्रेमी का स्वर्ग होने के अलावा कई वन्यजीवों को एक्स्प्लोर करने का मौका देता है। भालुकपोंग वातावरण से कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यहां जगल में बहने वाली कामेंग नदी शहर को और आकर्षक बनाती है। भालुकपोंग में आप पैदल यात्रा, ट्रेकिंग, कैंपिंग और फिशिंग का मजा ले सकते हैं। पखुई खेल अभयारण्य में बाघों, हाथी। बार्किंग डियर के साथ पक्षियों को देख सकते हैं।

दर्शनीय स्थल रोइंग

रोइंग यहां का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो बर्फ से ढकीं पहाड़ियों, गहरी घाटियों, अशांत नदियों, झरने, शांत झीलों, पुरातात्विक स्थल, शांति स्थलों से भरा है। जो भी पर्यटक यहां आता है, वो कभी निराश होकर नहीं जाता। रोइंग में प्रकृति प्रेमियों के लिए कई झीलें और घाटियां हैं, जो इसे स्वर्ग बनाती हैं। भीष्मनगर किला और नेहरू उद्योग इसके ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

पर्यटन स्थल खोंसा

समुद्र तल से 1,215 मीटर औसत ऊंचाई पर, खोंसा एक सुंदर सा हिल स्टेशन है, जो प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। खोंसा अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले का मुख्यालय है और यह हिमालय पर्वतमाला से घिरे तिरप घाटी में स्थित है। खोंसा के मुख्य आकर्षण धाराएं, गहरी घाटियां, घने जंगल और बर्फ से ढकी पहाड़ियां हैं, जो पर्यटकों को यहां आने के लिए मजबूर करती हैं। पूर्व में म्यांमार की सीमा के साथ खोंसा एक सैन्य क्षेत्र है।

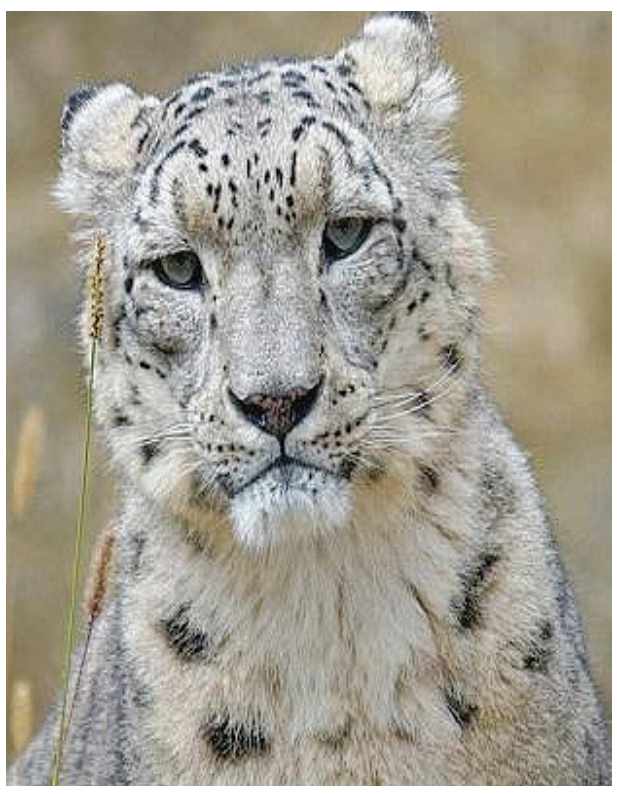

अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

अगर आप प्रकृति के करीब जाकर कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का प्लान बना सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में से एक है, जो पूर्व में भूटान, उत्तर और पूर्वोत्तर में चीन, दक्षिणपूर्व में म्यांमार और दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों से घिरा हुआ है। पर्यटन के लिहाज से यह राज्य काफी खास माना जाता है, जहां दूर-दूर से सैलानी अपने मनोरंजन और रोमांच को दोगना करने के लिए आते हैं। एक शानदार अवकाश के लिए आप यहां का प्लान अपने परिवार या दोस्तों के साथ बना सकते हैं। इस राज्य का इतिहास कई हजार साल पुराना है, जिसका उल्लेख हिंदू धर्म के महाकाव्यों में भी मिलता है। यहां चारों तरफ फैले पहाड़ और हरियाली को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हो उठते हैं। यहां स्थित बौद्ध मठ विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, आत्मिक और मानसिक शांति के लिए यहां दुनिया भर से नामचीन लोगों का भी आगमन होता है। अरुणाचल प्रदेश में पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई अत्यधिक लुप्तप्राय हैं। अरुणाचल प्रदेश निर्मल पहाड़ों से भरा हुआ है जो सर्दियों के दौरान पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाते हैं और लुहावने दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पहाड़ी आकर्षण से अलग यहां के वन्यजीव अभयारण्य सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस आलेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य के बारे में, यह अभयारण्य आपको किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

कमलंग वाइल्ड लाइफसेंचुरी, अरुणाचल प्रदेश का एक खूबसूरत वन्यजीव अभयारण्य है, जो राज्य के लोहित जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को 1989 में स्थापित किया गया था। चूंकि यह आरक्षित वन क्षेत्र यहां की कमलंग नदी के आसपास विकसित है, इसलिए इसका नाम नदी के नाम पर रखा गया था। यह सेंचुरी न सिर्फ वनस्पति और जंगली जीवों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, बल्कि मिसमी, दिगारु, मिजो जैसी कई जनजातियां भी इसी अभयारण्य के आसपास रहती हैं।



इन जनजातियों को मानना है कि ये महाभारत के रुकमो नामक राजा के वंशज हैं। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इस बात का कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता। उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित यह अभयारण्य भारत की चार बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बाघ, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड) का निवास स्थान भी है। कमलंग वन्यजीव अभयारण्य लोहित जिले के दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है और 783 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है। यहां कई खूबसूरत जलाशय भी मौजूद हैं, जिनमें ग्लो झील और परशुराम कुंड काफी लोकप्रिय हैं। ये जलाशय काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए आपको ट्रेकिंग का सहारा लेना होगा। परशुराम कुंड के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं का भी आगमन होता है। आगे जानिए इस अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां।

आने का सही समय

कमलंग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का भ्रमण आप किसी भी समय कर सकते हैं, यहां का मौसम सालभर शानदार बना रहता है, लेकिन यहां आने का आदर्श समय अक्टूबर से लेकर अप्रैल के मध्य का बताया जाता है, क्योंकि इस दौरान यह अभयारण्य हरियाली से भरा रहता है। इस दौरान आप यहां अपने आनंद को दोगना कर सकते हैं।

पूर्वोत्तर भारत का अरुणाचल प्रदेश हमेशा से ही देश के अनन्वेषित (अनिक्स्प्लॉर्ड) स्थलों में रहा है। इसके पीछे का कारण यातायात और कनेक्टिविटी की कमी है, लेकिन इसके बावजूद इस पर्वतीय राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती को नकारा नहीं जा सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से एक समृद्ध भूखंड है, यहां घूमने-फिरने और देखने के लिए कई शानदार स्थल मौजूद है। जायकेदार व्यंजनों से लेकर आप यहां शानदार बायोडायवर्सिटी स्पॉट्र्स का भी आनंद उठा सकते हैं।

एक ट्रैवलर की यात्रा को यादगार बनाने के लिए यहां बहुत कुछ उपलब्ध है। यहां के जलप्रपात भी सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते है। इस लेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के चुनिंदा सबसे खास जलप्रपातों के बारे में, जिन्हें आप अपनी पूर्वोत्तर की यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

नूरानंग जलप्रपात

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपातों की सैर आप यहां से सबसे प्रसिद्ध नूरानंग फॉल से कर सकते है। यह झरना राज्य का लोकप्रिय पर्यटन स्थल गिना जाता है। 100 मीटर की अपनी ऊंचाई के साथ यह निस्संदेह पूर्वोत्तर भारत में सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। इस जलप्रपात को बोंग-बोंग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। नूरानंग जलप्रपात बोमडिला और तवांग को जोड़ने वाली सड़क के पास जंग से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। जलप्रपात के आधार पर एक छोटा विद्युत संयंत्र भी लगाया गया है। तवांग नदी से जुड़ा यह जलप्रपात चट्टानी पहाड़ियों की ढलान से नीचे गिरता है। जिसकी आवाज बहुत दूर से भी सुनी जा सकती है। इस झरने का नाम एक नूरा नाम की एक मोन्पा लड़की पर पड़ा है, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान एक भारतीय सैनिक की मदद की थी। इसके अलावा इसके दृश्यों को बॉलीवुड की फिल्मों में भी दर्शाया गया है, अगर आपको फिल्म कोयला याद है, तो उसमें एक गीत की पृष्ठभूमि के लिए इस जलप्रपात का चयन किया गया था। यह एक खास झरना है, आपको यहां जरूर आना चाहिए।

बिरसा मुंडा झरना

नूरानंग जलप्रपात के अलावा भी आप अरुणाचल प्रदेश के अन्य जलप्रपातों की सैर का प्लान बना सकते हैं। आप यहां के बिरसा मुंडा झरने की सैर कर सकते हैं। यह जलप्रपात राज्य के मेचुका जाने वाले रास्ते के दौरान पड़ता है। हालांकि यह एक अज्ञात झरना, जिसके विषय में अधिकांश ट्रैवलर नहीं जानते हैं। यहां तक आप स्थानीय निवासियों की मदद से पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के मध्य बसा यह झरना आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। खासकर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। अगर आप अज्ञात स्थलों की सैर के साथ रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां जरूर आएं। बिरसा मंडा जलप्रपात की खूबसूरत आपको सच में वशीभूत कर लेगी।

बाप तेंग कांग

अगर आप अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करना चाहते हैं तो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 82 किमी दूर स्थित बाप तेंग कांग जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। 100 फीट की ऊंचाई वाला यह झरना यहां के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां सैलानी जाना पसंद करते हैं। यह झरना प्रकृति प्रेमियों को अपने अद्भुत दृश्यों के साथ आकर्षित करता है। यह जलप्रपात बीटीके वॉटरफॉल के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां साफ पानी आपको नहाने के लिए जरूर मजबूर करेगा। एक शानदार अनुभव के लिए आप इस स्थल को अपनी यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

सिर्की जलप्रपात

बिरसा मुंडा जलप्रपात की तरह है, सिर्की जलप्रपात एक अज्ञात झरना है, जहां ज्यादातर ट्रैवलर पहुंच ही नहीं पाते। यह जलप्रपात राज्य के पासीघाट में स्थित है। यह एक खास स्थल है, जहां आप प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रेकिंग, हाइकिंग, पिकनिक जैसी रोमांचक गतिविधियों का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा एडवेंचर के शौकीन यमबंग और सिर्की से पासीघाट तक राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं। अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा को यादगार बनाने के लिए आप यहां जरूर आएं।

जलप्रपातों की अलावा: गंगा झील

जलप्रपातों के अलावा आप यहां जलीय आकर्षणों में राज्य की गंगा झील की सैर का प्लान भी बना सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध झील है, जो राजधानी इटानगर से कुछ किमी दूर स्थित है। इस झील को इसके आसपास का प्राकृतिक माहौल खास बनाने का काम करता है। यहां की पहाड़ियां इस झील को जीवंत रूप प्रदान करती है। पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां बोटिंग सुविधा उपलब्ध है। एक शानदार अनुभव के लिए आप यहां जा सकते हैं।

